THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

गुणवत्ताबिहीन दवाएं वापस करने का आदेश

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियाव)। भारत के दवा नियामक ने बुधवार को जानकारी दी कि करीब 45 दवा निर्माताओं को गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए के कारण अपने उत्पादों को वापस लेने को कहा गया है। साथ ही, पांच नकली दवा निर्माताओं के खिलाफ कार्रवाई कार्रवाई भी शुरू की गई है। केंद्रीय दवा मानक नियंत्रक संगठन (सीडीएससीओ) के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) राजीव सिंह रघुवंशी ने सीआईआई फार्मा और लाइफ साइंसेज शिखर सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया है कि पचास नकली दवाओं पर प्रतिबंध लगाने की खबरें पूरी तरह गलत हैं। ये नकली दवाएं नहीं हैं, गुणवत्ता के पैमाने पर खरी नहीं उतर रही हैं।

वर्ष-29 अंक : 199 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.7 2081 गुरुवार, 10 अक्टूबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कांग्रेस हिंदुओं को जाति में बांटती है : मोदी

मुस्लिमों की बात आने पर इनके नेताओं के मुंह पर ताला लग जाता है

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए महाराष्ट्र में 7600 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर पीएम ने कहा कि कांग्रेस देश को बांटने की राजनीति करती है। पीएम ने कहा- कांग्रेस के एक भी नेता ने आज तक नहीं कहा कि हमारे मुस्लिम भाई-बहनों में कितनी जातियां होती हैं। मुस्लिम जातियों की बात आते ही कांग्रेसी नेता मुंह पर ताला लगा कर बैठ जाते हैं, लेकिन जब भी हिंदू समाज की बात आती है, तो कांग्रेस उनकी चर्चा जाति से ही शुरू करती है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों के मन में भय का माहौल पैदा कर रही है। कांग्रेस लोगों में डर पैदा करती है। कांग्रेस अपने वोट बैंक की खातिर देश का सांप्रदायिककरण कर रही है। कांग्रेस का फॉर्मूला साफ है कि मुसलमानों को डराते रहो, उनको भय दिखाओ, उनको वोट बैंक में कन्वर्ट करो और वोट बैंक को मजबूत करो। कांग्रेस की नीति हिंदुओं की एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाने की है। कांग्रेस जानती है हिंदू जितना बंटेगा, उतना ही उसका फायदा होगा। कांग्रेस किसी भी तरीके से हिंदू समाज में आग लगाए रखना चाहती है, ताकि वो उस पर राजनीतिक रोटियां सेंकती रहे। भारत में जहां भी चुनाव होते हैं, वहां कांग्रेस यही फॉर्मूला लागू करती है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने X पर पोस्ट किया-राजनीतिक भाषण देने और विपक्ष पर हमला करने के लिए पीएम मोदी को सरकारी कार्यक्रम के मंच का उपयोग नहीं करना चाहिए। टैक्स पेयर के पैसे का इस्तेमाल भोग-विलास के लिए नहीं किया जा सकता है और न ही किया जाना चाहिए। राजनीतिक भाषण के लिए वह भाजपा के मंच का उपयोग कर सकते हैं।

कांग्रेस का फॉर्मूला-हमेशा बांटो और सत्ता पाओ

मोदी ने कहा-कांग्रेस पूरी तरह से सांप्रदायिक और जातिवाद का चुनाव लड़ती है। हिंदू समाज को तोड़कर उसे अपनी जीत का फॉर्मूला बनाना, यही कांग्रेस की राजनीति का आधार है। कांग्रेस भारत के 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' की परंपरा का दमन कर रही है, सनातन परंपरा का दमन कर रही है। कांग्रेस, हमेशा बांटो और सत्ता पाओ के फॉर्मूले पर चली है। कांग्रेस ने बार-बार ये सिद्ध किया है कि वो एक गैर-जिम्मेदार दल है। वो अभी भी देश को बांटने के लिए नए-नए नैरेटिव गढ़ रही है। कांग्रेस समाज को बांटने का फॉर्मूला लाती रहती है। पीएम ने कहा कि कुछ दिन पहले ही हमने मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा दिया। जब एक भाषा को उसका गौरव मिलता है, तब सिर्फ शब्द नहीं बल्कि पूरी पीढ़ी को नए बोल मिलते हैं। करोड़ों मराठी मानुष का दशकों पुराना सपना पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने जगह-जगह इस बात की खुशी मनाई। आज महाराष्ट्र के गांव-गांव से मुझे खुशी के संदेश भी भेज रहे हैं।

हमने मराठी भाषा को नई पहचान दी

पीएम ने कहा कि महाराष्ट्र में विकास तेज हुआ, हमने मराठी भाषा को नई पहचान दी। आज महाराष्ट्र को 10 मेडिकल कॉलेज की सौगात मिल रही है। नागपुर एयरपोर्ट के आधुनिकीकरण और विस्तार का काम, शिर्डी एयरपोर्ट के लिए एक टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण, आज इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े इन दो अहम प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास भी हुआ। उन्होंने कहा कि मैं इन सभी विकास कार्यों के लिए महाराष्ट्र के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। महाराष्ट्र के इतिहास में इतनी तेज गति से, इतने बड़े स्केल पर अलग-अलग क्षेत्रों में कभी भी विकास नहीं हुआ। हां, ये बात अलग है कि कांग्रेस के राज में इतनी ही तेज गति से, इतने ही स्केल पर अलग-अलग क्षेत्रों में भ्रष्टाचार जरूर होता था।

केंद्र फोर्टिफाइड चावल के मुफ्त वितरण पर 17 हजार करोड़ खर्च करेगी सरकार

> 80 करोड़ लोगों को होगा लाभ

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियाव)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जुलाई 2024 से दिसंबर 2028 तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) सहित सभी सरकारी योजनाओं के तहत फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति जारी रखने को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि चावल फोर्टिफिकेशन पहल पीएमजीकेएवाई (खाद्य सब्सिडी) के हिस्से के रूप में सरकार की ओर से 100 प्रतिशत वित्त पोषण की पहल के रूप में जारी रहेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश में पोषण सुरक्षा की आवश्यकता पर पीएम मोदी के जोर देने के बाद एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए 'लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस), अन्य कल्याणकारी योजनाओं, एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस), पीएम पोषण (पूर्ववर्ती एमडीएम) में फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति' करने पहल की गई। अप्रैल 2022 में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने मार्च 2024 तक चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में चावल फोर्टिफिकेशन पहल को लागू करने का निर्णय लिया था।

चुनाव आयोग ने खरगे को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को कांग्रेस पार्टी की तरफ से अस्वीकार्य और अप्रत्याशित बताए जाने पर चुनाव आयोग ने अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का पत्र लिखा है।

आयोग ने चुनावी नतीजों पर पार्टी अध्यक्ष के बयान पर आपत्ति जताई है। चुनाव आयोग के पत्र में लिखा गया है कि आयोग ने आपके और विपक्ष के नेता के बयानों पर गौर किया है, जिसमें हरियाणा के नतीजों को अप्रत्याशित बताया गया है और कांग्रेस इसका विश्लेषण करने और अपनी शिकायतों/शिकायतों के साथ चुनाव आयोग से संपर्क करने का प्रस्ताव रखती है। इस उचित धारणा पर आगे बढ़ते हुए कि पार्टी अध्यक्ष का बयान चुनावी नतीजों पर पार्टी की औपचारिक स्थिति है। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने आज शाम 6 बजे कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से मिलने पर सहमति भी जताई है।

केमिस्ट्री का नोबेल 2 अमेरिकी और एक ब्रिटिश वैज्ञानिक को

> प्रोटीन का स्ट्रक्चर समझाने वाला एआई मॉडल बनाया > 190 देशों में हो रहा इस्तेमाल

स्टॉकहोम, 9 अक्टूबर (एजेंसियाव)। केमिस्ट्री के नोबेल प्राइज 2024 की घोषणा हो गई है। इस साल ये प्राइज 3 वैज्ञानिकों को मिला है। इनमें अमेरिकी वैज्ञानिक डेविड बेकर, जॉन जम्पर और ब्रिटिश वैज्ञानिक डेमिस हसाबिस शामिल हैं। प्राइज को दो हिस्सों में बांटा गया है। पहला हिस्सा डेविड बेकर को मिला है, जिन्होंने नई तरह के प्रोटीन का निर्माण किया। प्रोटीन डिजाइन एक तकनीक है जिसमें प्रोटीन की संरचना में बदलाव कर नए गुण वाले प्रोटीन तैयार किए जाते हैं। इससे दवा और वैक्सीन बनाने में मदद मिलती है। वहीं प्राइज का दूसरा हिस्सा डेमिस और जॉन जम्पर को मिला, जिन्होंने एक ऐसा एआई मॉडल बनाया, जिसने कॉम्प्लेक्स प्रोटीन के स्ट्रक्चर को समझने में मदद की।

दवा-वैक्सीन में इस्तेमाल हो रहा नया प्रोटीन

प्रोटीन मनुष्य के शरीर के लिए केमिकल टूल की तरह काम करता है। यह शरीर में होने वाले सभी केमिकल रिएक्शन्स को कंट्रोल करता है जो मानव जीवन का आधार होते हैं। प्रोटीन करीब 20 अलग-अलग अमीनो ऐसिड से बना होता है। 2003 में डेविड बेकर ने इन अमीनो एसिड का इस्तेमाल कर एक नए तरह का प्रोटीन बनाया। इसका इस्तेमाल कई वैक्सीन और दवाइयों में किया जाता है। दूसरी खोज में प्रोटीन स्ट्रक्चर को समझने के लिए एआई मॉडल बनाया गया।

कोलकाता रेप-मर्डर सीबीआई चार्जशीट में 11 सबूत

कोलकाता, 9 अक्टूबर (एजेंसियाव)। कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर रेप और मर्डर केस में सीबीआई ने आरोपी संजय रॉय के खिलाफ 11 सबूत इकट्ठा किए हैं। चार्जशीट में इन सभी सबूतों का जिक्र किया गया है और संजय रॉय को मुख्य आरोपी बनाया है। चार्जशीट की कॉपी के हवाले से रिपोर्ट में कहा कि घटना के दौरान पीड़ित ने संजय का विरोध किया था।

इस चार्जशीट में विक्टिम को वी नाम से संबोधित किया गया है। सीबीआई ने कहा विक्टिम की बॉडी पर संजय का डीएनए पाया गया और छोटे बाल भी मिले। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। 9 अगस्त को विक्टिम की बॉडी मेडिकल कॉलेज में मिली थी। शुरुआती जांच के बाद 10 अगस्त को संजय रॉय को पुलिस ने अरेस्ट किया था।

जम्मू-कश्मीर के लोगों का शुक्रिया : राहुल

> हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विधानसभा चुनाव के परिणामों पर पहली बार प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों का तहे दिल से शुक्रिया। प्रदेश में इंडिया की जीत संविधान की जीत है, लोकतांत्रिक स्वाभिमान की जीत है। राहुल ने हरियाणा में मिली करारी हार पर कहा कि हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं। अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएंगे। सभी हरियाणा वासियों को उनके समर्थन और हमारे बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए दिल से धन्यवाद। उन्होंने आगे कहा कि हक का, सामाजिक और आर्थिक न्याय का, सच्चाई का यह संघर्ष जारी रखेंगे, आपकी आवाज़ बुलंद करते रहेंगे। दरअसल, हरियाणा विधानसभा चुनाव जीतकर भाजपा ने न सिर्फ सारे एग्जिट पोल्स को झूठा साबित कर दिया, बल्कि अपने विरोधियों को भी चौंका दिया है। इसके बाद से ही कांग्रेस अपने साथियों के निशाने पर है। हालांकि, कांग्रेस इन नतीजों को मानने के लिए तैयार नहीं है। उसने नतीजों में गड़बड़ी को लेकर चुनाव आयोग से शिकायत भी की है।

बम की धमकी के बावजूद 3.30 घंटे उड़ता रहा प्लेन

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। लंदन से दिल्ली के लिए उड़ी विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइट यूके18 में बम की सूचना से हड़कंप मच गया। फ्लाइट के दिल्ली पहुंचने से करीब साढ़े 3 घंटे पहले एक यात्री ने प्लेन के टॉयलेट में धमकी भरा टिश्यू पेपर देखा। उसने क्रू मेंबर को सूचना दी। फ्लाइट को दिल्ली में लैंड कराकर आइसोलेशन में ले जाया गया, जहां सभी पैसेंजर के सामान की गई। जांच में बम जैसी कोई चीज नहीं मिली। इस मामले में अहम पेंच यह भी है कि बम की सूचना वाला टिश्यू पेपर मिलने के बावजूद साढ़े 3 घंटे तक प्लेन हवा में उड़ता रहा। पुलिस ने क्रू मेंबर्स से सवाल किया कि बम की सूचना के बावजूद प्लेन को दिल्ली तक क्यों लाया गया।

आयुर्वेद के खिलाफ झूठ फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जरूरत : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को आयुर्वेद के नाम पर झूठे और भ्रामक दावे करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में लोगों की अटूट आस्था का फायदा उठाकर निर्दोष नागरिकों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

आयुर्वेद को बनाए रखने के लिए अनुसंधान में निवेश, औषधियों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार और आयुर्वेद के अध्ययन से जुड़े शिक्षण संस्थानों को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। यह बात उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के आठवें स्थापना दिवस समारोह के दौरान कही। मुर्मू ने कहा, हमारी पीढ़ी दर पीढ़ी का आयुर्वेद में अटूट भरोसा रहा है। कुछ लोग इस भरोसे का फायदा उठाकर नागरिकों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं और आयुर्वेद की छवि को खराब करते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि आयुर्वेदिक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनाया जाना चाहिए, ताकि इन्हें बिना किसी रुकावट के निर्यात किया जा सके। उन्होंने कहा, हम अपने आयुर्वेदिक ज्ञान भंडार को साक्ष्य आधारित और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ वैश्विक स्तर पर मान्यता दिला सकते हैं।

राष्ट्रपति ने बताया कि आयुर्वेद दुनिया की सबसे प्राचीन प्रणालियों में से एक है और भारत के लिए एक अनमोल उपहार है। उन्होंने आगे कहा, दुनिया भारत में इस बात को माना जा रहा है कि स्वस्थ रहने के लिए मन और शरीर दोनों का स्वस्थ होना जरूरी है। आयुर्वेद और योग के बारे में जानने की इच्छा ने लोगों को भारत की ओर आकर्षित किया है।

हम बनते हैं, तभी देश बनता है : मोहन भागवत

नागपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को नागपुर में 'स्वतंत्रता का स्वराभिषेक' कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हमको अच्छा बनना है और अपने देश को भी अच्छा बनाना है। हम सबको जागना है और देश को भी जगाना है। स्वयं जागकर अब हमको अपने देश को जगाना है। यह हमारे सामने चुनौतियां हैं और उसी के लिए सभी को शिक्षा हासिल करनी है और देश को आगे लेकर जाना है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, 'जीवन में जीत हार लगी रहती है, परंतु जीत हार का महत्व नहीं रहता है। जीवन को कैसे जिया जाए और किसलिए जिया जाए, ये महत्वपूर्ण होता है। 1857 में जो लड़े, उस समय स्वतंत्रता नहीं मिली, वह तो हार गए, मगर आज भी उनकी कीर्ति गाते हैं। 1857 में वह नहीं लड़ते, तो हम 1947 में स्वतंत्र नहीं होते, तब से जो प्रयास चले, यह उसी का परिणाम है।' मोहन भागवत ने कहा कि आज इस कार्यक्रम में जिसे भी पुरस्कार मिला है। महत्वपूर्ण यह है कि हमें एक-दूसरे के साथ आपस में जुड़ना जरूरी है। दोस्ती जरूरी है। लेकिन दोस्ती स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि देश के हित में करें, इससे देश और दोस्ती करने वाले का नाम अमर हो जाता है। इसलिए यह प्रयास जारी रखना कि अगर देश को बड़ा करना है, तो हम सबको एक-दूसरे के साथ जुड़ना होगा। उन्होंने कहा, 'हम बनते हैं, तभी देश बनता है। अगर हमको अच्छा बनना है, तो देश को प्रथामकिता देनी होगी।

दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास किया गया सील

सीएम हाउस से आतिशी का सामान निकाला गया

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के फ्लैग स्टाफ रोड स्थित सीएम आवास को सील कर दिया गया है। पीडब्ल्यूडी ने आवास से उनका सामान निकालकर बाहर कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 4 अक्टूबर को आवास खाली किया था। दो दिन पहले ही आतिशी इसमें रहने आईं। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी बुधवार सुबह 11-11:30 बजे सीएम आवास आए थे। उनके मुताबिक, घर का हैंडओवर करने में नियमों का पालन नहीं किया गया था। आतिशी के पास इस घर की चाबियां थीं, लेकिन उन्हें घर अलॉट किए जाने के आधिकारिक दस्तावेज नहीं दिए गए थे।

अधिकारियों ने दोपहर तक घर की चाबियां ले लीं। इसे लेकर सीएम ऑफिस ने कहा, 'इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को उसका घर खाली करने को कहा गया है। एलजी ने भाजपा के कहने पर जबरदस्ती आतिशी का सामान घर से बाहर निकाला। ये सीएम आवास किसी बड़े भाजपा नेता को दिए जाने की तैयारी की जा रही है। भाजपा 27 साल से दिल्ली में सरकार से बाहर है, अब वह सीएम आवास हथियाना चाहती है। डायरेक्टर ऑफ विजिलेंस ने केजरीवाल के स्पेशल सेक्रेटरी समेत तीन अधिकारियों को शो-कॉज नोटिस भेजा है। दो अन्य अधिकारी वे हैं जो केजरीवाल के सीएम रहते समय सीएम कैंप ऑफिस में तैनात थे। उनसे पूछा गया है कि साफ निर्देश दिए जाने के बाद भी उन्होंने सीएम आवास की चाबियां पीडब्ल्यूडी को क्यों नहीं सौंपीं।

मालगाड़ी पलटाने की साजिश

रायबरेली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायबरेली -ऊंचाहार रेलखंड पर स्लीपर रखकर मालगाड़ी पलटाने की साजिश की जांच बुधवार को शुरू हो गई। शुरुआती जांच में मालगाड़ी पलटाने की साजिश में सात से आठ लोगों के शामिल होने का अंदेशा जताया जा रहा है। वजह एक स्लीपर का वजन करीब तीन क्विंटल होता है। ऐसे में एक-दो लोग स्लीपर उठाकर उसे रेल लाइन तक नहीं पहुंचा सकते हैं। ऐसे में जाहिर है कि ऐसा करने वालों की संख्या ज्यादा थी। इस साजिश के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं, यह पता लगाने के लिए जीआरपी, आरपीएफ के अधिकारी सिविल पुलिस का भी सहारा ले रहे हैं।

हरियाणा में भी 2 डिप्टी सीएम होंगे

चंडीगढ़, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत की हैट्रिक के बाद अब नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। पार्टी सूत्र बताते हैं कि हरियाणा में भी पार्टी मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा की तरह दो डिप्टी सीएम का फॉर्मूला ला सकती है। वरिष्ठता के आधार पर पूर्व गृह मंत्री अनिल विज और एक ब्राह्मण विधायक को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। भाजपा विधायक दल की बैठक गुरुवार को होगी। इसमें विधायक दल का नेता नायब सिंह सैनी को चुना जाना तय है। इसके लिए नायब सैनी दिल्ली भी गए। उधर, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के दिल्ली निवास पर राज्य के चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और सह प्रभारी बिप्लव देब ने रणनीति तैयार की है। इस बैठक में मंत्रियों के नामों सहित अन्य मामलों पर चर्चा की गई। हरियाणा में नई सरकार में डिप्टी सीएम फॉर्मूले को लाना चाहती है। इसकी सबसे बड़ी वजह सरकार में सीनियॉरिटी को लेकर होने वाला विवाद है। अभी अनिल विज नई सरकार में सबसे सीनियर नेता हैं। इसके अलावा वह सीएम बनने का दावा भी ठोंक चुके हैं। ऐसे में पार्टी उन्हें मैनेज करने के लिए डिप्टी सीएम बना सकती है।

नई सरकार में भाजपा के नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। पुराने चेहरों में पूर्व गृह मंत्री अनिल विज, मूलचंद शर्मा और महिपाल ढांडा का नाम तो लगभग तय है। वहीं, नए चेहरों में जातीय और क्षेत्रीय तौर पर फरीदाबाद से विपुल गोयल, भिवानी से घनश्याम सर्राफ, बादशाहपुर से राव नरवीर, इसराना से कृष्ण लाल पंवार, नरवाना से कृष्ण कुमार बेदी, राई से कृष्णा गहलावत, जींद से डॉ. कृष्ण मिड्ढा, गोहाना से डॉ. अरविंद शर्मा और यमुनानगर से घनश्याम अरोड़ा का नाम चर्चा में है। इसके अलावा करनाल के घरौंडा से विधायक हरविंदर कल्याण को विधानसभा स्पीकर बनाए जाने की चर्चा है।

प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन आघाड़ी ने जारी की 10 उम्मीदवारों की लिस्ट

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव 2024 की तारीखों की घोषणा अब चुनाव आयोग कभी भी कर सकता है। चुनावों की तारीखों की घोषणा से पहले वंचित बहुजन आघाड़ी ने कमर कस ली है। महाराष्ट्र चुनाव के लिए वंचित बहुजन आघाड़ी ने 10 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। बता दें वंचित बहुजन आघाडी डॉ बाबासाहेब अंबेडकर के पोते प्रकाश अंबेडकर की पार्टी है। प्रकाश अंबेडकर ने वर्ष 2018 में अपनी पार्टी का गठन किया था और 2019 में पहली बार लोक सभा चुनाव लड़ा था और हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव प्रकाश अंबेडकर की पार्टी महाराष्ट्र में अकेले दम पर लड़ी थी।

महाराष्ट्र में प्रकाश अंबेडकर ने तीसरे मोर्चे का किया है गठन

प्रकाश अंबेडकर ने महाराष्ट्र चुनाव के लिए तीसरे तीसरे मोर्चे का ऐलान किया था। जिसमें प्रकाश की वंचित बहुजन अघाड़ी के अलावा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, आदीवासी गोड़ गवारी, आदिवासी माना समाज, आदिवासी जमात संघ, आदिवासी विद्यार्थी कृति समिति, भारत आदिवासी पार्टी, एकलव्य आघाडी, आदिवासी एकता परिषद और जयेश संगठन शामिल है।

11 राज्यों में भारी बारिश का येलो अलर्ट

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों से मानसून विदाई ले चुका है जबकि कुछ जगहों पर मानसून अभी भी सक्रिय है। इस बीच मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों के लिए तेज बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई अन्य राज्यों में मौसम शुष्क रहेगा। आने वाले दिनों में दिल्ली के मौसम में कोई खास बदलाव नहीं होगा। आसमान ज़्यादातर साफ रहेगा और बारिश की कोई संभावना नहीं है।

भारी बारिश का येलो अलर्ट

मौसम विभाग ने तमिलनाडु, केरल, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पुडुचेरी, कराईकल और तटीय कर्नाटक में भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। रायलसीमा, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश में भी आज छिटपुट से लेकर मध्यम बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि 11 अक्टूबर तक 35-45 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से हवाएं चल सकती हैं।

दिल्ली के लिए मौसम शुष्क

उत्तर-पश्चिम, पश्चिम, पूर्व और मध्य भारत के लिए, मौसम विभाग ने बारिश की कोई भविष्यवाणी नहीं की है और मौसम सामान्य रहेगा। दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। दिन का न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी

मौसम विभाग के अनुसार, जल्द ही गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से मानसून विदाई ले रहा है। जबकि दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों से मानसून विदा ले चुका है।

पूर्वोत्तर में मूसलाधार बारिश के आसार

मौसम विभाग का कहना है कि इस सप्ताह पूर्वोत्तर राज्यों विशेष तौर पर नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में आज अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। यहां पर तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

मछुआरों के लिए चेतावनी

मौसम विभाग ने बताया कि 8 से 11 अक्टूबर के दौरान मालदीव, लक्षद्वीप कोमोरिन क्षेत्रों, दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कई हिस्सों, कैलोंग और केरल, कर्नाटक तटों, मन्नार की खाड़ी में 35 किमी प्रति घंटे से 45 किमी प्रति घंटे की हवा की गति के साथ तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। इसलिए, मछुआरों को इन क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है।

अनंतनाग के जंगल से लापता टीए जवान हिलाल अहमद भट का शव मिला

जम्मू, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकरनाग क्षेत्र के उतरुसू जंगल से एक टेरिटोरियल आर्मी (टीए) जवान का शव बरामद किया गया है। जवान, हिलाल अहमद भट, जो मुकेधंपोरा नोगाम का निवासी था, शाम से लापता था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जवान के लापता होने की सूचना मिलने के बाद, बुधवार सुबह एक व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इस सर्च ऑपरेशन में भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां शामिल थीं। इससे पहले, चिनार कॉर्प्स ने एक पोस्ट में कहा था कि एक खुफिया इनपुट के आधार पर, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 8 अक्तूबर को काजवान वन क्षेत्र में एक संयुक्त आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन रात भर जारी रहा, क्योंकि एक टेरिटोरियल आर्मी का जवान लापता हो गया था। सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन के दौरान जंगल में लापता जवान की तलाश में जुटे रहे। उन्हें गहनता से तलाश किया गया और जवान का शव बरामद हुआ। अधिकारियों ने कहा कि शव को आवश्यक प्रक्रिया के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। हालांकि, जवान की मौत के कारणों की जांच जारी है। पुलिस ने इस मामले में प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है,

स्टालिन की एनसी-कांग्रेस गठबंधन को बधाई

कहा- यह जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को जनादेश

चेन्नई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। वर्ष 2019 के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन को जीत मिली। इस पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बधाई दी। साथ ही कहा कि यह गठबंधन का जनादेश जम्मू-कश्मीर की गरिमा और राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए है, जिसे केंद्र सरकार ने गलत तरीके से छीन लिया।क्या बोले तमिलनाडु के सीएम? सीएम स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन को जम्मू-कश्मीर के लोगों को जीत के लिए बधाई।

यह लोकतंत्र और देश के लिए सिर्फ जीत से अधिक है। यह जम्मू-कश्मीर की गरिमा और राज्य का दर्जा बहाल करने की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक जनादेश है, जिसे केंद्र की भाजपा सरकार ने अन्यायपूर्ण तरीके से छीन लिया था।' उन्होंने आगे कहा कि यह पल एक न्यायपूर्ण और समावेशी भविष्य की शुरुआत का प्रतीक है जो हर कश्मीरी की उम्मीदों का सम्मान करता है।

किसके पाले में कितनी सीटें?

बता दें, केंद्र शासित प्रदेश में यहां की सबसे पुरानी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाने जा रही है। इन दोनों दलों ने गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। राज्य में विधानसभा की कुल 90 सीटें हैं और बहुमत के 46 विधायकों की जरूरत है। एनसी-कांग्रेस गठबंधन ने सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ा था और इसे 48 विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल हुई है। जम्मू कश्मीर की कुल 90 सीटों में से 42 पर नेशनल कॉन्फ्रेंस और छह पर कांग्रेस जीती है। भाजपा को 29 और अन्य उम्मीदवारों को सात सीटें मिली हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी को तीन सीटों पर जीत मिली है। इसके अलावा एक-एक सीट पर आम आदमी पार्टी, सीपीएम और जम्मू कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस जीती है। चूंकि नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस की गठबंधन है इसलिए इसे पूर्ण बहुमत मिल चुका है।

देवी पंडाल के सामने मांस फेंकने का सीसीटीवी फुटेज आया सामने, पुलिस ने किया मामला दर्ज

टीकमगढ़, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीकमगढ़ पुलिस कोतवाली से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात टीकमगढ़ शहर के मामोंन दरवाजा के पास देवी प्रतिमा का पंडाल लगा है। मंगलवार की रात एक व्यक्ति द्वारा मास के टुकड़े फेंक दिए थे। इसके बाद हिंदू संगठनों ने जमकर विरोध किया था। पुलिस ने जहां मांस के टुकड़ों को जब्त कर लिया था। पुलिस ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा को देखा गया, जिसमें एक फुटेज मिला है। टीकमगढ़ पुलिस कोतवाली के प्रभारी नितेश जैन ने कहा कि इस मामले में जल्द आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी, इसके साथ उन्होंने कहा कि सीसीटीवी में स्पष्ट दिख रहा है कि एक व्यक्ति स्कूटी में बोरी रख कर आ रहा है। यही बोरी रोड पर बरामद की गई थी।

सीएम आवास पर कब्जा करना चाहती है बीजेपी, संजय सिंह ने लगाया आरोप

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद से दिल्ली की सियासत गरमाई हुई है, जहां अब दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी बन तो गई हैं लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री आवास आवंटित नहीं हुआ है, जिसको लेकर आप सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी सीएम आवास पर कब्जा करना चाहती है। संजय सिंह ने कहा कि पिछले कई दिनों से भारतीय जनता पार्टी झूठ और भ्रम फैलाने के काम में लगी हुई है और कई हथकंडे दिल्ली में अपनाए हैं। हमारी पार्टी को तोड़ने का प्रयास किया। 27 साल से बीजेपी दिल्ली में चुनाव हार रही है। चुनाव हारने के बाद आम आदमी पार्टी और केजरीवाल को खत्म करने का प्रयास किया। उसके बाद हमारे कार्यकर्ताओं और नेताओं को तोड़ने का प्रयास किया। उसमें भी फेल हो गए और किसी को तोड़ नहीं पाए तो अब मुख्यमंत्री के आवास पर कब्जा करना चाहते हैं।

बीजेपी पर लगाया यह आरोप

उन्होंने आगे कहा कि मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि जब अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आवास खाली किया, तब भी इन्होंने दुष्प्रचार फैलाया। उन्होंने पेपर दिखाते हुए कहा कि यह प्रमाण पत्र है कि अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आवास खाली कर दिया है। यह उसका प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में आतिशी को उस आवास में जाना था लेकिन मुख्यमंत्री होने के बावजूद वह आवास सीएम आतिशी को आवंटित नहीं किया जा रहा है। अब जो चुनाव नहीं जीत पाते और मुख्यमंत्री नहीं बना पाते वह मुख्यमंत्री आवास पर कब्जा करना चाहते हैं।

चुनावी नतीजों पर कही यह बात

इसके साथ ही संजय सिंह ने मंगलवार को आए हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि हरियाणा चुनाव के नतीजे पर आज तक वह थर्मामीटर नहीं मिला जो यह तय करता हो कि हमने किसी पार्टी का वोट लिया हो। हम जाती धर्म की बात नहीं करते है, हम स्वास्थ्य, शिक्षा की बात करते है जो हर जाति धर्म के लोगों को मिलता है। इसलिए लोग चाहते है कि ऐसी पार्टी आए जो सबकी बात करती है।

पिता ले आया सौतेली मां, घर में होने लगा ऐसा खेल यूपीएससी की तैयारी कर रही बेटी ने बीच सड़क खुद को लगा ली आग

गंजाम, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। मां का साया सिर से उठ जाना किसी भी बच्चे के लिए दुनिया का सबसे बड़ा दर्द होता है। फिर सौतेली मां बेशक आपको मिले, लेकिन उसकी कोई गारंटी नहीं कि वो आपको सगी मां सा प्यार दे। कुछ ही गिने चुने मामले होते हैं जहां सौतेली मां से बच्चों को सगी मां सा प्यार मिलता है। एक मामला ओडिशा के गंजाम से सामने आया है जहां मां की मौत के बाद एक लड़की के पिता ने दूसरी शादी कर ली। फिर दोनों मिलकर बेटी को इस कदर टॉर्चर देने लगे कि उसने तंग आकर खुद को आग लगा ली। इससे तड़प-तड़प कर लड़की की मौत हो गई। मामला ब्रह्मपुर सदर थाना क्षेत्र के कुकुड़ाखंडी इलाके का है। यहां पिता और सौतेली मां के टॉर्चर को 20 साल की लड़की बर्दाश्त न कर पाई। उसने बीच सड़क खुद पर पेट्रोल छिड़का और आग लगा ली। लड़की की फिर मौत हो गई।

देवास में लड़की ने पानी की टंकी से कूद कर दे दी जान

देवास, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के हॉटपिपलिया में खौफनाक दिल को दहला देने वाला मामला सामने आया है। गीता भवन के पास स्थित पानी की टंकी पर एक लड़की चढ़ जाती है। फिर ये खबर देखते ही देखते यह खबर आग की तरफ फैल जाती है और लोगों को हुजूम लगना शुरू हो जाता है। घंटों तक नीचे खड़े लोग उसे नीचे उतरने की गुजारिश करते हैं। कई लोगों ने ऊपर चढ़कर उसे उतारने का प्रयास किया, पर असफल होकर वे वापस आ गए। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। और लड़की ऊपर से कूदने का प्रयास कर रही है। लोग नीचे से उसे मनाने का प्रयास कर रहे हैं, पर उसने किसी की एक न सुनी और आखिरकार उसने छलांग लगा दी। गंभीर अवस्था में उसे अस्पताल लाया गया जहां उसे इंदौर रेफर कर दिया गया। वहां भी आखिरकार उसकी जिंदगी की डोर इलाज के दौरान टूट गई।

पीएम मोदी से मिले नायब सैनी

कहा-मैंने अपनी ड्यूटी निभाई, सीएम का नाम संसदीय बोर्ड तय करेगा

चंडीगढ़, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद नायब सिंह सैनी बुधवार को दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि सैनी ने अपने मंत्रिमंडल को अंतिम रूप देने के लिए पीएम से परामर्श किया। नायब सैनी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात की। मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, मैंने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की और उन्हें विधानसभा चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी। मुझे विश्वास है कि विकसित भारत के संकल्प में हरियाणा की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने जा रही है। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री से शिष्टाचार भेंट हुई है। हरियाणा में हमारी जो प्रचंड जीत हुई है उसके बारे में मैंने प्रधानमंत्री मोदी को बताया है। मैंने प्रधानमंत्री को कहा है कि उन्हें हरियाणा के लोग बहुत प्यार और स्नेह करते हैं जिसका परिणाम है कि तीसरी बार हरियाणा में डबल इंजन की सरकार बन रही है। हरियाणा में सीएम कौन होगा, इस पर नायब सैनी ने कहा कि मैंने अपनी ड्यूटी कर ली है। अब मुख्यमंत्री कौन होगा? इसका फैसला संसदीय बोर्ड लेगा। हरियाणा में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। 2014 में 47 सीटें मिलने पर भाजपा ने पहली बार हरियाणा में अपने दम पर सरकार बनाई थी। इस बार पार्टी वह आंकड़ा भी पार कर गई। 2019 में भाजपा की सीटें घटकर 40 रह गई थीं। साढ़े नौ साल सत्ता में रहने के बाद एंटी इंकम्बेंसी की रिपोर्ट के बाद पार्टी ने मनोहर लाल की जगह ओबीसी समुदाय के नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया था। 56 दिन के सीएम नायब सैनी को भाजपा चेहरा बनाकर मैदान में उतरी और प्रचंड जीत हासिल की। हरियाणा में भाजपा ने 48 सीटों के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जो कांग्रेस से 11 अधिक है, जेजेपी और आप जैसी पार्टियों का सफाया हो गया और आईएनएलडी को सिर्फ दो सीटें मिलीं। आप ने अपने दम पर चुनाव लड़ा था। भाजपा एग्जिट पोल के कांग्रेस की जीत के पूर्वानुमानों को गलत साबित करते हुए लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने जीत की सराहना करते हुए सैनी ने कहा कि सुशासन के कारण ही सभी समुदायों ने भाजपा को वोट दिया।

कबाड़ की दुकान में विस्फोट से यूपी के युवक की मौत, तीन महीने पहले गया था कमाने

अहमदाबाद , 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के गांधी धाम में कबाड़ की दुकान में हुए विस्फोट से सोनहा थाना क्षेत्र के बस्थनवा निवासी एक युवक की मृत्यु हो गई। स्वजन द्वारा एंबुलेंस से शव को घर लाया जा रहा है। 28 वर्षीय अनिल कुमार राजभर पुत्र राम तीरथ लगभग तीन माह पहले रोजी रोटी की तलाश में गुजरात गया था। वहां वह अहमदाबाद के गांधी धाम में एक कबाड़ की दुकान में काम करने लगा। मंगलवार की रात में अचानक कबाड़ की दुकान में विस्फोट होने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई।

महिला ने कांग्रेस विधायक पर लगाए सनसनीखेज आरोप

कार में ही दुष्कर्म का शिकार बनाने का आरोप

बेंगलुरु, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के आईटी हब यानी बेंगलुरु में कांग्रेस के एक विधायक विनय कुलकर्णी के खिलाफ रेप का मुकदमा दर्ज किया गया है। एक सामाजिक कार्यकर्ता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। महिला का कहना है कि विधायक जी उन्हें वीडियो कॉल करते थे और जानबूझ कर अशलील बातें करते थे। फिर बेंगलुरू एयरपोर्ट के पास एक सुनसान इलाके में गाड़ी के अंदर ही उन्हें दुष्कर्म का शिकार बनाया गया। विनय कुलकर्णी कर्नाटक सरकार के पूर्व मंत्री भी है।

पुलिस ने बताया कि संजय नगर पुलिस थाने में 34 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा की गई शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया। शिकायत में धारवाड़ के विधायक पर पीड़ित को फोन और वीडियो कॉल करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी में विधायक को आरोपी नंबर-एक और उनके करीबी सहयोगी अर्जुन को आरोपी नंबर-दो बनाया गया है। महिला ने आरोप लगाया है कि वह 2022 में विधायक से मिली थी। उसने कुलकर्णी पर उसे वीडियो कॉल करने और उसके साथ अश्लील बातचीत करने का आरोप लगाया।

'कांग्रेस को लगता था वे चुनाव जीत जाएंगे

लालच में आ गए, गठबंधन होता तो तस्वीर अलग होती', संजय राउत का बड़ा बयान

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे) गुट के सीनियर नेता संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। हरियाणा चुनाव के नतीजों से बहुत कुछ सीखने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस को मिली हार दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि हरियाणा के चुनाव के नतीजे का महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव पर कोई भी असर नहीं पड़ेगा।

संजय राउत बोले- कांग्रेस सत्ता के लालच में पड़ गई

संजय राउत ने यह भी कहा कि कोई भी किसी से भी अपने आप को बड़ा भाई ना समझे। राउत ने आगे ये भी कहा है कि हरियाणा में इंडिया गठबंधन नहीं बन पाया। अगर इंडिया गठबंधन बनता तो उसका फायदा होता। राउत ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि हरियाणा में कांग्रेस को लगता था कि वह यह चुनाव अकेले जीत सकती है। इसलिए वो अपनी सत्ता में किसी को भागीदारी नहीं देने के लालच में आ गए। जो उनके लिए गलत साबित हुआ। अगर इंडिया गठबंधन बनता तो कुछ अलग तस्वीर हो सकती थी।

कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ना चाहे तो स्पष्ट करेः राउत

राउत ने कहा कि अगर कांग्रेस को महाराष्ट्र में अकेले दम पर चुनाव लड़ना है तो वह अपनी भूमिका रख सकते हैं। बता दें कि हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच तालमेल न बन पाने के कारण गठबंधन नहीं हो पाया। लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन था।

राउत ने बीजेपी की तारीफ की

संजय राउत ने आगे कहा कि वो मानते हैं कि बीजेपी ने हरियाणा में जो चुनाव लड़ा है वह बहुत ही बेहतरीन तरीके से लड़ा है और हारी हुई बाजी को कैसे जीतना है यह बीजेपी ने इस चुनाव में हरियाणा में खास करके दिखाया है। शिवसेना नेता ने यह भी कहा कि हरियाणा के साथ जम्मू कश्मीर में भी चुनाव हुए दोनों जगह पर 90 - 90 सीटें हैं। दोनों राज्यों का अपना-अपना महत्व है।

एक राज्य में बीजेपी जीती है तो एक राज्य में कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस सरकार बनाएंगे। पीएम मोदी और अमित शाह ने देश भर में अलग-अलग जाकर जो बातें कह रहे थे कि उन्होंने जम्मू कश्मीर से धारा 370 को हटाया अब देखिए धारा 370 हटाने के बाद भी है वहां पर चुनाव हार गए।

सीएम भगवंत मान के ओएसडी ने बिक्रम मजीठिया को भेजा लीगल नोटिस, 48 घंटे में माफी मांगें

चंडीगढ़, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के सीएम भगवंत मान के ओएसडी राजबीर सिंह ने अकाली नेता बिक्रम मजीठिया को लीगल नोटिस भेजा है। मजीठिया ने कुछ दिन पहले ओएसडी राजबीर सिंह के खिलाफ कुछ आरोप लगाए थे। राजबीर सिंह के वकील ने मजीठिया को मानहानि का नोटिस भेजा है। इसमें 48 घंटे के अंदर लिखित रूप में माफी मांगने की मांग की गई है। साथ ही राजबीर सिंह की छवि और मानसिक नुकसान की भरपाई की मांग की गई है। वहीं तुरंत प्रभाव से मजीठिया के बयानों पर रोक की मांग की है।

हरियाणा के नतीजों को लेकर चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराएगी कांग्रेस, मुलाकात का मांगा समय

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कांग्रेस के अंदर खलबली मची हुई है। क्योंकि जहां जीत संभावित थी वहां पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। अब कांग्रेस की ओर से चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव आयोग से मिलने का समय मांगा है। समय मिलते ही कांग्रेस के नेता चुनाव आयोग जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे।

हरियाणा के नतीजे अप्रत्याशित

लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी हरियाणा के नतीजे को अप्रत्याशित बता चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा,' हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं। अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएंगे। सभी हरियाणा वासियों को उनके समर्थन और हमारे बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए दिल से धन्यवाद।'

कांग्रेस के खाते में आईं 37 सीटें

राहुल गांधी के इस पोस्ट के बाद पार्टी नेताओं ने चुनाव आयोग से मुलाकात का समय मांगा है। जैसे ही आयोग की ओर से मुलाकात का वक्त दिया जाएगा, पार्टी नेताओं की ओर से हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर शिकायत दर्ज कराई जाएगी। बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 90 सीटों में से 48 सीट पर जीत दर्ज की जबपकि कांग्रेस को 37 सीट पर संतोष करना पड़ा।

हैरान करने वाली हार

हरियाणा में कांग्रेस की अप्रत्याशित हार उसके रणनीतिकारों के लिए हैरान करने वाली है। मतगणना से पहले सारे अनुमानों में हरियाणा में फिर से कांग्रेस की सरकार बनने के दावे किए जा रहे थे। कांग्रेस के रणनीतिकार जीत तय मानकर चल रहे थे और आशा कर रहे थे कि हरियाणा में जीत के बाद महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की स्थिति बेहतर होगी वहीं अपने सहयोगियों के सामने भी उनकी स्थिति पहले से मजबूत हो जाएगी। हरियाणा में कांग्रेस की हार को महाराष्ट्र और झारखंड में उसकी संभावनाओं के लिए झटका माना जा रहा है, हालांकि पार्टी का कहना है कि किसी एक चुनाव परिणाम की तुलना दूसरे से नहीं की जा सकती।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 10 अक्टूबर, 2024 3

सुविचार

भूल होना प्रकृत्ति है, मान लेना संस्कृति है, और उसे सुधार लेना प्रगति है।

सफाई कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता दी जाए : डॉ. पी.पी. वावा

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य डॉ. पी.पी. वावा ने आज सुझाव दिया कि लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के कर्तव्यों में लगे सफाई कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने शहर में जीएचएमसी मुख्यालय के मीटिंग हॉल में जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा, संबंधित विभागों के अधिकारियों और वाल्मीकि संघ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और सफाई कर्मचारियों के लिए लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर वाल्मीकि संघ के प्रतिनिधियों ने आयोग के सदस्य के समक्ष वाल्मीकि समुदाय की विभिन्न समस्याओं को रखा।

आयोग के सदस्य पी.पी. वावा ने सफाई कर्मचारियों के लिए लागू की जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी ली।जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली ने कहा कि संबंधित प्रतिनिधियों द्वारा दर्ज कराई गई सभी शिकायतों पर कार्रवाई की जाएगी। वाल्मीकि संघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि श्रमिकों की समस्याओं को प्रत्येक बुधवार शाम 4 बजे लिखित रूप से अवगत कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कहीं भी मैनुअल स्कैवेंजर नहीं हैं और कहा कि मैनुअल स्कैवेंजर निषेध अधिनियम का सख्ती से पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "आधुनिक तकनीक का उपयोग करके सफाई कर्मचारियों की सेवाओं का उपयोग किया जाएगा।" उन्होंने यह भी कहा कि महिला श्रमिकों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं और कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए समितियां (आईसीसी) स्थापित की गई हैं क्योंकि जीएचएमसी के सफाई विभाग में अधिक महिलाएं हैं। "हम सफाई कर्मचारियों के लिए ईएसआई, पीएफ आदि लागू कर रहे हैं और सभाओं के सुझाव के अनुसार हर तीन महीने में एक बार स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सभी को विभिन्न योजनाओं के तहत कवर किया गया है और उनकी उपस्थिति पारदर्शी तरीके से बनाए रखी जाती है।

वावा ने कहा कि अस्वच्छ परिस्थितियों में काम करने वाले सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि उनके लिए नियमित रूप से विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने चाहिए और उनकी मेडिकल जांच की जानी चाहिए और बेहतर सेवाएं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यूनतम मजदूरी के भुगतान की निगरानी की जानी चाहिए और बीमा सुविधा, पीएफ और ईएसआई जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि सफाई कर्मचारियों की समस्याओं की पहचान की जानी चाहिए और उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैनुअल स्कैवेंजर्स बैन एक्ट के बारे में लोगों में व्यापक जागरूकता होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि उनके पुनर्वास के संबंध में सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार सख्त कदम उठाए जाने चाहिए।

सदस्य ने कहा कि संबंधित संघों के प्रतिनिधि मुद्दों को हल करने की दिशा में काम करेंगे। इस अवसर पर आयोग के सलाहकार वीरेंद्रनाथ, अतिरिक्त आयुक्त रघु प्रसाद, पंकजा, नलिनी पद्मावती आदि उपस्थित रहे।

साइबराबाद परेड ग्राउंड में बतुकम्मा समारोह आयोजित

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के परेड ग्राउंड में बटुकम्मा उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। साइबर क्राइम डीसीपी बी. श्रीबाला देवी, एसबी डीसीपी साई श्री, महिला एवं बाल सुरक्षा विंग डीसीपी सृजना कर्णम के नेतृत्व में इस कार्यक्रम में पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों की ओर से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिसमें विशेष रूप से महिला अधिकारियों की भागीदारी को उजागर किया गया। इस समारोह ने न केवल त्योहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया, बल्कि सभी प्रतिभागियों के बीच एकता और एकजुटता की भावना पर भी जोर दिया। समारोह के दौरान, पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य बटुकम्मा खेलने और पारंपरिक गीत गाने के लिए एक साथ आए, जिससे त्योहार के सांस्कृतिक सार को बरकरार रखा गया। खूबसूरती से सजाए गए बटुकम्मा की व्यवस्था की गई थी, और सभी ने एक बड़े घेरे में नृत्य किया, जो एकता और भाईचारे का प्रतीक था। कार्यक्रम में साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती, और संयुक्त सीपी (यातायात) डी. जोएल डेविस, साइबर अपराध डीसीपी बी. श्रीबाला देवी, एसबी डीसीपी साई श्री, महिला एवं बाल सुरक्षा विंग डीसीपी सृजना कर्णम, शी टीम्स इंस्पेक्टर सुनीता, सीएओ एडमिन गीता, अन्य प्रमुख अधिकारियों, महिला कर्मचारियों और मंत्रालयिक कर्मियों की उपस्थिति ने समारोह को गौरवान्वित किया। पुरुष और महिला दोनों अधिकारियों की भागीदारी ने उत्सव की समावेशी भावना को रेखांकित किया, जिसने उत्सव को सफल बनाने में सभी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिकाओं को उजागर किया।

'बुलडोजर राज' को लेकर केटीआर ने साधा निशाना

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह अपने 'बुलडोजर राज' से दशहरा उत्सव के दौरान भय का माहौल बना रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी जन कल्याण की उपेक्षा कर रहे हैं और फंड हड़पने के लिए मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट जैसी परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कांग्रेस नेता मोहम्मद अलाउद्दीन और बीआरएस में शामिल हुए सेरिलिंगमपल्ली के अन्य लोगों को संबोधित करते हुए रामा राव ने कहा कि हमें लगा कि बुलडोजर राज उत्तर प्रदेश तक ही सीमित है, लेकिन रेवंत रेड्डी ने इसे तेलंगाना तक पहुंचा दिया है।

रामा राव ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि अगर के चंद्रशेखर राव अभी भी मुख्यमंत्री होते, तो किसानों को रैतु बंधु लाभ मिलता और महिलाओं को बथुकम्मा साड़ियां मिलतीं। अब, उत्सवों के दौरान डीजे पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने अपनी पत्नी के साथ बतुकम्मा समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने अपनी पत्नी सुधा देव वर्मा के साथ 9 अक्टूबर 2024 को हैदराबाद के ऐतिहासिक राजभवन परिसर में राजभवन परिवार के सदस्यों के साथ बतुकम्मा समारोह में भाग लिया। सुधा देव वर्मा ने पारंपरिक बतुकम्मा को मुख्य भवन के सामने मुख्य लॉन में ले जाकर तेलंगाना के प्रतिष्ठित पुष्प उत्सव की भावना को अपनाते हुए उत्सव में भाग लिया।

उन्होंने राज्य की अनूठी सांस्कृतिक विरासत के महत्व को रेखांकित करते हुए इस अवसर को मनाने में राजभवन परिवार के साथ शामिल हुईं।

राज्यपाल और सुधा देव वर्मा ने तेलंगाना की महिलाओं को राज्य और दुनिया भर में अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पारंपरिक बतुकम्मा गीत हवा में गूंज रहे थे। सुधा देव वर्मा ने महिलाओं के साथ मिलकर सुंदर ढंग से सजे बतुकम्मा उत्सव की प्रशंसा में गीत गाए। समारोह के एक मार्मिक समापन में, सुधा देव वर्मा ने बतुकम्मा को राजभवन के भीतर निर्दिष्ट तालाब में ले जाकर उत्सव की परंपराओं का पालन करते हुए विसर्जित किया।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पर्यावरण एवं वन और बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा, पंचायत राज, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री, डॉ. डी अनसूया सीतक्का, मुख्य सचिव, ए. शांति कुमारी, राज्यपाल के प्रमुख सचिव, बी. वेंकटेशम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी सदस्य शामिल थे।

बीसी जाति सर्वेक्षण पूरा करने का सीएम ने दिया आदेश

सचिवालय में समीक्षा बैठक के दौरान की घोषणा

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार अनुसूचित जातियों (एससी) के उप-वर्गीकरण को लागू करने के लिए एक 'एक-व्यक्ति आयोग' का गठन करेगी। सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित आयोग को 60 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया है। यह रिपोर्ट नई नौकरी अधिसूचनाएं जारी करने के लिए आधार के रूप में काम करेगी, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को सचिवालय में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान घोषणा की।

बैठक में अनुसूचित जाति वर्गीकरण पर कैबिनेट उप-समिति के सदस्यों ने भाग लिया, जिसमें पंजाब और तमिलनाडु जैसे राज्यों में उप-वर्गीकरण प्रक्रिया और इसके कार्यान्वयन के साथ-साथ हरियाणा में चल रहे उपायों का विश्लेषण किया गया। कानूनी चुनौतियों को रोकने के लिए, मुख्यमंत्री ने आयोग के त्वरित और सटीक काम की आवश्यकता पर जोर दिया। 2011 की जनगणना एससी जनगणना के लिए संदर्भ के रूप में काम करेगी, और सभी आवश्यक डेटा विभिन्न विभागों से एकत्र किए जाएंगे।

मुख्य सचिव ए शांति कुमारी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि आयोग को अपनी रिपोर्ट तैयार करने के लिए विभिन्न विभागों से सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने आयोग को प्रतिदिन एक जिले का दौरा करने का भी आदेश दिया, जिसमें सभी 10 पूर्ववर्ती जिले शामिल होंगे, ताकि जनता से सीधे शिकायतें और अपील प्राप्त की जा सकें।

इसके साथ ही, रेवंत रेड्डी ने पूरे राज्य में बीसी (पिछड़े वर्ग) सामाजिक, आर्थिक और जाति सर्वेक्षण को अपनी मंजूरी दे दी। बिहार और कर्नाटक जैसे राज्यों में इस्तेमाल किए गए मॉडल से प्रेरणा लेते हुए, वे भविष्य की नीतियों को आकार देने में मदद के लिए एक व्यापक सर्वेक्षण चाहते थे। राज्य योजना विभाग को इस प्रक्रिया की देखरेख का काम सौंपा गया है, जबकि समन्वय के लिए एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को नियुक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बीसी जाति सर्वेक्षण पूरा करने के लिए 60 दिन की समय सीमा तय की, जिसकी अंतिम रिपोर्ट 9 दिसंबर तक प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के तुरंत बाद स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाएंगे।

बदमाशों ने 15 दिनों में 8 बाइकों में लगाई आग

सीसीटीवी लगाने के बाद भी नहीं पकड़ में आ रहे बदमाश

संगारेड्डी, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोलकुर गांव में कुछ अज्ञात बदमाश रहस्यमय तरीके से दोपहिया वाहनों में आग लगा रहे हैं, जिससे पुलिस और ग्रामीण बेखबर हैं। पिछले पखवाड़े में बदमाशों ने रात में 8 दोपहिया वाहनों को आग के हवाले कर दिया। बार-बार हो रही इन घटनाओं के बाद 20 ग्रामीणों को एकजुट होकर अपने घर के परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने पड़े। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए गांव की मुख्य सड़क पर 14 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए, लेकिन पहली घटना के 20 दिन बाद भी वे बदमाशों की पहचान नहीं कर पाए।

ग्रामीणों की कई शिकायतों के बाद पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की, लेकिन अभी तक मामले का खुलासा नहीं हो सका है। इस बीच, स्थानीय युवाओं की मदद से पुलिस ऐसी घटनाओं पर नज़र रखने के लिए स्वैच्छिक गश्त कर रही है। हालांकि, ग्रामीण वाहनों को आग लगाने के पीछे इन उपद्रवियों के मकसद पर चर्चा करते देखे गए। दिलचस्प बात यह है कि गांव में एक समारोह में शामिल होने आए एक व्यक्ति की बाइक को भी रात 9.45 बजे आग लगा दी गई, जब गांव अभी भी जाग रहा था। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कभी कोई हिंसक घटना नहीं हुई। सदाशिवपेट इंस्पेक्टर महेश गौड़ ने कहा कि वे संदिग्धों की हरकतों पर कड़ी नज़र रख रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि वे जल्द ही उन्हें पकड़ लेंगे। ग्रामीणों ने पुलिस से उपद्रवियों की पहचान करने की अपील की है और उन्हें इस बात की भी चिंता है कि वे उनके घरों या अन्य संपत्तियों को आग लगा सकते हैं।

दुर्घटना में बाइक में लगी आग, सवार घायल

मेदक, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुलचरम मंडल के रामपुर गांव में बुधवार को एक एसयूवी ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक में आग लग गई, जिससे बाइक सवार घायल हो गया। कुलचरम पुलिस के अनुसार, मेदक कलेक्ट्रेट में जूनियर असिस्टेंट के पद पर कार्यरत निखिल अपनी बाइक से जोगीपेट की ओर जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। उसे इलाज के लिए मेदक के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

नकली चाय पाउडर बेचने के आरोप में 3 गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने बुधवार को एक गिरोह का भंडाफोड़ किया जो चाय पाउडर में नारियल के छिलके का पाउडर मिलाकर मिलावट कर रहा था और भारी मात्रा में नारियल का पाउडर जब्त किया। पुलिस ने इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 300 किलोग्राम नकली चाय पाउडर, 200 किलोग्राम नारियल के छिलके का पाउडर, नकली रंग, पैकिंग सामग्री और अन्य सामान जब्त किया गया है।

डीसीपी टास्क फोर्स वाईवीएस सुधींद्र ने बताया कि गिरफ्तार किए गए बिशोया जगन्नाथ (32), प्रताप प्रदान (21) और शिवस्वैन परिदा (19) ने बाजार से घटिया गुणवत्ता वाला चाय पाउडर खरीदा और उसमें नारियल के छिलके का पाउडर मिलाकर नकली रसायन मिलाकर डिब्बों में पैक कर दिया और बाजार में 200 से 250 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत पर बेच दिया। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बालानगर के फतहनगर में एक गोदाम पर छापा मारा और उन्हें पकड़ लिया। जगन्नाथ पहले भी इसी तरह की गतिविधियों में शामिल रहा है और उसके खिलाफ 3 मामले दर्ज हैं।

महिला स्वयं सहायता समूह खरीदेंगे बस

टीजीएसआरटीसी को किराए पर देंगे

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के लिए एक और कदम आगे बढ़ाते हुए इन समूहों को बैंक ऋण उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है ताकि वे बसें खरीद सकें और उन्हें तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) को किराए पर दे सकें। सरकार बसों के परिचालन के लिए स्वयं सहायता समूहों को शामिल करने पर विचार कर रही है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में तथा उन मार्गों पर जहां बस सेवाएं अपर्याप्त हैं या हैं ही नहीं।

प्रायोगिक आधार पर, आरटीसी ने महबूबनगर और करीमनगर जिलों में महिला संगठनों को किराए पर बसें आवंटित करने का फैसला किया है। हाल ही में महिला समूहों को आरटीसी किराए पर बसें आवंटित करने की प्रक्रियाओं पर भी चर्चा हुई। यह भी निर्णय लिया गया कि पहले चरण में इन स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 100 से 150 बसें खरीदी जाएंगी तथा इसके लिए आरटीसी प्रबंधन के लिए एक अलग प्रणाली भी स्थापित की जाएगी। सरकार आरटीसी बसों की खरीद की लागत, प्राप्त राजस्व, प्रबंधन लागत और अन्य कारकों सहित एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करके सरकार को सौंपने के बाद अंतिम निर्णय लेगी।

सूत्रों ने बताया कि इस कदम से कमजोर तबके की आर्थिक स्थिति में सुधार आने की उम्मीद है। आरटीसी के कर्ज पर ब्याज दरें कम करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा है। पता चला है कि सरकार कुछ स्वयं सहायता समूहों के साथ मिलकर बसों की खरीद के लिए ऋण उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए बसों के परिचालन हेतु एक कार्य योजना तैयार कर रही है जबकि एसएचजी मार्जिन मनी का कुछ प्रतिशत योगदान देंगे, शेष राशि बैंकों द्वारा वित्तपोषित की जाएगी। लाभ संबंधित एसएचजी द्वारा साझा किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि आरटीसी प्रबंधन महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा योजना के मद्देनजर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को पूरा करने के लिए और अधिक बसें खरीदने पर विचार कर रहा है।

सरकार ने डीएससी विशेष शिक्षा पदों को भरने से रोका

नौकरी के इच्छुक लोग चिंतित

खम्मम, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा डीएससी-2024 विशेष शिक्षा शिक्षकों के पदों को भरने से रोकने के फैसले से राज्य भर में लगभग 1000 नौकरी के इच्छुक उम्मीदवार अपने भविष्य को लेकर चिंतित हो गए हैं।

सरकार का यह फैसला टीईटी पात्रता के मुद्दे पर अदालत में लंबित मामले के कारण आया है। सरकार ने डीएससी 2024 विशेष शिक्षा श्रेणी में उत्तीर्ण उम्मीदवारों के प्रमाण पत्रों के सत्यापन के साथ-साथ भर्ती प्रक्रिया को भी रोक दिया है। कुछ योग्य उम्मीदवारों ने बुधवार को यहां तेलंगाना राज्य स्कूल शिक्षक संघ (एसटीएफ) के राज्य महासचिव, टीजीईजेएसी के उपाध्यक्ष देवरकोंडा सैदुलु से मुलाकात की और महासंघ के हस्तक्षेप की मांग करते हुए एक याचिका प्रस्तुत की।

अभ्यर्थियों ने उनसे अपील की है कि वे इस मामले को सरकार के संज्ञान में लाएं तथा भर्ती प्रक्रिया तुरंत शुरू करवाकर अन्य डीएससी योग्य अभ्यर्थियों के साथ उनकी भी नियुक्ति सुनिश्चित करें। सैदुलु ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे इस मामले को सरकार के साथ-साथ उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के संज्ञान में लाएंगे ताकि जल्द से जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा सके।

उन्होंने स्कूली शिक्षा निदेशक ईवी नरसिम्हा रेड्डी से टेलीफोन पर बात कर अभ्यर्थियों की चिंताओं से अवगत कराया। एसटीएफ जिला महासचिव मंसूर, जिला प्रभारी सुधाकर रेड्डी, पोटागानी वेंकन्ना, डीएससी 2024 विशेष शिक्षा नौकरी चाहने वाले पवन, वीरबाबू, कृष्ण राव और अन्य उपस्थित थे।

तेलंगाना में ईवी चार्जिंग का शुल्क तय

दिन के समय हो सकती है टैरिफ में कमी

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विद्युत नियामक परिषद (टीजीईआरसी) ने कथित तौर पर टाइम ऑफ डे (टीओडी) टैरिफ प्रणाली के अनुसार इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग का शुल्क तय किया है। टीओडी टैरिफ सिस्टम के तहत, बिजली के शुल्क दिन के समय के आधार पर अलग-अलग होंगे। वर्तमान फ्लैट रेट सिस्टम को बदल दिया जाएगा। दिन के समय, टैरिफ में 20 प्रतिशत तक की कमी हो सकती है, जिससे उपभोक्ताओं को लाभ होगा। इसके विपरीत, रात के समय, टैरिफ में उसी राशि से वृद्धि होगी। नए टैरिफ के अनुसार, सुबह 6 बजे से 10 बजे और शाम 6 बजे से 10 बजे के बीच 7 रुपये प्रति यूनिट का शुल्क लिया जाएगा। इसी तरह, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच 5 रुपये प्रति यूनिट और अन्य समय स्लॉट के लिए 6 रुपये प्रति यूनिट का शुल्क लिया जाएगा। पूरे राज्य के लिए सेवा की औसत लागत (सीओएस) 6.04 रुपये प्रति यूनिट तय की गई है। डिस्कॉम ने 6.10 रुपये प्रति यूनिट का टैरिफ प्रस्तावित किया था।

तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) और तेलंगाना उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 64 के तहत इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों (बैटरी स्वैप) के लिए शुल्क निर्धारित करने की मांग करते हुए आयोग के समक्ष याचिका दायर की थी। आयोग ने अन्य राज्यों में लागू निश्चित शुल्क की समान दर को स्वीकार नहीं किया और तर्क दिया कि वितरण लाइसेंसधारी की वित्तीय व्यवहार्यता जैसे कई कारक हैं जो शुल्क निर्धारित करते हैं, और इसलिए एक दर सभी राज्यों के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती है। इसने चार्जिंग स्टेशनों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से खुली पहुँच के उपयोग को भी अस्वीकार कर दिया क्योंकि वर्तमान में चार्जिंग स्टेशनों को बिजली आपूर्ति जारी करने के लिए नियम और विनियम प्रचलन में हैं।

कार के पेड़ से टकराने से पिता-पुत्र की मौत, मां-बेटी घायल

निर्मल, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नरसापुर (जी) मंडल के चकपेली गांव में बुधवार को टायर फटने से कार के सड़क किनारे पेड़ से टकरा जाने से एक व्यक्ति और उसके बेटे की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और बेटी घायल हो गईं। नरसापुर (जी) उपनिरीक्षक एम हनुमानडलू ने बताया कि लोकेश्वरम मंडल के मनमाड निवासी संगेन सुरेश (30) और उसका बेटा दानुश (7) उस समय घायल हो गए, जब उनकी कार चकपेली गांव में एक पेड़ से टकरा गई, जिससे दानुश की तत्काल मौत हो गई। सुरेश ने निर्मल के एक अस्पताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। सुरेश की पत्नी प्रियंका को गंभीर चोटें आईं, जबकि उनकी बेटी थानिस्का को मामूली चोटें आईं। प्रियंका को हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दुर्घटना के समय परिवार बोथ मंडल के कुचुलापुर गांव में सुरेश के ससुराल वालों से मिलने के बाद मनमाड लौट रहा था। सुरेश की सास लक्ष्मी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज किया गया।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. SANDT_WAT-DRM-LAN

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के विशाखापट्टनम में मण्डल रेलवे प्रबंधक कार्यालय की मौजूदा लैन (LAN) वायरिंग, मण्डल रेलवे प्रबंधक कार्यालय, मण्डल रेलवे प्रबंधक कैम्प (Camp) कार्यालय, मण्डल अस्पताल, निर्माण कार्यालय की मौजूदा WI-FI सिस्टम एवं विशाखापट्टनम में स्थित अधीनस्थ कार्यालयों की मौजूदा DSLAM का प्रतिस्थापन एवं EPRH में OFC का प्रावधान।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 12,67,055/-, EMD : ₹ 25,400/-, पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक 11.10.2024

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 25.10.2024 को 1500 बजे।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता, वाल्टियर

PR-606/P/24-25

ज्ञानवापी प्रकरण: एएसआई ने नहीं समझी खोदाई की आवश्यकता, आज होगी सुनवाई

अंजुमन इंतेजामिया पर लगा तीन सौ रुपये हर्जाना

ज्ञानवापी से जुड़े विवेक सोनी व जयध्वज श्रीवास्तव द्वारा दाखिल वाद में अदालत ने अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद पर 300 रुपये का हर्जाना लगाया है। उनकी ओर से इस आशय का स्थगन प्रार्थना पत्र दिया गया कि कहा कि उनके वकील मुकदमे की तैयारी नहीं कर सके हैं, इसलिए कोई अगली तारीख दी जाए। इस पर वादी पक्ष के वकील देशरत्न श्रीवास्तव व नित्यानन्द राय ने आपत्ति की। सिविल जज (सीनियर डिवीजन फास्टट्रैक) की अदालत ने अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद पर 300 रुपये का हर्जाना लगाते हुए अगली सुनवाई के लिए 15 अक्टूबर तारीख दी है। बजरडीहा भेलुपुर के विवेक सोनी व चितईपुर के जयध्वज श्रीवास्तव ने सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में 25 मई 2022 को याचिका दाखिल किया था। गुहार लगाई थी कि नंदीजी की मूर्ती के सामने स्थित आदि ज्योतिर्लिंग श्रीकाशी विश्वनाथ जिसे कूप बनाकर ढक दिया गया है के पूजा-पाठ, भोग प्रसाद, शयन आरती,मंगला आरती दुग्धाभिषेक आदि कार्य में विधि विरूद्ध तरीके से अवरोध डालने वालों को रोका जाए।

वाराणसी, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी में नए मंदिर के निर्माण और हिंदुओं को पूजा-पाठ करने का अधिकार देने को लेकर 1991 में दाखिल मुकदमे की सुनवाई मंगलवार को सिविल जज (सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक) युगुल शंभू की अदालत में हुई। स्वयंभू विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग की ओर से स्व. पं. सोमनाथ व्यास, डा.रामरंग शर्मा व पं. हरिहर नाथ पांडेय द्वारा दाखिल मुकदमे के वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी की ओर से ज्ञानवापी में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) से अतिरिक्त सर्वे कराने के प्रार्थना पत्र पर प्रतिवादी अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद ने अपना पक्ष रखा। उसकी ओर से कहा गया कि एएसआई ने सर्वे के दौरान ज्ञानवापी में खोदाई की जरूरत नहीं समझी, इसलिए इस संबंध में कोर्ट में कोई प्रार्थना पत्र भी नहीं दिया था। मामले में प्रतिवादी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड पहले ही अदालत में अपना पक्ष रख चुका है। दोनों प्रतिवादियों की ओर से उठाए गए बिंदुओं का जवाब देने के लिए वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी ने अदालत से अवसर मांगा। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 10 अक्टूबर तय की है। अंजुमन इंतेजामिया के वकील मुमताज अहमद ने कोर्ट में कहा कि ज्ञानवापी में सर्वे के अदालत के आदेश पर एएसआई के डिप्टी डायरेक्टर आलोक त्रिपाठी ने हाई कोर्ट में शपथपत्र दाखिल की थी कि किसी तोड़फोड़ और खोदाई के बिना जीपीआर सिस्टम से सर्वे करके रिपोर्ट दी जा सकती है। आवश्यकता हुई तो खोदाई की हाई कोर्ट से अनुमति लेंगे। हालांकि एएसआइ ने इसके लिए किसी भी अदालत में कोई प्रार्थना पत्र नहीं दिया और सर्वे रिपोर्ट अदालत में दाखिल कर दी। सिविल जज (सीनियर डिवीजन फास्टट्रैक) की अदालत ने आठ अप्रैल 2021 के अपने आदेश में ज्ञानवापी के आराजी नंबर 9130 के सर्वे का आदेश दिया था। वादमित्र ने अपने प्रार्थना पत्र में आराजी नंबर 9130 के साथ आराजी नंबर 9131 और 9132 के सर्वे के लिए निवेदन किया है। हाई कोर्ट के 19 दिसंबर 2023 के आदेश के अनुसार वादी पक्ष को प्रार्थना पत्र नहीं देना था, बल्कि अदालत को देखना था कि एएसआइ से पुनः सर्वे कराने की आवश्यकता है या नहीं। एएसआइ ने आराजी नंबर 9130 का संपूर्ण सर्वे किया है। उसकी फोटोग्राफी, नाप-जोख सभी समेत सभी कार्यवाही पूरी की जा चुकी है। ऐसे में एएसआइ से अतिरिक्त सर्वे कराने का प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वादमित्र ने मुकदमा हाई कोर्ट स्थानांतरित करने की याचिका दायर की है। हाई कोर्ट का याचिका पर जब तक कोई आदेश नहीं आता, अतिरिक्त सर्वे कराने के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई स्थगित की जाए। वादमित्र ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि हाई कोर्ट ने कोई स्थगन आदेश नहीं दिया है।

बीजेपी विधायक को मारा थप्पड़, वीडियो वायरल

लखीमपुर खीरी, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित लखीमपुर खीरी में अर्बन कोऑपरेटिव बैंक प्रबंध समिति के चुनाव को लेकर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के विधायक योगेश वर्मा को थप्पड़ मार दिया। अब इसका वीडियो वायरल हो रहा है। अवधेश के थप्पड़ मारने के बाद विधायक के समर्थकों ने भी अवधेश के साथ मारपीट की। इस दौरान पुलिस ने बीच बचाव की कोशिश की। यह विवाद ऐसे वक्त में सामने आया है जब बीजेपी की लखीमपुर इकाई के जिलाध्यक्ष सुनील सिंह और योगेश वर्मा की चिट्ठी वायरल हुई जिसमें दावा किया जा रहा है कि उन्होंने चुनाव स्थगित करने की मांग की है। हालांकि एडीएम संजय सिंह ने स्पष्ट किया है कि चुनाव स्थगित नहीं होंगे। इस बीच सदस्यों ने आरोप लगाया है कि चुनाव के लिए वोटर लिस्ट को किसी ने फाड़ दिया। इस चुनाव के लिए 14 अक्टूबर से प्रक्रिया शुरू होनी है। उसी दिन मतगणना भी होती। जानकारी के अनुसार यहां 12 हजार शेयर होल्डर्स हैं जो वोट करते हैं। बुधवार यानी आज से नामांकन शुरू होना था और 10 को नामांकन वापसी, 11 अक्टूबर को अंतिम मतदाता लिस्ट सार्वजनिक होती और चुनाव चिन्ह आवंटित होता। इन सबके बीच एडीएम संजय सिंह का कहना है कि चुनाव नियत समय और निष्पक्ष प्रक्रिया के साथ होंगे।

नीतीश सरकार का बड़ा एक्शन

सात राजस्व अधिकारियों का कर दिया तबादला

पटना, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सामान्य प्रशासन विभाग ने पटना जिला के कई राजस्व अधिकारियों को बदल दिया है। इसमें प्रतीक्षारत कई पदाधिकारी भी शामिल हैं। संपतचक के राजस्व अधिकारी राजीव रंजन अब सदर अंचल का जिम्मा संभालेंगे। अशोक कुमार मेहता को दानापुर का राजस्व अधिकारी बनाया गया है। विनय कुमार चौधरी को पुनपुन, मुरारी चौहान को मसौढ़ी, मनीष कुमार को बिक्रम, ममता रानी को दुल्हिनबाजार व अनुज कुमार को मनेर के राजस्व अधिकारी पद पर भेजा गया है। शिवशंकर गुप्ता व अनुजा सिन्हा राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान, शास्त्रीनगर में राजस्व पदाधिकारी सह कानूनगो बनाए गए हैं। फुलवारीशरीफ के विमल कुमार गुप्ता को आरा सदर, कविभूषण प्रसाद को पालीगंज से उदवंतनगर (भोजपुर), धनरुआ के तत्कालीन सीओ ऋषि कुमार को खानपुर (समस्तीपुर) का राजस्व अधिकारी, पालीगंज के तत्कालीन सीओ राकेश कुमार को चकबंदी पदाधिकारी बिहियां (भोजपुर) तथा सहायक बंदोबस्त अधिकारी उदयकांत चौधरी को कटिहार भेजा गया है।

सुबह घर से शौच के लिए था निकला, बैठे बदमाशों ने सिर में मारी गोली

सुलतानपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर में अज्ञात बदमाशों ने कथित रूप से चुनाव की रंजिश को लेकर बुधवार तड़के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना बल्दीराय थाना क्षेत्र के असरखपुर गांव की है। मामले के मुताबिक गांव निवासी इच्छानाथ यादव (35) सुबह घर से बाहर शौच के लिए गए थे, तभी वहां पहले से ही घात लगाकर बैठे हमलावरों ने यादव के सिर में गोली मार दी जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि गोली की आवाज सुनकर परिजन जब मौके पर पहुंचे तो हत्यारे फरार हो गए। चुनावी रंजिश में युवक की गोली मारकर हत्या सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह और पुलिस क्षेत्राधिकारी सौरभ सावंत मौके पर पहुंचे।

पटना से गया जा रही बौद्ध भिक्षुओं की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त

हादसे में 8 घायल, 3 की हालत गंभीर

पटना, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटना से गया जा रही बौद्ध भिक्षुओं की गाड़ी बुधवार (09 अक्टूबर) की सुबह जहानाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हाइवा की टक्कर से टूरिस्ट बस सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में आठ पर्यटक घायल हुए हैं। घटना कड़ौना थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के समीप की है। हादसे के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीन बौद्ध भिक्षुओं को गहरी चोट लगी थी जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने पीएमसीएच रेफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार, बौद्ध भिक्षुओं से भरी टूरिस्ट बस नेपाल से पटना होते हुए बोधगया जा रही थी। अचानक जहानाबाद के सलेमपुर गांव के समीप यह हादसा हो गया। घटना के संबंध में टूरिस्ट गाइड शिव शंकर ने बताया कि बस में 23 बौद्ध भिक्षु नेपाल से अपना वीजा रिन्यू कराने के बाद बोधगया लौट रहे थे। टूरिस्ट गाइड ने बताया कि जहानाबाद के सलेमपुर गांव के समीप एनएच-83 पर एक अनियंत्रित हाइवा ने टक्कर मार दी। घटना में आठ लोग घायल हुए हैं। अन्य लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि बस में वियतनाम, म्यांमार और अमेरिका के रहने वाले टूरिस्ट हैं। सदर अस्पताल में इलाज करा रहे हैं।

यूपी उपचुनाव के लिए सपा ने जारी की उम्मीदवारों की पहली लिस्ट, लालू यादव के दामाद को मिला टिकट

लखनऊ, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। समाजवादी पार्टी ने अखिलेश यादव की करहल सीट से उनके भतीजे तेज प्रताप यादव को टिकट दिया है। तेज प्रताप यादव बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और राबड़ी देवी के दामाद हैं। उन्हें लोकसभा चुनाव में कन्नोज से टिकटा मिला था लेकिन बाद उनकी जगह अखिलेश यादव खुद चुनाव लड़े। वहीं, फैजाबाद (अयोध्या) के सांसद अवधेश कुमार की सीट मिल्कीपुर से उनके बेटे अजीत प्रसाद को चुनाव मैदान में उतारा गया है। सीसामउ से नसीम सोलंकी को सपा ने उम्मीदवार बनाया है। फूलपुर से मुस्तफा सिद्दकी को टिकट दिया गया है। मझंवा से डॉ. ज्योति बिंद को सपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है। जबकि कटेहरी से शोभावती वर्मा को टिकट मिला है। जानकारी के अनुसार, करहल के उम्मीदवार तेज प्रताप यादव सैफई परिवार से हैं। वह मुलायम सिंह के बड़े भाई के पोते हैं। वह मैनपुरी से सांसद भी रह चुके हैं। उनकी शादी लालू यादव की बेटी राजलक्ष्मी यादव से साल 2015 में हुई थी। नसीम सोलंकी पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी की पत्नी हैं। वहीं, अजीत प्रसाद अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे हैं। शोभावती वर्मा अंबेडकरनगर के सांसद लालजी वर्मा की पत्नी हैं। वह जिला पंचायत सदस्य रह चुकी हैं। इसी प्रकार ज्योति बंद सपा नेता रमेश बिंद की बेटी हैं। रमेश बिंद अनुप्रिया पटेल से लोकसभा चुनाव 2024 में मिर्जापुर से हार गए थे। सपा ने अभी तक चार सीटों पर उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं।

लालू यादव के करीबी राजद नेता पर ईडी का बड़ा एक्शन

मनी लांड्रिंग में 25 करोड़ की संपत्ति जब्त

भोजपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी और पूर्व विधायक अरुण यादव पर प्रवर्तन निदेशालय (अलर्ट) ने बड़ा एक्शन लिया है। ईडी ने मनी लांड्रिंग मामले में अरुण यादव की लगभग 25 करोड़ की संपत्ति जब्त की है। इससे पहले ईडी ने इस मामले में फरवरी में अरुण यादव के यहां रेड डाली थी। फरवरी में ईडी का सर्च ऑपरेशन हुआ था। पटना के दानापुर इलाके में राबड़ी देवी के नाम के चार फ्लैट अरुण यादव की विधायक पत्नी किरण देवी के नाम किया गया था। ईडी ने आय से अधिक संपत्ति के रखने के आरोप से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत फरवरी 2024 में आरजेडी के पूर्व विधायक अरुण यादव, उनकी पत्नी किरण देवी और कुछ अन्य के परिसरों पर छापेमारी की थी। ईडी ने साल 2024 में आरजेडी विधायक और उनकी पत्नी के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया था। ईडी ने इस जांच के तहत पहले अरुण यादव और उनके परिवार के कुछ सदस्यों के बयान दर्ज किए थे। साथ ही ईडी ने उनके परिवार के सदस्यों और किरण दुर्गा कॉन्ट्रैक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड की संपत्ति, दस्तावेज और बैंक खातों की डिटेल ली थी। इससे पहले केंद्रीय जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमें पिछले साल मई में और इस साल जनवरी महीने में उनके भोजपुर के अगियांव गांव वाले घर और दानापुर स्थित फ्लैट की तलाशी ली थी।

यूपी स्मारक घोटाले में पूर्व आईएएस अधिकारियों पर ईडी ने कसा शिकंजा

लखनऊ, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 2007 से 2012 की बीएसपी सरकार में हुए कथित स्मारक घोटाले को लेकर ईडी ने पूर्व आईएएस ऑफिसर मोहिंदर सिंह और रामबोध मौर्य को पूछताछ के लिए तलब किया है। ईडी ने 14 अरब रुपये के स्मारक घोटाले के लिए इन दोनों के अलावा उत्तर प्रदेश राज्य की निर्माण निगम के पूर्व प्रबंध निदेशक सीपी सिंह को पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी क्रम में प्रवर्तन निदेशालय ने इन स्मारकों के लिए पत्थरों की आपूर्ति करने वाले मार्बल कारोबारी को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी ने मार्बल कारोबारी आदित्य अग्रवाल को 15 अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलाया है, जबकि अगले दिन यानी 16 अक्तूबर को पूर्व आईएएस ऑफिसर मोहिंदर सिंह को पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी ने सीपी सिंह को 17 अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलाया है और रामबोध मौर्य को 18 अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। इस प्रकरण में ईडी अब घोटाले के आरोपियों में शामिल पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी और बाबू सिंह कुशवाहा पर भी शिकंजा कस सकती है।

भदोही में हादसा, रामलीला में सीता स्वयंवर मंचन के दौरान बुलडोजर ने कई को रौंदा

भदोही, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के भदोही में रामलीला मंचन में बुलडोजर से प्रदर्शन करना भारी पड़ गया। सीता स्वयंवर के बीच बेकाबू बुलडोजर ने कई लोगों को रौंद दिया। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। बेहतर इलाज के लिए उसे प्रयागराज के लिए रेफर किया गया है। हादसे के बाद रामलीला मैदान में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रदेश में बुलडोजर प्रदर्शन के दौरान लोग उत्सुकता में इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस प्रशासन की लापरवाही भी इसमें देखी जा सकती है। बेकाबू बुलडोजर की घटना रामलीला में सीता स्वयंवर के मंचन के दौरान की है। घटना रविवार को जिले के कोईरौना थाना क्षेत्र के इनारगांव में हुई। घटना के मुताबिक, रामलीला का आयोजन चल रहा था, जिसमें सीता स्वयंवर के मंचन में धनुष तोड़ने के लिए पेटू राजा को बुलडोजर से मंच पर लाया जा रहा था, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया। बेकाबू बुलडोजर ने झालर-ट्यूबलाइट की पोल और बैंड बाजे वालों को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शी मेजर गौतम ने बताया कि इस दुर्घटना में डंकापुर निवासी बैंड बाजा बजाने वाले रमेश गौतम गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए गोपीगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया।

हरियाणा में बसपा को मिली हार के लिए कांग्रेस दोषी

मायावती ने दिया विस्फोटक बयान

लखनऊ, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया और यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने बुधवार, 9 अक्टूबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बसपा के संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित की। साथ ही इस मौके पर उन्होंने हरियाणा चुनाव के नतीजों पर अपनी राय रखी और कांग्रेस पर ही जमकर हमला बोला। मायावती ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने और ओबीसी समाज के लोगों को गुमराह कर उनका वोट हासिल किया, जिससे बसपा का नुकसान पहुंचा। इसके अलावा, हरियाणा चुनाव के नतीजों पर उन्होंने कहा कि बसपा से जुड़ा दलित वोट को आईएनएलडी को मिल गया, लेकिन चौटाला परिवार से जुड़े जाट समाज का वोटबैंक में फूट थी, जिसका लाभ भाजपा को मिला।

मायावती ने कांग्रेस पर बोला हमला

मायावती ने कहा, देश में इस बार 18वीं लोकसभा के चुनाव में खासकर कांग्रेस के इंडिया गठबंधन ने संविधान बचाओ और आरक्षण बचाओ आदि का हथकंडा इस्तेमाल करके इसकी आड़ में देश के विशेषकर भोले-भाले एससी-एसटी और ओबीसी लोगों को गुमराह किया। उनका वोट लेकर अपने गठबंधन को मजबूत बना लिया, जिससे हमारी जैसी और पार्टियों को काफी नुकसान हुआ।

हरियाणा चुनाव के नतीजों पर मायावती ने कहा

मालूम हो कि हरियाणा में बसपा ने 37 सीटों पर चुना लड़ा, लेकिन एक पर भी उसे कामयाबी हासिल नहीं हुई। इस मुद्दे पर बयान देते हुए मायावती ने अपने गठबंधन के साथ मैं आईएनएलडी पर ही निशाना साधा। उन्होंने कहा, जाट समाज का वोट बीएसपी उम्मीदवारों को बिल्कुल नहीं मिला, जबकि बीएसपी का दलित वोट पूरा आईएनएलडी को ट्रांसफर हुआ है। चौटाला परिवार से जुड़ा जाट समाज का वोट इनमें आपस में फूट होने के कारण इसका लाभ भाजपा को मिला है। इस बार हरियाणा का चुनाव जाट और गैर-जाट समाज में बंटकर रह गया। बीएसपी को इससे काफी नुकसान हुआ है।

हरियाणा-जम्मू कश्मीर चुनाव के नतीजों के बीच चिराग पासवान का बयान

पीएम मोदी और बीजेपी को लेकर क्या कहा

पटना, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में बीजेपी ने कड़ी मेहनत की है और जनता बीजेपी और पीएम मोदी पर भरोसा करती है। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि विधानसभा चुनाव के नतीजे उनके पक्ष में होंगे। चिराग की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास पासवान) ने दोनों राज्यों में किसी भी सीट पर चुनाव नहीं लड़ा है। हालांकि, चिराग ने अपने एनडीए गठबंधन के सहयोगी भारतीय जनता पार्टी की जीत की उम्मीद जताई है।

चिराग ने भले ही बीजेपी के पक्ष में नतीजे आने की उम्मीद जताई हो, लेकिन शुरुआती रुझान में नतीजे उनके खिलाफ ही आए हैं। हरियाणा में कांग्रेस भारी बहुमत के साथ सरकार बनाती दिख रही है। वहीं, जम्मू कश्मीर में भी कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस का गठबंधन आगे दिख रहा है। यहां भी कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर सरकार बना सकती है।

जीत का विश्लेषण करें तो वहां सबसे बलवान जाति जाट है

हरियाणा में क्यों हारी कांग्रेस? जीतन राम मांझी ने बताया कारण

पटना, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के विधानसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक लगाई है। इस बार हरियाणा में 48 सीटों पर जीत दर्ज करते हुए बीजेपी फिर से सरकार बनाने वाली है। इस चुनाव के नतीजे हैरान करने वाले हैं। विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस की लहर दिख रही थी लेकिन रिजल्ट उस अनुसार नहीं आया। पार्टी 37 सीटों पर सिमट गई। अब इस हार के पीछे का कारण बताते हुए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बुधवार (09 अक्टूबर) को बड़ा बयान दिया है।

जाट के बल पर चुनाव जीतना चाह रही थी कांग्रेस?

जीतन राम मांझी ने कहा, जाट को बहुत बाहुबली लोग वहां समझते हैं। उनका वहां बहुमत था। इस आधार पर कांग्रेस वालों ने उन्हें ज्यादा से ज्यादा सीट देकर कोशिश की कि उन लोगों के बल पर हम चुनाव जीतेंगे। यह साबित हो चुका है कि लोकतंत्र में बात सत्ता की नहीं बल्कि संख्या की है। जाटों के अलावा बाकी अनुसूचित जाति और आदिवासी समुदायों ने एनडीए को वोट दिया और बीजेपी ने तीसरी बार चुनाव जीतकर ऐतिहासिक जीत हासिल की।

पीएम नरेंद्र मोदी को मांझी ने दिया जीत का श्रेय

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। वे संसार के नेताओं से आंख से आंख मिलाकर बात करने वाले नेता हैं। देश की जनता चाहती है कि वो ऐसे नेता को भूले नहीं। हरियाणा की जीत का अगर विश्लेषण करें तो वहां सबसे बलवान जाति जाट है। कांग्रेस ने जाट की राजनीति की जिसके फलस्वरूप हमारी पिछड़ी जातियों ने एक होकर पीएम मोदी पर विश्वास जताया। इससे यह बात भी गलत साबित होती है कि पीएम मोदी और बीजेपी पिछड़ी जातियों एवं आरक्षण विरोधी है। हम सबको बधाई देते हैं।

बिहार में टूटी हुई पटरी से गुजरी वैशाली एक्सप्रेस पता लगते ही अधिकारियों के हाथ-पांव फूले

पटना, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में एक बड़ी घटना होते-होते टल गई है। यहां सवारियों को लेकर जा रही वैशाली एक्सप्रेस टूटी हुई पटरी से गुजर गई। हद तो इस बात की है इसकी जानकारी अधिकारियों को बाद में लगी। गनीमत रही कि गुजरने के दौरान ट्रेन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन जब रेलवे अधिकारियों को इसकी भनक लगी तो उनके हाथ-पांव फूल गए। मिली जानकारी के मुताबिक, बेगूसराय-खगड़िया रेलखंड पर दनौली फुलवरिया और लाखो स्टेशन के बीच रेल पटरी टूट हुई थी। रेलवे फाटक नंबर 41 के पास स्थित किलोमीटर संख्या 154/5-7 पर रेलवे ट्रैक क्रेक हो गई जिसकी भनक किसी को नहीं लगी और इसी टूटी पटरी पर ही यात्रियों से भरी वैशाली एक्सप्रेस ट्रेन गुजर गई।

गनीमत रही कि कोई हादसा नहीं हुआ वरना हजारों की जान जा सकती थी। हालांकि अधिकारियों को जब पटरी में दरार होने की सूचना मिली तो आनन-फानन में इस रूट पर ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया और उसे चेंज किया गया। इस वजह से करीब आधे घंटे तक रूट बाधित रहा। वैशाली एक्सप्रेस ट्रेन के गुजरने के बाद इसी पटरी से गुजर रही तिनसुकिया-राजेंद्र नगर एक्सप्रेस ट्रेन को लाल झंडी दिखाकर रोका गया। इसी के साथ राज्यरानी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों पर खड़ी रहीं।

दुर्गा जागरण में डांस करते समय हुई लड़के की मौत

सीतापुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के सीतापुर में दुर्गा जागरण के दौरान डांस करते समय एक लड़के की मौत हो गई है। अचानक हुई इस घटना से मौके पर हड़कंप मच गया और जागरण में भगदड़ की स्थिति हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, मृत लड़का एक यूट्यूबर था। मामला सदरपुर थाना क्षेत्र का है। मृत लड़के की पहचान विकास चौहान के रूप में हुई है। विकास एक यूट्यूबर था और शॉर्ट वीडियो बनाता था। दुर्गा जागरण में डांस करते वक्त वह अचानक गिरा और उसकी मौत हो गई। घटना के बारे में जैसे ही लोगों को पता लगा तो जागरण में भगदड़ मच गई। परिवार वालों ने भी पुलिस को सूचना देना जरूरी नहीं समझा और आनन-फानन में लड़के का अंतिम संस्कार कर दिया। इस घटना से इलाके के लोगों में मायूसी छा गई है।

इतिहास मेरे कार्यकाल को कैसे याद करेगा

रिटायरमेंट से पहले सीजेआई चंद्रचूड़ को किस बात की चिंता? बताई दिल की बात

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ अगले महीने रिटायर होने जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने अपने भविष्य और अतीत को लेकर चिंताएं और शंकाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर वह सोचते हैं कि क्या उन्होंने न्यायपालिका में वह सब हासिल किया जो वे करना चाहते थे। उनका सोचना है कि आखिर इतिहास उनके कार्यकाल को किस तरह से लेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि इन सवालों के अधिकतर उत्तर उनके नियंत्रण से परे हैं और शायद उन्हें इनका जवाब कभी नहीं मिलेगा।सीजेआई चंद्रचूड़ ने यह बातें भूटान के जिग्मे सिंग्ये वांगचुक स्कूल ऑफ लॉ के तीसरे दीक्षांत समारोह के दौरान कहीं। इस समारोह में भूटान की राजकुमारी सोनम देचन वांगचुक, स्कूल के अध्यक्ष ल्योनपो चोग्याल दागो रिगडजिन और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। उन्होंने कहा, मैं नवंबर में भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपना पद छोड़ने वाला हूं। इस दौरान मेरा मन भविष्य और अतीत को लेकर चिंताओं से भरा हुआ है। मैं खुद से यह सवाल पूछता हूं कि क्या मैंने वो सब किया जो मैंने तय किया था? इतिहास मेरे कार्यकाल को कैसे याद करेगा? क्या मैं कुछ और बेहतर कर सकता था? मेरे द्वारा छोड़ी गई विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी होगी? चंद्रचूड़ ने अपने दो साल के कार्यकाल को संतोषजनक बताते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा के साथ निभाया है, चाहे परिणाम जो भी हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब तक आप अपने इरादों और क्षमताओं पर विश्वास रखते हैं, तब तक परिणामों की चिंता किए बिना काम करना आसान हो जाता है। इसके अलावा, उन्होंने पारंपरिक मूल्यों को मान्यता देने और उनका सम्मान करने की अपील की। सीजेआई ने जोर देकर कहा कि पारंपरिक मूल्य ही भारत और भूटान जैसे देशों की नींव रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की मानवाधिकारों की परिभाषा अक्सर व्यक्तिगत अधिकारों को प्राथमिकता देती है, जो कई बार हमारी न्याय की समझ से मेल नहीं खाती। उन्होंने कहा कि भारत और भूटान जैसे देशों में पारंपरिक सामुदायिक विवाद निवारण तंत्र को आधुनिक संवैधानिक विचारों के साथ जोड़ा जाना चाहिए।

'संजय राउत मध्य प्रदेश आकर देखो'

सीएम मोहन यादव ने शिवसेना नेता को किस बात पर दिया चैलेंज

भोपाल, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। लाडली बहना योजना को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद शिवसेना ने एक बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की बहनों को अब इस योजना के पैसे नहीं मिल रहे हैं। संजय राउत के इस आरोप का सीएम मोहन यादव ने जवाब दिया है। सीएम मोहन यादव ने कहा,संजय राउत जरा मध्यप्रदेश आकर देखें।

जब से लाड़ली बहना योजना प्रारंभ हुई है, तब से लगातार हर महीने प्रदेश की 1.29 करोड़ बहनों के खातों में सम्मान की यह राशि भेजी जा रही है। सीएम मोहन यादव ने आगे कहा,महाराष्ट्र चुनाव में हार के भय से उद्धव ठाकरे की पार्टी बहनों को बरगलाना चाहती है, बहनें ही इस चुनाव में इसका उत्तर देंगी। निश्चित रूप से महाराष्ट्र में भी यह योजना महिला सशक्तिकरण के लिए अभूतपूर्व कदम सिद्ध होगी। मोहन यादव ने कहा, मैं एक बार फिर अपने सारे मतदाताओं से कहना चाहूंगा कि ऐसे झूठे षड्यंत्रों पर विश्वास न करें। यह नारी सशक्तिकरण की राशि है, जिसे हम बंद करने के बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि हमारी योजना के तहत बहनों के जीवन में बेहतरी हो। संजय राउत ने कहा था,लाडली बहना योजना देश के किसी भी हिस्से में सफल नहीं हो पाई है, यह सिर्फ एक राजनीतिक खेल है। संजय राउत ने आगे कहा, इस योजना से अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। साथ ही उन्होंने कहा,लाडली बहना योजना अगले महीने से बंद हो जाएगी। संजय राउत ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री आए और हजारों-लाखों करोड़ की योजनाओं की घोषणा की, पैसा कहां से लाएंगे? तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 5 मार्च 2023 को इस योजना की शुरुआत की थी। जून 2023 से लाडली बहनों के खाते में प्रतिमाह 1000/- रुपए की राशि आने लगी थी। इसके बाद राशि को बढ़ाकर 1250/- रुपये कर दिया गया।

दिल्ली में डेंगू का कहर, 2100 के पार पहुंचा आंकड़ा, दो और लोगों की गई जान

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के तमाम हिस्सों में बारिश का दौर खत्म हो चुका है, लेकिन इस मौसम में होने वाली बीमारी डेंगू ने अब तक पीछा नहीं छोड़ा है। आधिकारिक आंकड़े के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में इस साल डेंगू के मामलों की संख्या बढ़कर 2,115 हो गई है। जबकि दो और व्यक्तियों की मौत हो गई है। दिल्ली में सितंबर महीने में इस साल डेंगू से पहली मौत हुई थी। वहीं एक निकाय अधिकारी ने बताया कि दो व्यक्तियों की मौत सफदरजंग अस्पताल और पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग में महाराजा अग्रसेन अस्पताल में हुई है। हालांकि, अधिकारी ने यह नहीं बताया कि मौतें कब हुईं। राजधानी में एमसीडी की साप्ताहिक रिपोर्ट में इन मौतों की जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अब तक राजधानी में डेंगू से कुल तीन मौतें हुई हैं। वहीं पिछले साल दिल्ली में डेंगू से 19 मौतें हुई थीं। दिल्ली में 29 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच सात दिनों की अवधि में डेंगू के 485 और मामले सामने आए हैं। इस अवधि के दौरान सबसे अधिक मामले नजफगढ़ जोन और उसके बाद दक्षिण दिल्ली जोन में दर्ज किए गए। पिछले महीने दिल्ली में डेंगू के 1052 मामले सामने आए थे, जो इस साल अब तक किसी भी महीने में दर्ज सबसे अधिक केस हैं। पिछले हफ्ते 29 सितंबर से अक्टूबर तक मलेरिया के मामलों में भी बढ़ोतरी हुई है, जिसमें 81 मामलों की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

'दोषियों को फांसी की सजा होनी चाहिए'

वडोदरा गैंग रेप को लेकर बोले गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी

वडोदरा, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात में इन दिनों वडोदरा रेप केस को लेकर मामला काफी गर्म है। आए दिन इस मामले में कोई न कोई नई अपडेट आ रही है। इस केस को लेकर गुजरात की पुलिस हाई अलर्ट पर है। पुलिस ने इस केस के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच कर रही है। ऐसे में इसी बीच राज्य के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी का इस मामले को लेकर एक बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने मां अंबा की एक ही इच्छा है कि वडोदरा गैंग रेप के दोषियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

दोषियों को मिले फांसी की सजा

गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी बीते दिन राजकोट के दौरे पर थे। यहां वह कई अलग- अलग नवरात्रि उत्सवों में शामिल हुए। इसी तरह वह यूनिटी क्लब द्वारा आयोजित नवरात्र महोत्सव में भी शामिल हुए। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मां अंबा की एक ही इच्छा है कि वडोदरा गैंग रेप के दोषियों को फांसी की सजा मिले। इसके साथ ही उन्होंने विरोधियों पर तंज कसते हुए कहा कि गुजरात में कई लोग गरबा खेलने की बजाय गरबा न खेलने की कोशिश करना चाहते हैं।

गुजरात पुलिस का बहुत आभारी

मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि इन दिनों जहां लोग मां अम्बा के चरणों में प्रणाम करके अपने लिए शांति और सुरक्षा मांगते हैं। आज भी हम मां अम्बा के चरणों में श्रद्धा सुमन के साथ एक और कामना करते हैं कि इन दरिंदों को फांसी से कम सजा न हो। तभी मेरी गुजरात की बहनों को न्याय मिलेगा। वह अपनी गुजरात पुलिस के बहुत आभारी हैं, जिन्होंने दिन-रात एक करके वडोदरा गैंग रेप के दोषियों को पकड़ा। इसके अलावा राज्य के सभी नागरिकों को देर रात तक गरबा खिलाने के लिए और उनकी सुरक्षा के लिए दिन-रात काम करती है।

पांच बच्चों की मां बॉयफ्रेंड संग भागी, पुलिस ने पति से मांगी तस्वीर

करनाल, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कहते हैं कि शादी सात जन्मों का बंधन होता है। लेकिन इन दिनों शादी कब कैसे और किस कारण टूट जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। कई बार तो सालों साल की शादी भी टूटने की खबरें सामने आती रहती हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है हरियाणा के करनाल से। यहां एक शादीशुदा महिला ने पति संग 14 साल का रिश्ता तोड़ प्रेमी को चुना। बिना बताए वो घर से भाग गई। साथ में अपने पांच बच्चों को भी ले गई। पति को इसकी भनक लगी तो दौड़ा-दौड़ा वो थाने पहुंचा। रोते-बिलखते पुलिस अधिकारी को बोला- साहब मेरी बीवी अपने प्रेमी के साथ भाग गई है। साथ में मेरे मासूम बच्चों को भी ले गई है। उन्हें ढूंढने में मेरी मदद कीजिए। पुलिस ने पीड़ित शख्स की तहरीर पर मामला दर्ज करके उसकी पत्नी और पांचों बच्चों की तलाश शुरू कर दी है।

जम्मू-कश्मीर में मुफ्ती का अस्तित्व खतरे में

पिछले चुनाव तक थी सबसे बड़ी पार्टी, मिलीं केवल 3 सीट

जम्मू, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीर में 10 साल पहले तक सबसे बड़ी पार्टी रही पीडीपी को इस बार अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 में महबूबा मुफ्ती की पार्टी को केवल 3 सीटें मिल सकी हैं। यह वही पार्टी है जो 2014 के विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें लाकर किंग मेकर बनी थी और बीजेपी के साथ गठबंधन कर सरकार बनाई थी। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 में महबूबा मुफ्ती की पीडीपी को केवल 8।87 फीसदी वोट परसेंट मिला। वहीं, जीन तीन सीटों पर पीडीपी को जीत मिली है, उनमें कुपवाड़ा, त्राल और पुलवामा शामिल हैं। वहीं, त्राल सीट ऐसी रही, जहां पीडीपी उम्मीदवार रफीक अहमद नाइक केवल 460 वोटों के अंतर से जीते।

महबूबा मुफ्ती की बेटी भी हार गईं चुनाव

इसके अलावा, कुपवाड़ा से मीर मोहम्मद फयाज और पुलवामा से वहीदुर्रहमान पारा ही पार्टी की साख बचाने में योगदान दे सके। इतना ही नहीं, महबूबा मुफ्ती की पारिवारिक सीट बिजबेहारा पर उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने पहली बार चुनाव लड़ा था। यह सीट भी पीडीपी नहीं बचा सकी और इल्तिजा मुफ्ती को नेशनल कांफ्रेंस के बशीर अहमद शाह वीरी ने 9770 वोटों के अंतर से हरा दिया। वहीं, पार्टी के सीनियर नेता महबूब बेग तक चुनाव हार गए।

10 साल पहले तक था पीडीपी का दबदबा

साल 2014 के विधानसभा चुनाव में महबूबा मुफ्ती की पीडीपी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर सामने आई थी। उस समय पीडीपी को कुल 28 सीटें मिली थीं और वोट परसेंट 22.67 फीसदी था। ये भी इसके पहले हुए चुनाव से सात सीटें ज्यादा थीं। यानी पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ रहा था।

चुनाव के नतीजों के बाद क्या बोलीं महबूबा मुफ्ती?

पीडीपी को तीन सीटें मिलने के बाद अपनी निराशा छुपाते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह राजनीतिक सफर है और यहां उतार-चढ़ाव बना रहता है, लेकिन पीडीपी के पास विजन भी है और एजेंडा भी, जो पार्टी को बहुत आगे तक लेकर जाएगा।

चार साल में पीडीपी बन गई थी बड़ी पार्टी

साल 1996 में अपने पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद के साथ राजनीति में आईं महबूबा मुफ्ती ने पीडीपी को एक ऐसी पार्टी बनाया, जिसने न केवल नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुकाबला किया बल्कि जम्मू-कश्मीर की सबसे पुरानी पार्टी को उसके गठन के चार साल के अंदर ही सत्ता से बाहर कर दिया। साल 2002 में 16 सीट जीतने वाली पीडीपी के विधायकों की संख्या 2008 में 21 हो गई। इसके बाद साल 2014 के विधानसभा चुनाव में पीडीपी 28 बंपर सीटें जीती। महबूबा मुफ्ती खुद चार बार की विधायक रह चुकी हैं। उन्होंने 1996, 2002, 2008 के आम चुनाव और 2016 के उपचुनाव में जीत दर्ज की थी। साल 2004 और 2014 के लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने जीत दर्ज की थी।

'जो जीते उनका साथ दो भारत के लिए सोचो', रॉबर्ट वाड्रा ने हार पर कांग्रेस को दी खास सलाह

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में भाजपा की बंपर जीत हुई है और कांग्रेस ने अपने कई किले भी गंवा दिए हैं। यहां तक की रोहतक और सोनीपत जैसी जाटलैंड की सीटों पर भी कांग्रेस को हार का मुंह देखना पड़ा। इस बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने इस हार पर कांग्रेस को खास सलाह दी है। रॉबर्ट वाड्रा ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है। इसमें वो एक गांव में कई लोगों के बीच बैठे नजर आ रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि ये हरियाणा के चुनाव प्रचार के दौरान की फोटो है। इस फोटो के नीचे लिखा है, स्वीकार करें कि लोग क्या चाहते हैं और राज्य को उन नेताओं के साथ विकसित करने में मदद करते हैं, जिसे जनता ने चुना है। बड़ा सोचें और भारत के लिए सोचें।

भाजपा ने जीतीं 48 सीटें

भाजपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में 90 में से 48 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने 37 सीटें जीतने में कामयाबी हासिल की। मंगलवार को जारी किए गए चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, इंडिपेंडेंट्स ने 3 सीटें जीती और भारतीय राष्ट्रीय लोक दाल (आईएनएलडी) ने 2 सीटें हासिल कीं। हरियाणा में 90 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली आम आदमी पार्टी का खाता भी नहीं खुल पाया।

क्या एमवीए में मतभेद की वजह बनेगा उद्धव ठाकरे का यह पोस्टर? चुनाव से पहले बने चर्चा का विषय

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। इसके लिए सत्ताधारी गठबंधन महायुति और विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी में तैयारियां शुरू हो गई हैं। वहीं, विपक्षी अलायंस में चर्चा का एक बड़ा विषय मुख्यमंत्री पद का चेहरा चुनना भी है। इसी बीच राज्य में जगह-जगह उद्धव ठाकरे के पोस्टर चर्चा का विषय बन गए हैं। दरअसल, दादर क्षेत्र में शिवसेना यूबीटी के समर्थकों की ओर से दशहरा शुभकामनाओं के लिए जगह-जगह पोस्टर लगाए गए हैं, जिन पर मराठी में लिखा है, महाराष्ट्र के लिए, महाराष्ट्र के मन में, निष्ठावान शिवसैनिकों के दिलों में, भावी मुख्यमंत्री माननीय श्री उद्धव साहेब ठाकरे। पोस्टर में नीचे पार्टी सचिव साईनाथ दुर्गे की तस्वीर भी बनी है। महाविकास अघाड़ी में उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी, शरद पवार की एनसीपी-एसपी और कांग्रेस शामिल हैं। तीनों दलों के बीच में मुख्यमंत्री पद को लेकर अभी तक चर्चा नहीं हुई है। इसके पहले उद्धव ठाकरे के 'भावी मुख्यमंत्री' वाले पोस्टर गठबंधन में मतभेद की स्थिति पैदा कर सकते हैं।

उद्धव ठाकरे कई बार कर चुके हैं सीएम फेस चुनने की मांग

महाराष्ट्र में संभवतः अगले महीने यानी नवंबर 2024 में विधानसभा चुनाव हैं। इससे पहले उद्धव ठाकरे ने दादर में ही जनता को संबोधित करते हुए एक बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा कि एमवीए गठबंधन में उनके सहयोगी जिसे भी मुख्यमंत्री चेहरा चुनेंगे, शिवसेना यूबीटी उनका समर्थन करेगी। ठाकरे ने कहा था कि कांग्रेस-एनसीपी को भावी मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा कर देनी चाहिए, क्योंकि इससे भितरघात की आशंका खत्म हो जाती है।

एनसीपी और कांग्रेस नहीं चुनना चाहतीं भावी सीएम?

उद्धव ठाकरे इससे पहले भी कई बार सीएम फेस चुनने की मांग अपने सहयोगी दलों से कर चुके हैं। हालांकि, तब शरद पवार ने कहा था कि फिलहाल एमवीए को चुनाव जीतने पर फोकस करना चाहिए। जीत होने के बाद आपस में बैठ कर यह तय कर लिया जाएगा कि सीएम कौन होगा। वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ ने भी यही कहा था कि गठबंधन में जब भी चुनाव लड़ा जाता है, तो सीएम चेहरे का कोई महत्व नहीं बचता। बहुमत लाने वाले दल के साथ मिलकर नाम तय कर लिया जाता है। इन बयानों के बाद से ही कयास लगने लगे थे कि मुख्यमंत्री पद को लेकर एमवीए में तनाव बन सकता है।

नेता-पत्रकार किसी को नहीं छोड़ेंगे लालू यादव के बेटे तेजस्वी; किस बात पर इतना भड़क उठे

पटना, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में 5 देशरत्न मार्ग स्थित बंगला को लेकर छिड़ी सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। भारतीय जनता पार्टी ने नेता प्रतिपक्ष पर जो गंभीर आरोप लगाए थे, अब वह मामला तूल पकड़ चुका है। पहले राष्ट्रीय जनता दल ने इन आरोपी को खारिज किया था। अब तेजस्वी यादव ने इसपर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। इतना ही नहीं तेजस्वी यादव ने यहां तक कह दिया कि जिन जिन लोगों के मेरे ऊपर गंभीर आरोप लगाए हैं, उनको मैं लीगल नोटिस भेजूंगा। चाहे वो नेता हो या पत्रकार, किसी नहीं छोड़ूंगा। सरकारी बंगले से सामान ले जाने ने सवाल पर तेजस्वी यादव ने स्पष्ट कहा है कि भाजपा उनकी छवि धूमिल करना चाहती है और जनता उनके साथ है। मेरे ऊपर लगाए गए सारे आरोप बेबुनाद हैं। मैं तो कहता हूं कि भाजपा इसकी जांच ईडी और सीबीआई से करवा लें। मेरे पास सारे वीडियो और सबूत हैं। बता दें कि दो दिन पहले भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता दानिश इकबाल ने आरोप लगाया कि उप मुख्यमंत्री के रूप में तेजस्वी यादव को 5 देशरत्न मार्ग का जो बंगला आवंटित किया गया था, उससे निकलते समय वह सोफा-कुर्सी, एसी और यहां तक कि नल की टोंटी तक उखाड़ ले गए। इधर, राष्ट्रीय जनता दल ने दानिश इकबाल का नाम लेकर कहा कि वह किस हैसियत से यह सवाल पूछ रहे हैं? उन्हें पहले सरकार के विभाग से पुष्टि करनी चाहिए थी, क्योंकि अब आवंटन होने के बाद आवासन के पहले और छोड़ते समय सामान का मिलान किया जाता है। वीडियोग्राफी भी कराई जाती है।

पुलिस को वेतन के साथ मिलेगा 10 लाख का बीमा मौत हुई तो नॉमिनी को मिलेंगे एक करोड़ रुपए

भोपाल, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश पुलिस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। दरअसल, अफसर और कर्मचारियों को वेतन के साथ अब तक का सबसे बड़ा लाभ मिलने जा रहा है। इसमें मृत्यु होने पर 10 लख रुपए और दुर्घटना में मौत होने पर नॉमिनी को एक करोड रुपए तक का बीमा मिलेगा। इसके अलावा बच्चों की पढ़ाई, कन्या विवाह पर भी पुलिस अफसर हो और जवानों को बीमा का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी कई सालों से सरकार से मांग भी कर रहे थे। पिछले दिनों पुलिस मुख्यालय ने पुलिस अफसर और कर्मचारियों ग्रुप टर्म इंश्योरेंस का एमओयू साइन किया है। इस एमओयू के बाद सैलरी अकाउंट के जरिए अब तक का सबसे बड़ा बीमा का लाभ पुलिस में रहते हुए इन्हें मिल सकेगा। यह एमओयू 3 साल के लिए साइन किया गया है।इसमें पुलिस वेतन पैकेज में इन सभी का बीमा कवर होगा। इस एमओयू की जानकारी पुलिस मुख्यालय ने पुलिस की सभी इकाइयों को हाल ही में भेजी है। इसमें बताया गया है कि पुलिस सैलरी पैकेज में अब सामान की मृत्यु होने पर 10 लाख रुपए, व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु होने पर एक करोड रुपए, इसके साथ व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु पर, कन्या विवाह पर, एक कन्या के लिए 5 लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं इस मद में बाल शिक्षा का लाभ भी दिया जाएगा। जिसमें बेटे के लिए 8 लाख और बेटी के लिए 10 लाख रुपए का बीमा कवर होगा। वहीं दुर्घटना में स्थाई पूर्ण दिव्यांगता हुई तो 1 करोड़ रुपए और आशिक दिव्यंका के लिए 80 लख रुपए तक मिल सकेंगे।

अभी साढ़े सात लाख का मिलता है बीमा

अभी पुलिस अफसर रोड कर्मचारियों को सामान्य मृत्यु पर साढ़े सात लाख रुपए का बीमा मिलता है। वही व्यक्ति का दुर्घटना में 75 लाख रुपए का बीमा है। इसके साथ ही दुर्घटना मृत्यु बीमा पर अन्य सुविधाओं में कन्या विवाह के लिए 6 लाख और शिक्षा सहायता के लिए 6 लाख ही मिलते हैं। हवाई दुर्घटना पर एक करोड रुपए अभी मिलते हैं जबकि नए एमओयू के बाद अब हवाई दुर्घटना में मृत्यु होने पर नॉमिनी को एक करोड़ 60 लाख रुपए भी का बीमा मिलेगा।

कनाडा के लिए फर्जी वीजा के साथ दिल्ली एयरपोर्ट से एक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट थाने की पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर भोले-भाले लोगों से ठगी करने वाले एक हरियाणा-पंजाब के गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो महिला समेत कुल चार एजेंट को गिरफ्तार करने में कामयाब पाई है। इनकी पहचान हरियाणा के गौरव और पंजाब के नितिन शर्मा, सरबजीत कौर उर्फ सिमरनजीत कौर और गगनदीप उर्फ माही उर्फ जीत कौर के रूप में हुई है। इसके साथ ही पुलिस ने हरियाणा के रहने वाले कुलदीप को भी गिरफ्तार किया है जो फर्जी वीजा पर विदेश जाने की कोशिश कर रहा था। डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि 28 सितंबर को कुलदीप नाम का एक यात्री कनाडा जाने के लिए आईजीआई एयरपोर्ट के डिपार्चर इम्मीग्रेशन पर पहुंचा, जहां उसके ट्रैवेल डॉक्यूमेंट्स की स्क्रूटनी दौरान उसके पासपोर्ट पर कनाडा का फर्जी वीजा चिपका पाया गया। फर्जी वीजा पर यात्रा और इंडियन इम्मीग्रेशन के साथ चीटिंग के मामले में उसके खिलाफ दी गई शिकायत के आधार पर आईजीआई एयरपोर्ट थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। जिस पर पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर छानबीन शुरू की। पूछताछ में आरोपी यात्री ने बताया कि वह हरियाणा के जींद का रहने वाला है। उसका एक भाई कनाडा गया है, जहां वह बेहतर जिंदगी जी रहा है। इसलिए उसने भी कनाडा जाकर पैसे कमाने की योजना बनाई ताकि वह भी अच्छी जिंदगी जी सके। उसके इस प्रयास के दौरान उसकी मुलाकात एक एजेंट संदीप से हुई, जिसे उसके एक दोस्त ने उससे मिलवाया था। आरोपी एजेंट ने उसे 18 लाख रुपये में कनाडा भेजने और वहां जॉब दिलाने का भी भरोसा दिया। आरोपी यात्री ने आगे बताया कि उसने उक्त एजेंट को 5 लाख रुपये नकद बतौर अग्रिम भुगतान के रूप में दिए, जबकि बाकी के रकम को कनाडा पहुंचने के बाद देने की डील उनके बीच हुई थी।

अजित पवार ने जब महायुति में शामिल होने की बताई बात तो शरद पवार ने क्या कहा था? खुद किया खुलासा

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में राजनीतिक दलों के बीच सियासी हलचल तेज हो गई है. इसी बीच महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने एक बार फिर बहन (सुप्रिया सुले) के खिलाफ पत्नी (सुनेत्रा पवार) को चुनाव लड़ाने को लेकर अपनी गलती स्वीकार की है. उन्होंने बारामती में डॉक्टरों की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने पहले भी सुप्रिया सुले के खिलाफ अपनी पत्नी को उम्मीदवारी देने की गलती स्वीकार की थी और अब भी कर रहा हूं. इस दौरान अजित पवार ने अपने भाषण में कहा, मैंने शरद पवार को बताकर अपना राजनीतिक रुख अपनाया. मुझे कोई राजनीतिक भूमिका लेनी थी, मैंने साहब से कहकर वह भूमिका ले ली. साहब ने पहले हां कहा, फिर कहा मुझे नहीं लगता ये सही है. बेशक यह उनका अधिकार है, क्योंकि उनके नेतृत्व में हम सब आगे बढ़े, लेकिन जब यह सब हो रहा था तो आपको कभी परेशानी नहीं हुई, क्योंकि हम एक परिवार के रूप में एक थे. उनकी वजह से कोई दिक्कत नहीं हुई, लेकिन अब क्या दो पार्टियां बन गई हैं. बता दें उपमुख्यमंत्री अजित पवार आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे या नहीं? कहां से लड़ेंगे? इसको लेकर इस वक्त काफी चर्चा चल रही है. फिलहाल उन्होंने बारामती से चुनाव नहीं लड़ने का संकेत दिया था. ऐसी भी चर्चा थी कि वह शिरूर से चुनाव लड़ेंगे, लेकिन अब अजित पवार गुट के नेता प्रफुल्ल पटेल ने मंगलवार को इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया. पटेल ने कहा अजित पवार बारामती सीट से उम्मीदवार होंगे. महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव में बारामती सीट हॉट सीटों में से एक रही, क्योंकि चाचा-भतीजे (शरद पवार और अजित पवार) की लड़ाई के बाद पवार परिवार से ही ननंद-भाभी के बीच जंग देखने को मिली. सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार के बीच सियासी जंग में जीत शरद पवार की बेटी सुप्रिया की हुई. उन्होंने अजित पवार गुट की सुनेत्रा पवरा को डेढ़ लाख से ज्यादा मतों के अंतर से हराया. सुप्रिया सुले को कुल 7,32,312 वोट मिले तो वहीं सुनेत्रा पवार के खाते में 5,73,979 मत आए. जानकारी के लिए बता दें कि बारामती सीट शरद पवार का गढ़ रही है.

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 10 अक्टूबर- 2024

हार का ठीकरा ईवीएम पर!

राहुल गांधी ने कभी मोदी का इकबाल खत्म करने की बात कही थी लेकिन हरियाणा चुनाव ने साबित कर दिया कि वे इसमें सफल नहीं हो पाए हैं। इसलिए उनकी पार्टी अब संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को ध्वस्त करने पर तुली है। हरियाणा चुनाव में हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने और चुनाव आयोग पर हमले से तो यही मंशा जाहिर होती है। कांग्रेस उस ईवीएम पर सवाल उठा रही जो एक बार नहीं, कई बार अग्निपरीक्षा में पास हो चुकी है। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट से भी क्लीन चिट मिल चुकी है। चुनाव आयोग ने हैकिंग का ओपन चैलेंज तक दिया लेकिन तब कोई सामने नहीं आया। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव नतीजे आए। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस-नैशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन की जीत हुई तो हरियाणा में बीजेपी की। लेकिन दोनों परिणामों को लेकर कांग्रेस की प्रतिक्रिया में जमीन-आसमान का फर्क है। जहां जीते वहां तो लोकतंत्र की जीत। लेकिन जहां हार गए, उसे न स्वीकार करने का अहंकार दिखा रहे हैं। जीत गए तो ईवीएम ठीक, हार गए तो सारा दोष ईवीएम का। पहले काउंटिंग के आंकड़ों के कथित धीमे अपडेट का मुद्दा उठाया। रुझान निर्णायक मोड़ पर पहुंचा तो कांग्रेस ने ईवीएम पर ही सवाल उठाना शुरू कर दिया। कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मतगणना के वक्त कई ईवीएम में 99 प्रतिशत बैटरी चार्ज मिली। जिन ईवीएम की बैटरी 60-70 प्रतिशत चार्ज थीं वहां कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन का दावा किया। जहां 99 प्रतिशत बैटरी चार्ज थी वहां बीजेपी की जीत का दावा किया. लेकिन चुनाव आयोग ने आरोपों को सिरे से नकार दिया। हरियाणा में इस बार कांग्रेस के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। 90 विधानसभा सीटों वाले राज्य में 2019 में 31 सीट जीतने वाली कांग्रेस ने इस बार 37 सीटों पर जीत हासिल की। वोट शेयर में भी जबरदस्त इजाफा हुआ। पिछली बार कांग्रेस का वोटशेयर 28 प्रतिशत था तो इस बार 39 प्रतिशत यानी 11 प्रतिशत ज्यादा रहा। देखा जाए तो कांग्रेस या विपक्षी दल इससे पहले भी अपनी-अपनी सुविधा के हिसाब से ईवीएम पर हो-हल्ला मचाती रही हैं। ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल तो सबसे पहले बीजेपी ने ही उठाए थे। 2009 की हार के बाद लाल कृष्ण आडवाणी ने ईवीएम पर संदेह किया था। बीजेपी के एक और नेता जीवीएल नरसिम्हा राव ने तो बाकायदे किताब लिखकर ईवीएम पर संदेह जताया था। लेकिन ईवीएम बेदाग निकली। निहित स्वार्थ के तहत चुनाव आयोग और ईवीएम को लांछित करने की कोशिशों पर सुप्रीम कोर्ट एडीआर जैसे समूहों को लताड़ लगा चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईवीएम पर 8 बार परीक्षण किया गया और ये हर बार बेदाग निकली। अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कई राज्यों में ईवीएम में दर्ज वोट और वीवीपैट का मिलान हुआ। सब सही पाया गया और ईवीएम बेदाग साबित हुई। इसका इस्तेमाल चुनाव प्रक्रिया को आसान बनाने और बूथ कैप्चरिंग जैसे अपराधों पर लगाम लगाने के लिए किया गया। बैलट पेपर से चुनाव के वक्त अक्सर बैलट बॉक्स लूटे जाने, उनमें स्याही डालने, बूथ कैप्चरिंग जैसे अपराध सामने आते थे लेकिन ईवीएम का दौर आने से अब वे अतीत का हिस्सा बनकर रह गए हैं। पार्टियां अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़कर समर्थकों का जोश ठंडा होने से तो रोक लेंगे, लेकिन ऐसा करके वे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को बेवजह दागदार करने की कुत्सित कोशिश ही कर रहे होते हैं। संवैधानिक संस्थाओं को लांछित करने का ये खेल खतरनाक है।

एग्जिट पोल हुए धराशायी फिर से बीजेपी छाई

प्रियंका सौरभ

2019 की तरह हरियाणा में एग्जिट पोल फिर फेल। साल 2019 के हरियाणा चुनावों में एग्जिट पोल ने अनुमान लगाया था कि भाजपा को 61 सीटें मिलेंगी जबकि कुछ एग्जिट पोल में 75-80 सीटों जीतने का भी अनुमान लगाया गया था। हालांकि नतीजे बिल्कुल अलग आए। एग्जिट पोल्स के अनुमान में हरियाणा में कांग्रेस को भारी जीत बताई गई। हालांकि यह सारे अनुमान मंगलवार को धराशायी हो गए। हरियाणा में भाजपा बड़ी पार्टी बनकर उभरी। पूरे हरियाणा में मंगलवार को पहले 1 घंटे जलेबी बिकी और बाद में पूरा दिन पकौड़े बिके। दुकानदार के मजे ही मजे। ₹हरियाणा में₹ जबकि कांग्रेस के 90 में से 60 सीटें जीतने का दावा धराशायी हो गया। हरियाणा में भाजपा 90 में से 47 से ज्यादा सीटों पर बढ़त के साथ बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। हालांकि एग्जिट पोल के सभी अनुमान मंगलवार को विधानसभा चुनाव 2024 के रिजल्ट आने के बाद धराशायी हो गए। हम सभी एग्जिट पोल्स ने, जिन्होंने मतदान के बाद हरियाणा में कांग्रेस को बहुमत मिलना बताया था। आठ में से एक भी एग्जिट पोल की भविष्यवाणी सच साबित नहीं हुई है। सभी एग्जिट पोल्स में भाजपा पार्टी को 20 से 30 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था, जबकि कांग्रेस को पूर्ण बहुमत दिया गया था। इस साल के लोकसभा चुनाव में अधिकांश एग्जिट पोल ने भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बंपर जीत की भविष्यवाणी की थी। साथ ही अनुमान लगाया था कि भाजपा अकेले अपने दम पर बहुमत के आंकड़े से कहीं ज्यादा सीटें जीतेगी जिसमें एनडीए को 361 से 401 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था। हालांकि, एग्जिट पोल के परिणाम गलत साबित हुए। एनडीए को 293 सीटें मिलीं और भाजपा के खाते में 240 सीटें आईं।

आज से बीस दिन पहले मैंने अनुमान लगाया था कि हरियाणा में बीजेपी 47 से ज्यादा सीट्स लेगी और ये बिलकुल सच साबित हो रहा है। कारण बीजेपी ने हर वर्ग के लिए अपना शत प्रतिशत दिया। जनता को वो सब मिला जो जनता चाहती थी। कुछ कमियाँ थीं जो सैनी साहब ने आकर पूरी कर दीं। मुझे लगता है कि ये कमियाँ थोड़ा और पहले पूरी की होतीं तो बीजेपी और ज्यादा सीटों के साथ आती। खैर, विपक्ष भी जरूरी होता है लोकतंत्र में ताकि सत्ता की आंखें खुली रहें, वो धृतराष्ट्र न बन जाएँ। कांग्रेस ने दो दिन खूब खुशियाँ मनाई, किसने रोका था, मना भी लेनी चाहिए। लेकिन अतिआत्मविश्वास बहुत घातक होता है, जो कांग्रेस के सर चढ़कर बोला दो दिन। इनको क्या पता था कि बिस्मार्क को पटकनी देगी बीजेपी। शाह की चाल बड़ी शांत है, मगर विजेता जैसी है। कौटिल्य भी हरियाणा के परिणाम देखकर सोच रहे होंगे कि मैं क्या पढ़ना भूल गया। एग्जिट पोल ने जैसी हवा छोड़ी थी, वह बिलकुल उल्टा हुआ है। इसका मतलब मीडिया और उसकी एजेंसियाँ जनता के हित में काम क्यों नहीं कर रही या इनको केवल अपनी टीआरपी और विज्ञापनों से मतलब है। ये एक तरह से धंधा है, इनको ये सब अफवाह फैलाने का पैसा मिलता होगा। एग्जिट पोल वालों कभी तो सही पोल दिखाओ,कांग्रेस वालों को डर था कि लोकसभा वाले एग्जिट पोल की तरह ये भी झूठ ना हो और झूठा साबित हो गया।

हरियाणा हार के बाद कांग्रेस का कम होगा गठबंधन में बार्गिन पॉवर

अशोक भाटिया

किसी भी चुनाव में यदि दो दल एक दूसरे के सामने उतरते है तो यह निश्चित है कि एक की हार होगी तभी दूसरे दल की जीत होगी । यह बात सर्वविदित है । यही सब कुछ हुआ हरियाणा विधानसभा चुनाव में । चुनाव में भाजपा व इंडिया गठबंधन के घटक दल कांग्रेस का सीधा मुकाबला था । इसमें भाजपा की जीत हुई और कांग्रेस की हार । अब किसे तो हारना ही था । पर कांग्रेस की इस हार के साथ ही गठबंधन में जो उसका बार्गिन पॉवर था वो कम पड़ता दिख रहा है ।

उत्तरप्रदेश में अब राहुल गाँधी अपनी तेजी से उड़ती पतंग देख अपने सहयोगियों पर ही दबाव बनाने की कोशिश करने लगे थे । बताया जाता है कि असल में उत्तरप्रदेश में 10 सीटों पर विधानसभा उपचुनाव होना है। इसके लिए कांग्रेस 50-50 सीट शेयरिंग फॉर्मूला चाहती है यानी 5-5 सीटों पर दोनों दल लड़ें लेकिन अखिलेश यादव कांग्रेस को 2 से ज्यादा सीटें देने को तैयार ही नहीं हैं। माना जा रहा है कि अखिलेश यादव ,राहुल गांधी से हरियाणा और जम्मू कश्मीर का बदला लेने की तैयारी कर रहे हैं ।

समाजवादी पार्टी अपनी पार्टी का विस्तार करना चाहती है। इसी कोशिश में अखिलेश यादव ने हरियाणा और जम्मू कश्मीर में राहुल गांधी से सीट की मांग की थी। लेकिन राहुल गांधी ने समाजवादी पार्टी हरियाणा और जम्मू कश्मीर में एक भी सीट नहीं दी। जिसके बाद मजबूरी में अखिलेश यादव ने जम्मू कश्मीर में अपने दम पर उम्मीदवार उतारे।

राहुल गांधी से मिला ये धोखा अखिलेश शायद ही भूले होंगे और हरियाणा में इस मार के बाद हो सकता है कि उत्तरप्रदेश के उपचुनाव में कांग्रेस को यही सबक सिखाना चाहते हैं। वहीं भाजपा अखिलेश और राहुल की कथित दोस्ती पर कटाक्ष कर रही है। वैसे कांग्रेस ने भी अखिलेश यादव पर दबाव बनाने की रणनीति भी तैयार कर ली है। उत्तरप्रदेश में कांग्रेस ने उन सभी 10 सीटों पर प्रभारी और पर्यवेक्षकों की तैनाती कर दी है, जहां-जहां उपचुनाव होने वाले हैं। कांग्रेस ने 10 सीटों के लिए प्रत्याशियों के आवेदन मंगाने भी शुरू कर दिए हैं। इसके जरिए कांग्रेस ने अखिलेश तक ये संदेश पहुंचाने की कोशिश की है कि वो 10 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। लोकसभा चुनाव में अखिलेश ने कांग्रेस को 17 सीटें दी थीं, जिसमें कांग्रेस 6 पर जीती थी। इसके बाद कहीं न कहीं अखिलेश यादव के कारण ही यूपी में अस्तित्व खोने की कगार पर खड़ी कांग्रेस पार्टी को संजीवनी मिली थी। अब विधानसभा उपचुनाव में भी कांग्रेस, अखिलेश यादव से उसी दरियादिली की उम्मीद जता रही है। साथ ही साथ उन्हें अकेले उपचुनाव लड़ने का तेवर भी दिखने लगी है। अब लगता है उसके यह तेवर नरम पड़ जाएंगे ।

इस चुनाव परिणाम के बाद इंडिया गठबंधन का अन्य राज्यों में यह सवाल दूसरे जोर पकड़ रहा है । इसका तुरंत असर महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के अलावा उपचुनाव पर भी दिख सकता है। इस परिणाम ने सहयोगी दलों के इस अपरोक्ष आरोप को सही साबित किया कि अब भी कांग्रेस को भाजपा से मुकाबले के लिए क्षेत्रीय दलों के सहयोग की जरूरत है। साथ ही जब भी कांग्रेस अकेले भाजपा के सामने आती है वह कमजोर साबित हो जाती है। हरियाणा में चुनाव कांग्रेस हार गईस जहां वहां अकेले दम मैदान में थी। जम्मू-कश्मीर में जब नैशनल कॉन्फ्रेंस ने गठबंधन को लीड किया तो गठबंधन को जीत मिली।

गौरतलब है कि 2014 से यह ट्रेंड लगातार जारी है, लेकिन 2023 दिसंबर में इस पर गंभीर बहस हुई थी । कांग्रेस ने अति आत्मविश्वास में मध्य प्रदेश में किसी भी सहयोगी दलों को न सिर्फ सीट देने से इनकार किया बल्कि पार्टी के सीएम उम्मीदवार कमलनाथ ने समाजवादी प्रमुख अखिलेश यादव के लिए उन्हें छोटा नेता बताते हुए टिप्पणी भी की थी। ऐसा तब हुआ था जब सभी विपक्षी दलों ने भाजपा से मुकाबले के लिए इंडिया गठबंधन बनाया गया था। उसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल ने अपने ही सहयोगी दलों पर प्रतिकूल टिप्पणी की। नतीजा आया तब दोनों राज्य कांग्रेस हार गई। इसके बाद कांग्रेस ने अचानक डैमेज कंट्रोल करने की पहल भी की थी पर बाद में वाही ढ़ाक के तीन पात । फिर आम चुनाव में जद्दोजहद के बाद अंततः कांग्रेस गठबंधन करने में सफल रही। अगर आंकड़ों की बात की जाए तो आम चुनाव में भले कांग्रेस ने अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन उसे उन्हीं राज्यों में अधिक सफलता मिली जहां उसके साथ दूसरे क्षेत्रीय दलों का मजबूत साथ था। मसलन, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी तो महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्धव ठाकरे का साथ। परिणाम के तुरंत बाद जब हरियाणा चुनाव की बारी आई तो कांग्रेस अकेले लड़ी और आप या समाजवादी पार्टी को एक भी सीट नहीं दी। हालांकि, उनके साथ सीटों पर चर्चा हुई थी। इस पर क्षेत्रीय दल के एक सीनियर नेता ने कहा कि अगर कांग्रेस वास्तविकता को नहीं समझेगी तो पार्टी को हाल में मिली यह बढ़त गंवानी पड़ सकती है।

अधिकतर क्षेत्रीय दल अभी मानते हैं कि वे कितना भी एकजुट हो जाएं, अगर कांग्रेस ने अपनी स्थिति नहीं सुधारी तो इस लड़ाई का मतलब नहीं। इसके पीछे उनका तर्क है कि 2019 आम चुनाव में लगभग 225 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस-भाजपा का सीधा मुकाबला हुआ जिनमें 200 से अधिक सीटें भाजपा ने जीतीं। 2024 आम चुनाव में भी भाजपा ने अधिकतर सीटें कांग्रेस के साथ सीधे मुकाबले में जीतीं। विधानसभा चुनाव में भी हाल के वर्षों में बहुत कम ऐसे चुनाव हुए हैं जहां कांग्रेस ने भाजपा से सत्ता छीनी हो। ऐसा पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश में हुआ था, लेकिन हारी हुई राज्यों की लिस्ट लंबी है। मंगलवार को आए परिणाम के बाद अब क्षेत्रीय दलों का दबाव कांग्रेस पर बढ़ेगा इसमे कोई शक नहीं है । गठबंधन में शामिल कई दल बीते दिनों आरोप लगा चुके हैं कि कांग्रेस इसमें मनमानी कर रही है और उनके स्पेस को स्वीकार नहीं कर रही है।

मंगलवार को इंडिया गठबंधन के अपने सहयोगी दलों से महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में अगले दौर के विधानसभा चुनाव से पहले अपनी चुनावी रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए कुछ सलाह मिली। आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि चुनाव परिणामों का सबसे बड़ा सबक यह है कि चुनाव में कभी भी अति आत्मविश्वासी नहीं होना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि देखिए, हरियाणा में चुनाव के नतीजे क्या कहते हैं। सबसे बड़ा सबक यही है कि किसी को भी चुनाव में अति आत्मविश्वासी नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी चुनाव को हल्के में नहीं लेना चाहिए। हर चुनाव और हर सीट मुश्किल होती है। हरियाणा में सीट बंटवारे को लेकर मतभेद के कारण आप कांग्रेस के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन करने में विफल रही थी। उसका नतीजा यह है । यदि समाजवादी व आप पार्टी भी साथ होती और उसके वोट भी कांग्रेस के साथ जुड़ते तो परिणाम अलग होते । बता दें कि हरियाणा में सीट बंटवारे को लेकर मतभेद के कारण आम आदमी पार्टी, कांग्रेस के साथ चुनाव से पहले गठबंधन करने में विफल रही थी। हालांकि शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि हरियाणा चुनाव के नतीजों का महाराष्ट्र में कोई असर नहीं पड़ेगा, जहां अगले महीने चुनाव होने की संभावना है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस को अपनी चुनावी रणनीति पर फिर से विचार करना चाहिए, क्योंकि हरियाणा में भाजपा के खिलाफ सीधी लड़ाई में कांग्रेस उम्मीदों से कमतर प्रदर्शन कर सकी।

स्वतंत्रता को बल देती सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा है कि पत्रकारों के विरुद्ध सिर्फ इसलिए आपराधिक मामला नहीं दर्ज किया जाना चाहिए क्योंकि उनके लेखन को सरकार की आलोचना के रूप में देखा जाता है। जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किया जाना चाहिए और संविधान के अनुच्छेद-19(1)(ए) के तहत पत्रकारों के अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है। यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये जहां राहतकारी है, वही पत्रकारिता को अधिक निडर, निर्भीक एवं बेवाक तरीके से अपना धर्म को निभाने को प्रेरित करती है।

असल में विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर आलोचनात्मक होने पर पत्रकार दमन का शिकार बने हैं। कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई। कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा-कदा आती रहती हैं। यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं। हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं। ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है। निश्चित तौर पर ऐसे कदम पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं। निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है जो राजनीतिक दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के शिकार बने हैं। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक जरूरत है।

आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता। ऐसे में पत्रकार विभिन्न संकटों को झेलते हुए हमारे लिए एक खबर वाहक का काम करते हैं। पत्रकार केवल खबरें पहुंचाने का ही माध्यम नहीं है बल्कि यह नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन एवं शासन-प्रशासन के प्रति जागरूक करने का भी सशक्त माध्यम है। पत्रकार देश की राजनीति, सरकारों और उसके लिए आवश्यक सदाचार का माध्यम रही है। हिंसा, विपत्तियां और भ्रष्टाचार को लेकर भी अनेक पक्ष उसने समय-समय पर प्रस्तुत किये हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में एक पत्रकार के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की सुनवाई के दौरान की, उसने लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किये जाने की बात कहकर पत्रकारों को अधिक प्रखर, निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण होकर अपना धर्म निभाने का रास्ता साफ किया है। देखना है कि अदालत के इस फैसले का सरकारों एवं राजनीतिक दलों पर कितना असर होता है? अक्सर नेता, अधिकारी एवं मंत्री आलोचना बर्दाश्त न करके मीडियाकर्मियों के खिलाफ आक्रामक हो जाते हैं। अक्सर वे अपनी ताकत का इस्तेमाल करते हुए पत्रकारों को दबाने एवं अपनी शर्तों पर पत्रकारिता कराने को बाध्य करते हैं। लोकसभा चुनाव के बाद ऐसी ही आक्रामकता राहुल गांधी में देखने को मिली जब उन्होंने प्रेस वार्ता में एक महिला पत्रकार को बेहूदे तरीके से किसी पार्टी विशेष की पक्षधर होने का आरोप लगाया, इसी तरह अखिलेश यादव ने भी एक पत्रकार को भला- बुरा कहा। ये दृश्य समूचे देश ने देखें।

यह एक स्वस्थ, आदर्श एवं जागरूक लोकतंत्र राष्ट्र के लिये अच्छा है कि अदालतें समय-समय पर अभिव्यक्ति की आजादी को संबल प्रदान करते हुए निर्भीक एवं स्वतंत्र पत्रकारिता को बल देती रही है लेकिन विडंबना है कि आजादी के सात दशक बाद भी हमारे राजनेता एवं सरकारें रह-रहकर पत्रकारों को डराने-धमकाने से बाज नहीं आते। हम देश में आम जनमानस को भी इतना जागरूक एवं सतर्क नहीं कर पाये कि वे अपने निष्पक्ष सूचना पाने के अधिकार के प्रति जागरूक हो सकें। यही वजह है कि सच्चाई से पर्दा उठाने की कोशिश में वह निर्भीक पत्रकार के बचाव में खड़े नजर नहीं आते। वे ध्यान नहीं रखते कि उनके हित से जुड़ा कुछ सच सत्ताधीश छुपाना चाहते हैं। गलत नीतियां एवं भ्रष्टाचार इसीलिये पनपता है। राजनेता सत्ता की सुविधा के लिये मनमाफिक प्रचार तो चाहते हैं, लेकिन अपने दागों, भ्रष्ट आचरण एवं गलत नीतियों से जुड़े सच को सात पर्दों में रखना चाहते हैं।

निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक पत्रकार एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। यही कारण है कि पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।' उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए प्रेस को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं, अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा।

पत्रकार कई संकटों का सामना कर रहे हैं- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच पत्रकार की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके मीडिया की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं। कभी-कभी भारत में प्रेस की स्वतंत्रता पर सख्त पहरे जैसा भी प्रतीत होता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है जबकि बड़ी सचाई है कि इन्हीं पत्रकारों के बल पर हमें आजादी मिली है।

देश में आजादी के बाद भी बड़े राजनेता मीडिया द्वारा किसी नीति या फैसले के खिलाफ की गई आलोचना को सहजता से लेते थे हालांकि आलोचना का अर्थ हर समय निंदा करना नहीं होता। किसी भी मुद्दे के पक्ष और विपक्ष का तार्किक विश्लेषण करना होता है। पत्रकारिता यही करती है। वह लोकहित में सरकार को कदम उठाने का रास्ता सुझाती रहती है, इसीलिए उसकी विश्वसनीयता होती है मगर सरकारें जब उसके मूल स्वभाव को ही बदलने का प्रयास करती हैं तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रहार करती हैं। ऐसे में पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ न होकर प्रचारतंत्र में तब्दील होने लगती है। पत्रकारिता आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियों को दूर करने में मदद करती है। उसका लाभ उठाने के बजाय अगर उसका गला घोटने का प्रयास होगा, तो सही अर्थों में विकास का दावा नहीं किया जा सकता, नया भारत-सशक्त भारत निर्मित नहीं किया जा सकता। अगर कोई सरकार सचमुच उदारवादी और लोकतांत्रिक होगी, तो वह आलोचना से कुछ सीखने का प्रयास करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी एक आजाद एवं जीवंत प्रेस के प्रति हमारे अविश्वसनीय समर्थन को दोहराने की बात कही है जो लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।'

जलेबी की तरह गोल-मोल

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आजकल शहर में एक बड़ा बवाल मचा हुआ है, और यह बवाल किसी राजनैतिक मुद्दे का नहीं, बल्कि जलेबी का है। जी हां, जलेबी, जिसे देखकर हमारे मुंह में पानी आ जाता है, उस जलेबी पर अब बहस छिड़ गई है। लोग इस मिठाई को लेकर ऐसे भिड़ रहे हैं जैसे यह कोई राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा हो।

किसी जमाने में, जलेबी को केवल एक मिठाई समझा जाता था, लेकिन आजकल यह सामाजिक प्रतिष्ठा का एक प्रतीक बन गई है। 'मैंने जलेबी खाई है' कहने वाले लोगों की संख्या में अचानक इजाफा हो गया है। ऐसे लोग अब अपने ज्ञान और अनुभव का बखान करते हुए इसे एक उत्कृष्टता का प्रतीक मानने लगे हैं। जलेबी खाने का तरीका भी अब कला का विषय बन गया है। किसी ने जलेबी खाई, तो वह तात्कालिक तौर पर एक जलेबी विशेषज्ञ बन गया।इस पूरे मामले में सबसे मजेदार बात यह है कि जलेबी के प्रति लोगों की मोहब्बत केवल खाने तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि इसे फेसबुक पर पोस्ट करने, इंस्टाग्राम पर शेयर करने और ट्विटर पर ट्रेंड कराने की कला में भी बदल गई है। अब तो मानो जलेबी के बिना कोई भी महोत्सव अधूरा सा लगता है। जन्मदिन हो, शादी, या कोई अन्य समारोह, जलेबी का होना अनिवार्य हो गया है। जैसे ही कोई जलेबी की प्लेट परोसी जाती है, लोग उसे ऐसे देखने लगते हैं जैसे वह कोई अनमोल रत्न हो। लेकिन जलेबी का असली खेल तो तब शुरू होता है जब हम उसके फायदों के बारे में बात करते हैं। जलेबी के गुणों पर चर्चा करने वालों की कमी नहीं है। कोई कहता है, "जलेबी खाने से मानसिक तनाव दूर होता है।" तो कोई दूसरा दावा करता है, "यह शरीर को ताजगी देती है।" यानि जलेबी अब केवल एक मिठाई नहीं रही, बल्कि यह एक औषधि का काम करने लगी है। हरिशंकर परसाई की शैली में, यह कहना भी उचित होगा कि हमारे समाज में जलेबी के प्रति बढ़ती दीवानगी ने उसे एक धार्मिक स्वरूप दे दिया है। अब इसे सिर्फ खाया नहीं जाता, बल्कि इसके प्रति श्रद्धा भाव से जिया जाता है। लोग जलेबी की दुकान के सामने खड़े होकर ऐसे मस्त होकर तस्वीरें खिंचवाते हैं जैसे वे किसी तीर्थ स्थान पर खड़े हों।

गफलत और गुटबाजी में मारी गयी कांग्रेस

जयसिंह रावत

सूत न कपास और जुलाहों में लट्ठम लट्ठा कांग्रेस को 49-60 सीटें और भाजपा को 20-32 सीटें मिलने का अनुमान लगाया था। गत लोकसभा चुनाव में भी पोलस्टरों ने भाजपा को इसी तरह गफलत में रखा था। लोकसभा चुनावों से पहले, कम से कम 12 एग्जिट पोल ने भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की भारी जीत का पूर्वानुमान लगाया था जिसमें से कुछ ने गठबंधन को 400 सीटों का आंकड़ा पार करने का अनुमान लगाया था। हालांकि वास्तविक परिणाम काफी अलग निकले। एनडीए महज 293 सीटें हासिल कर पाया जो पूर्वानुमान से काफी कम थीं। विशेष रूप से, भाजपा केवल 240 सीटें जीतकर साधारण बहुमत से भी चूक गई। 2019 में उसके पास 303 सीटें थीं जो 63 सीटों की गिरावट थी। इसके विपरीत, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने 235 सीटें जीतीं। इस तरह एक्जिट पालों की विश्वसनीयता को फिर बट्टा लग गया।

लोकसभा चुनावों में शून्य से बढ़ कर भाजपा के बराबर 5 सीटें हथियाने से कांग्रेस हरियाणा में विधानसभा चुनाव में भी गदगद दिखाई दी। तब कांग्रेस के वोट शेयर में भी लगभग 15 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। चुनाव अभियान में कांग्रेस ने किसान, जवान (अग्निपथ) और पहलवान के मुद्दों पर अपना अभियान फोकस कर रखा था लेकिन आंतरिक मुद्दों को अनदेखा कर उसने भाजपा को जीतने में मदद कर दी हालाँकि, ये मुद्दे अधिकांश मतदाताओं को प्रभावित करने में विफल रहे और कांग्रेस के लिए वोटों में तब्दील नहीं हुए। एक दशक से सत्ता से दूर, कांग्रेस ने हरियाणा में अपनी जीत को दीवार पर लिखी इबारत समझ लिया था जिसे फर्जी ओपिनियन पोलों ने पुख्ता कर दिया। कांग्रेस का दृढ़ विश्वास था कि जीत निश्चित है। राज्य में गत लोकसभा चुनावों में भाजपा के खराब प्रदर्शन ने कांग्रेस की उम्मीदों को हवा दे दी थी हालांकि सच्चाई कांग्रेस और पोलस्टरों की धारणा से विपरीत निकली और भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में आ गयी। कांग्रेस के लिए यह एक बहुत बड़ा अवसर था जो उसने गंवा दिया। यह हार उसे महाराष्ट्र और झारखंड में आने वाले चुनावों में परेशान कर सकती है।कांग्रेस ने भाजपा से कुछ नहीं सीखा जबकि भाजपा को मिल रही सफलताओं से सीखने के लिये उसके पास काफी कुछ था।

नवरात्रि में मां दुर्गा को भूलकर भी न चढ़ाएं दूर्वा, क्यों है वर्जित

पूजा में दूर्वा का महत्व

आपने किसी भी पूजा, हवन या धार्मिक अनुष्ठान के दौरान सामग्री में विशेष तौर पर दुर्वा का इस्तेमाल देखा होगा क्योंकि, किसी भी देवी या देवता की पूजा से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है और बप्पा की पूजा के लिए दुर्वा को जरूर रखा जाता है। इसे पवित्रता और नवीकरण का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि, इससे नकारात्मक ऊर्जा और बाधाएं भी दूर होती हैं।

मां दुर्गा की पूजा में दुर्वा वर्जित क्यों ?

एक ओर जहां प्रथम पूज्य गणेश की पूजा में दुर्वा को मुख्य रूप से शामिल किया जाता है तो वहीं मां दुर्गा की पूजा में दुर्वा या घास को रखना वर्जित माना जाता है क्योंकि, दुर्वा मंगल ग्रह से संबंधित होती है, जो उग्र ऊर्जा के लिए जाना जाता है। जबकि मां दुर्गा पर कोई भी ऐसी चीज अर्पित नहीं की जाती है जो मंगल ग्रह की ऊर्जा से मेल खाती हो। इसलिए जब आप भवानी को दुर्वा अर्पित करते हैं तो वे आपसे रुष्ट हो सकती हैं और आपको पूजा का पूर्ण फल भी नहीं मिलता।

माता को दुर्वा ना चढ़ाने का यह कारण भीधार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां दुर्गा का स्वरूप सृजन, पालन और संहार की शक्ति को प्रदर्शित करता है। साथ ही उनकी पूजा में उपयोग होने वाली सामग्री दिव्य स्त्री शक्ति को दर्शाती है। जबकि, दूर्वा घास मंगल ग्रह की उग्र और पुरुषत्व को दर्शाती है, जो मां की सौम्यता और मातृत्व के विपरीत मानी जाती है। इसलिए जगदम्बा को दुर्वा चढ़ाने की मना ही होती है।

अष्टमी-नवमी को कन्या पूजन

शारदीय नवरात्रि के दौरान पूरे भारत के लोग पूजा-पाठ करते हैं। व्रत रख मां की अराधना की जाती है। माना जाता है कि नवरात्रि के व्रत और पूजा तब तक सफल नहीं होती है, जब तक कन्या पूजन न किया जाए। छठे नवरात्रि के बाद लोग कन्या पूजन शुरू कर देते हैं। इसी बारे में लोकल 18 ने बात की पंडित जी से और जानें सारे नियम।

नवरात्रि में नवमी तिथि का महत्व

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, मां दुर्गा स्वर्ग लोक से धरती लोक पर भक्तों का कल्याण करने के लिए आती हैं। नवरात्रि में नवमी तिथि का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा कन्याओं के रूप में की जाती है। हरिद्वार के विद्वान ज्योतिषाचार्य पंडित श्रीधर शास्त्री ने लोकल 18 को बताया कि नवमी के दिन देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा नौ कन्याओं के रूप में की जाती है, जिनकी उम्र 8 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

कन्या पूजन का शास्त्रीय महत्व

शास्त्रों के अनुसार, जो भक्त अष्टमी या नवमी के दिन 7 कन्याओं का पूजन करते हैं, उन्हें नवरात्रि का संपूर्ण फल प्राप्त नहीं होता। देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा जैसे 9 दिनों तक होती है, वैसे ही नवमी के दिन 9 कन्याओं का पूजन करना श्रेष्ठ माना जाता है। इस पूजा से देवी दुर्गा की कृपा प्राप्त होती है और भक्तों के जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

2024 में बन रहे हैं विशेष संयोग

साल 2024 में अष्टमी युक्त नवमी और नवमी युक्त दशमी का विशेष संयोग बन रहा है। नवमी तिथि 11 अक्टूबर 2024 को दोपहर से शुरू होगी और 12 अक्टूबर की सुबह 10:57 बजे समाप्त होगी। हिंदू धर्म में उदिया तिथि में ही पर्व मनाने से उसका संपूर्ण फल प्राप्त होता है। इस कारण, 2024 में नवमी पर कन्या पूजन के लिए 12 अक्टूबर की सुबह 10:57 बजे से पहले कन्याओं का पूजन करना श्रेष्ठ रहेगा। 10:58 बजे से दशमी तिथि प्रारंभ हो जाएगी।

इन तीन चीजों को देकर ही कन्या को करें विदा

अष्टमी या नवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद जब भी कन्या को विदा करें तो कुछ ना कुछ देकर ही विदा करनी चाहिए। जैसे...

चांदी का सिक्का :

कन्याओं को चांदी का सिक्का दें, जिसमें माता दुर्गा का चित्र अंकित हो। एक-एक सिक्का देकर उनको विदा करें। ऐसे में माता दुर्गा के साथ कुंवारी कन्या भी बेहद प्रसन्न होंगी।

लाल वस्त्र :

अष्टमी या नवमी तिथि में कुंवारी कन्या पूजन और भोजन के बाद उन्हें लाल वस्त्र जैसे लहंगा, साड़ी इत्यादि देकर ही विदा करें। ध्यान रहे कि उस वस्त्र में एक चुनरी अवश्य रखें। ऐसा करना शुभ माना जाता है और माता दुर्गा प्रसन्न होती है।

श्रृंगार का सामान :

श्रृंगार की वस्तुएं माता दुर्गा पर भी अर्पण होती हैं, इसलिए कुंवारी कन्या पूजन के बाद उन्हें श्रृंगार का सम्मान देकर ही विदा करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपके घर में कभी भी आर्थिक समस्या उत्पन्न नहीं होगी। हमेशा सुख समृद्धि की वृद्धि होगी। कन्याओं को अपने घर से विदा करते वक्त उनके पैर छूकर अवश्य आशीर्वाद लें, तभी पूजा सफल मानी जाती है।

दशहरे के दिन करें 5 शक्तिशाली उपाय

धन-लाभ के साथ दरिद्रता से मिलेगी मुक्ति

देशभर में मां दुर्गा के पवित्र दिनों की धूम मची है। नवरात्रि की दशमी के दिन दशहरा मनाया जाता है। इस साल दशहरा 12 अक्टूबर दिन शनिवार को मनाया जाएगा। यह पर्व असत्य पर सत्य की जीत के तौर पर मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर वर्ष यह आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि, इसी दिन भगवान राम ने रावण और माता दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था। इस तिथि को विजयादशमी के तौर पर भी मनाया जाता है।

मान्यता है कि दशहरा के शुभ दिन यदि आप कुछ उपाय कर लें तो वर्ष भर उसका प्रभाव आपको शुभ फल दे सकता है। दशहरे पर रोग, धन की कमी, दारिद्रता, कार्य में रुकावट और शनि की साढ़ेसाती व ढैय्या के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं।

दशहरे के दिन इन 5 उपायों के लाभ

रोग से मिलेगी मुक्ति: दशहरे के दिन रोग से मुक्ति पाने के लिए सुंदरकांड का पाठ करें। इसके अलावा, एक नारियल हाथ में रखकर हनुमान चालीसा का दोहा "नासे रोग हरे सब पीरा, जपत निरंतर हनुमान बीरा" पढ़कर रोगी के सिर के ऊपर से सात बार घुमाएं। इसके बाद नारियल को रावण दहन में फेंक दें। ऐसा करने से बीमारी से बचाव हो सकता है।

कार्यों में मिलेगी सफलता: कार्य में सफलता या समस्या से छुटकारा पाने के लिए दशहरे के दिन अपराजिता के पौधे की पूजा अवश्य करें। अपराजिता का फूल बाएं हाथ में ताबीज के रूप में बांध लें। हर कार्य मे सफलता मिलेगी।

धन-लाभ की होगी प्राप्ति: व्यापार-कारोबार में उन्नति पाने के लिए दशहरे के दिन पीले वस्त्र में नारियल, मिठाई, जनेऊ किसी ब्राह्मण को दान करें। इससे मंद पड़े व्यापार में फायदा पहुंचेगा और आर्थिक लाभ पहुंचेगा।

शनि की साढ़ेसाती से राहत: यदि आपकी कुंडली में शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या है तो इससे राहत पाने के लिए दशहरे के दिन शमी पेड़ के नीचे तिल तेल का 11 दीपक जलाएं और प्रार्थना करें। इससे शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के प्रभाव से राहत मिलेगी।

दरिद्रता होगी दूर: कहा जाता है कि, सबसे बड़ा दान गुप्त दान होता है। इसलिए दशहरे के दिन गुप्त तरीके से किसी ब्राह्मण या किसी असहाय को अन्न, वस्त्र या मूल्य दान करें। इससे दरिद्रता समाप्त हो जाएगी। साथ ही घर से कलह भी खत्म होगा।

नवरात्रि के आठवें दिन मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की उपासना की जाती है। माता के इस स्वरूप ने भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनका शरीर काला पड़ गया। प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें स्वीकार किया और उन पर गंगाजल डाला। इससे माता का शरीर कांतिवान और वर्ण गौर हो गया तब से उनका नाम गौरी हो गया।

स्वरूप

इनका वाहन वृषभ अर्थात बैल है। उनकी एक भुजा अभयमुद्रा में है, तो दूसरी भुजा में त्रिशूल है। तीसरी भुजा में डमरू है तो चौथी भुजा में वरमुद्रा में है। इनके वस्त्र भी सफेद रंग के हैं और सभी आभूषण भी श्वेत हैं।

महत्त्व

महागौरी की आराधना से सोमचक्रजाग्रत होता है। इससे असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। समस्त पापों का नाश होता है। सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। हर मनोकामना पूर्ण होती है।

॥स्तुति मंत्र॥

श्वेते वृषे समारूढा, श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यात्, महादेवप्रमोददाद।।
या देवी सर्वभूतेषु माँ गौरी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

(श्वेत वृषभ पर विराजमान, श्वेत वस्त्रों वाली, महादेव की प्रसन्नता के लिए सदैव ध्यानरत माँ गौरी को नमन)

भोग : माँ गौरी को नारियल का भोग लगाया जाता है, यह माता निःसंतानों की मनोकामना पूरी करती हैं

2000 साल पुराने दधिमती माता मंदिर के गुंबद पर हाथ से उकेरी गई थी रामायण

नागौर जिले में गोठ और मांगलोद गांव के बीच दाधीच ब्राह्मणों की कुलदेवी दधिमती माता का 2000 साल पुराना मंदिर है। दावा है, उत्तर भारत का यह सबसे प्राचीन मंदिर है। इसका निर्माण गुप्त संवत 289 को हुआ था। इसकी विशेषता यह है कि मंदिर के गुंबद पर हाथ से पूरी रामायण उकेरी गई है। गुंबद का निर्माण 1300 साल पहले हुआ था, जबकि मान्यता है कि मां का प्राकट्य दो हजार साल पहले हुआ था। यहां दाधीच समाज के लोग बच्चों के रिश्ते की बात पहले तय कर लेते हैं और नवरात्र में बच्चों को आपस में दिखाकर मां के समक्ष ही रिश्ता पक्का करते हैं। अष्टमी को यहां मेले का आयोजन होता है, जिसमें देशभर से लोग आते हैं। यहां राजा मान्धाता ने यज्ञ किया था किवदंती है कि यहां

अयोध्या के राजा मान्धाता ने यज्ञ किया था। इसके लिए चार हवन कुंड बनाए गए थे। राजा ने आह्वान करके चारों कुंडों में चार नदियों गंगा, यमुना, सरस्वती और नर्मदा का जल उत्पन्न किया था। इन कुडों के पानी का स्वाद अलग-अलग है।

दधिमती माता ऋषि दधीचि की बहन पुराणों के अनुसार, दधिमती माता ऋषि दधीचि की बहन हैं। इन्हें लक्ष्मी का अवतार भी माना जाता है। इस मंदिर को लेकर एक और मान्यता है कि कलयुग के बढ़ते प्रभाव से मंदिर का मुख्य स्तंभ सतह से चिपकता जा रहा है। मां दधिमती का जन्म माघ शुक्लपक्ष की सप्तमी यानी रथ सप्तमी को हुआ था। मां दधिमती ने दैत्य विताकासुर का वध भी किया था। एक हजार से अधिक श्रद्धालु दुर्गा सप्तशती पाठ करते हैं पंडित विष्णु शास्त्री बताते हैं कि नवरात्र में रोज एक हजार से अधिक श्रद्धालु दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हैं।

उनके रहने के लिए मंदिर में ही व्यवस्था की जाती है। परिसर में करीब 250 कमरे बनाए गए, जहां बाहर से आए श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था की जाती है। औरंगजेब ने किया था हमला, मधुमक्खियों ने किया नाकाम मंदिर कमेटी से जुड़े रिटायर्ड जिला जज संपतराज शर्मा ने बताया कि 'मुगल काल में औरंगजेब ने मंदिर पर हमला किया था। तब यहां गुंबद पर मौजूद मधुमक्खियों ने औरंगजेब की सेना पर हमला बोल दिया था, जिससे सैनिक वापस भाग गए।

ईडाणा माता मंदिर, उदयपुर

मेवाड़ के सबसे प्रमुख शक्ति पीठों में से एक ईडाणा माता मंदिर में खुश होने पर माता स्वयं ही अग्नि स्नान करती हैं। यह मंदिर उदयपुर शहर से 60 किमी दूर कुराबड-बम्बोरा मार्ग पर अरावली की विस्तृत पहाड़ियों के बीच स्थित है। ईडाणा माता राजपूत समुदाय, भील आदिवासी समुदाय सहित संपूर्ण मेवाड़ की आराध्य मां हैं।

ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण महाभारत काल में हुआ था। कई रहस्यों को अपने अंदर समेटे हुए इस मंदिर में नवरात्र के दौरान भक्तों की भीड़ होती है। ईडाणा माता का अग्नि स्नान देखने के लिए हर साल भारी संख्या में भक्त यहां पहुंचते हैं। अग्नि स्नान की एक झलक पाने के लिए भक्त घंटों इंतजार करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसी समय देवी का आशीर्वाद भक्तों को प्राप्त होता है। पुराने समय में ईडाणा माता को स्थानीय राजा अपनी कुलदेवी के रूप में पूजते हैं।

शिला माता मंदिर, जयपुर

राजस्थान का आमेर किला विश्व विरासत की सूची में शामिल है। आमेर की संरक्षक मानी जाने वाली देवी शिला माता मंदिर के लिए देश भर में प्रसिद्ध है। हिंदू देवी काली को समर्पित यह शिला देवी मंदिर आमेर किले के परिसर में ही स्थित है। कहा जाता है कि राजा मान सिंह काली माता के बहुत बड़े भक्त थे। वह इस मूर्ति को बंगाल से लेकर आए थे। पूरे मंदिर के निर्माण में सफेद संगमरमर का उपयोग किया गया है। इसे देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं।

आमेर में प्रतिष्ठापित शिला देवी की प्रतिमा के टेढ़ी गर्दन को लेकर भी एक किवदंती प्रचलित है। कहा जाता है की माता राजा मानसिंह से वार्तालाप करती थीं। यहां देवी को नर बलि दी जाती थी, लेकिन एक बार राजा मानसिंह ने माता से वार्तालाप के दौरान नरबलि की जगह पशु बलि देने की बात कही। इससे माता रुष्ट हो गईं। गुस्से से उन्होंने अपनी गर्दन मानसिंह की ओर से दूसरी ओर मोड़ ली। तभी से इस प्रतिमा की गर्दन टेढ़ी है। माता के गर्दन के ऊपर पंचलोकपाल बना हुआ है, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश और कार्तिकेय के छोटी-छोटी प्रतिमा बनी हुई है।

विलेन बनने का सपना देखता था ये हीरो, लीड रोल में हुआ फ्लॉप, 375 करोड़ी फिल्म में बना 'रावण'

कोई भी एक्टर अपने फिल्मी करियर में कैसे आगे बढ़ता है, यह काफी हद तक उसकी स्टार पावर और लोगों को थिएटर तक खींचने की उसकी क्षमता पर निर्भर करता है. पहले, यह मुख्य रूप से बॉक्स ऑफिस पर किसी एक्टर की सफलता और विफलता पर निर्भर करता था. लेकिन सोशल मीडिया के आने के बाद, ये बदल गया है. बॉलीवुड का वो एक्टर जिसने अपने बॉलीवुड करियर को 12 सालों में सिर्फ एक हिट और एक सुपरहिट दी. फिल्ममेकर्स ने बार-बार भरोसा दिखाकर फिल्म का लीड हीरो बनाया. लेकिन, हर बार ये एक्टर फ्लॉप साबित हुआ. अब ये एक्टर 375 करोड़ी फिल्म में नजर आने वाला है, वो सपना लेकर जो वो बचपन से देखा करता था. ये सपना फिल्म का हीरो नहीं विलेन बनने का था, जो अब पूरी हो रहा है.

अर्जुन कपूर का करियर पिछले कुछ समय से उतना अच्छा नहीं रहा है,जितना वह चाहते थे. वह एक प्रतिष्ठित फिल्मी परिवार से आते हैं, फिल्म निर्माता बोनी कपूर उनके पिता और अनिल और संजय कपूर उनके चाचा हैं. लेकिन अच्छी शुरुआत के बावजूद अर्जुन अपने करियर को आगे बढ़ने में नाकाम रहे.

उनकी पहली फिल्म इशकज़ादे एक आश्चर्यजनक हिट थी. दो साल बाद, उन्होंने अपने करियर की एकमात्र सुपरहिट फिल्म 2 स्टेट्स में अभिनय किया. लेकिन तब से, चीजे केवल नीचे की ओर ही गिरी हैं.

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर आगामी फिल्म 'सिंघम अगेन' में ग्रे शेड किरदार निभाने को लेकर बेहद रोमांचित हैं. उन्होंने कहा कि वह फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं। दिल से वह अब भी वही युवा हैं, जो इस तरह की फिल्मों में काम करने का सपना देखा करते थे.

अर्जुन ने कहा कि सिंघम अगेन जैसी प्रतिष्ठित फिल्म का हिस्सा बनना वाकई सम्मान की बात है. बचपन से ही मैं हमेशा रोहित सर के काम की दूर से ही प्रशंसा करता रहा हूं, चाहे वह गोलमाल, सिंघम या उनकी अन्य फिल्में की क्यों न हों.

उन्होंने कहा कि वह इस अवसर के लिए वास्तव में अविश्वसनीय रूप से आभारी हैं. अपने रोल के बारे में बात करते हुए अर्जुन ने कहा कि मैं इस फिल्म में खलनायक हो सकता हूं. मैं इसमें खतरनाक भूमिका निभा सकता हूं. मैं अभी भी वह युवा लड़का हूं, जिसे सिनेमा से प्यार हो गया था, जो इस तरह की फिल्मों का हिस्सा बनने का सपना देखता था.

'सिंघम अगेन' की शूटिंग मुंबई, हैदराबाद, कश्मीर और श्रीलंका में हुई है. इसे इस साल दिवाली पर रिलीज किया जाना है. इसमें अजय देवगन, करीना कपूर, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ जैसे हिंदी सिनेमा के बड़े सितारे शामिल हैं. 'सिंघम अगेन' 'सिंघम रिटर्न्स' का सीक्वल है.

917 करोड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म की एक्ट्रेस, अपने ही रोल से हो गई थी परेशान, 3 दिन तक रोते-रोते हुआ बुरा हाल

तृप्ति डिमरी ने सनी देओल और बॉबी देओल के साथ साल 2017 में फिल्म पोस्टर बॉयज से बॉलीवुड डेब्यू किया था. उन्होंने 'कला', 'बुलबुल', 'लैला मजनू' जैसी कई फिल्मों में काम कर इंडस्ट्री में अलग पहचान जरूर हासिल की, लेकिन उन्हें असली स्टारडम पिछले साल आई फिल्म 'एनिमल' से ही मिला. तृप्ति डिमरी ने अपने हालिया इंटरव्यू में बताया कि रणबीर कपूर स्टारर 'एनिमल' में अपने रोल की वजह से वो फूट-फूटकर रोई थीं.

बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी ने इंडस्ट्री में अपने शुरुआती सफर, संघर्ष और स्टारडम के बारे में बात की. उन्होंने बताया कि 'एनिमल' में उनके रोल के बाद उन्हें खूब आलोचना झेलनी पड़ी थी जिसका उनकी मेंटल हेल्थ पर काफी असर पड़ा था. फिल्म के बाद वो इस आलोचना के लिए मानसिक तौर पर तैयार नहीं थीं.

बहन ने बढ़ाया मनोबल

वो कहती हैं कि वो 2-3 दिन तक बहुत रोती थीं. उनका दिमाग खराब हो गया था कि लोग क्या लिख रहे हैं. उन्होंने बताया कि उनकी बहन ने इन सब चीजों से निकलने में उनकी मदद की. वह कहती हैं कि उनकी बहन ने उनसे कहा, 'तुमने यहां तक पहुंचने के लिए जो मेहनत की है वो सिर्फ और सिर्फ तुम ही जानती हो और कोई नहीं जानता है'.

3 दिन तक खूब रोईं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस के मुताबिक इन सभी बातों से प्रेरित होकर उन्होंने नेगेटिव कमेंट्स पर ध्यान देना बंद कर दिया और वह अपने काम पर फोकस करने लगीं. वो कहती हैं कि अपने शरीर और दिमाग को सदमे से निकलने के लिए रोना बहुत जरूरी है. इसलिए वो 3 दिन तक फूट-फूटकर रोई थीं. एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें 'एनिमल' से पहले कभी आलोचना का सामना नहीं करना पड़ा था.

असली स्टारडम फिल्म 'एनिमल' से मिला

शायद मेनस्ट्रीम फिल्मों में काम करने का यही नुकसान होता है.

भाभी ऐश्वर्या राय को ननद श्वेता बच्चन की सलाह की जरूरत नहीं, वह पर्फेक्ट है

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन अपनी शादी को लेकर पिछले लंबे वक्त से चर्चा का विषय बने हुए हैं। खबर तो यह भी आई थी कि दोनों अलग होने वाले हैं और अभी तक दोनों ने ही इस पर कोई भी बात नहीं की है। पूरा बच्चन परिवार भी इसको लेकर चुप है। लेकिन अब श्वेता बच्चन और जया बच्चन का एक थ्रोबैक वीडियो वायरल हो रहा है।

इस वीडियो में श्वेता, अपनी भाभी ऐश्वर्या को शादी को लेकर सलाह देती हुई नजर आई। इस दौरान जया बच्चन भी अपनी बेटी की बात से सहमत दिखाई दी। दरअसल यह है वायरल हो रहा वीडियो करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण के दौरान का है। ये वो समय है जब अभिषेक और ऐश्वर्या की शादी भी नहीं हुई थी।

रैपिड फायर राउंड में करण जौहर ने सवाल किया कि आप ऐश्वर्या को शादी की क्या सलाह देना चाहती है। तब श्वेता बच्चन ने जवाब देते हुए कहा कि ऐश्वर्या को शादी की कोई सलाह की आवश्यकता नहीं है और वह पर्फेक्ट है। मुझे ऐसा नहीं लगता है कि हमें उनका कोई सलाह देने की जरूरत है। उनमें बहुत पेशेंस भी है और वह उसे वास्तव में अच्छा महसूस कराएगा।

श्वेता बच्चन ने आगे कहा कि वह ठीक है और उनको किसी भी सलाह की जरूरत नहीं। बाद में श्वेता के बोलने के बाद जया बच्चन ने भी कहा कि उनको इस तरीके का प्रेम पूर्वक और डिग्निफाइड रहना चाहिए जैसी कि वह अभी है। बता दें कि अभिषेक और ऐश्वर्या की 2007 में शादी हुई थी। दोनों साथ में कहीं फिल्मों में काम भी कर चुके हैं।

सेट पर तैयार होने में सबसे ज्यादा समय लगाती हैं किंग खान की लाडली सुहाना : वेदांग रैना

'द आर्चीज' में अपने अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन करने वाले अभिनेता वेदांग रैना अपनी दूसरी फिल्म 'जिगरा' की रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस फिल्म में वह आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए नजर आएंगे। हालांकि, अभिनेता खुशी कपूर के साथ अपनी डेटिंग की खबरों को लेकर भी काफी सुर्खियां बटोरते हैं। अब हाल ही में, वेदांग रैना ने शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान को लेकर कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है।

सुहाना की इस खासियत को पसंद करते हैं वेदांग

हाल ही में, एक साक्षात्कार में वेदांग रैना से पूछा गया कि उन्हें सुहाना खान के बारे कौन सी बात सबसे ज्यादा पसंद है। इस पर अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा, मुझे उनके बारे में एक बात बहुत अच्छी लगती है कि वह अपने आस-पास के लोगों के साथ बहुत अच्छे से पेश आती हैं।

सेट पर लगाती हैं सबसे ज्यादा समय

इसके अलावा आगे जब वेदांग से यह पूछा गया कि वह कौन सी चीज है, जो उन्हें सुहाना की बिल्कुल भी पसंद नहीं आती है। इस पर अभिनेता ने कहा, ₹वह सेट पर तैयार होने में सबसे ज्यादा समय लगाती थी। लोग 15 मिनट में तैयार हो जाते थे और फिर वे सुहाना के लिए 40 मिनट तक इंतजार करते थे। और कई बार, जब हम टेक्स ले रहे होते थे, तो हमें उसके बालों और मेकअप टीम बार बार परेशान करती हैं।

आलिया के साथ स्क्रीन साझा करेंगे वेदांग

वेदांग ने कहा कि वे हमें शॉट्स के बीच में रोकते थे और कहते थे कि उनके बाल जगह से बाहर हैं'। वेदांग ने तुरंत अपनी बात साफ करते हुए कहा, यह सुहाना की गलती नहीं थी, यह फिल्म की जरूरत थी।

बात करें फिल्म की कहानी की तो 'जिगरा' भाई-बहन के भावनात्मक रिश्ते की कहानी बयां करती है। फिल्म की पटकथा वासन ने देबाशीष इरेंगबाम के साथ मिलकर लिखी है।

'मैं उन्हें क्यों याद करूं', सलमान खान के नाम पर रुमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर ने क्यों कही ऐसी बात?

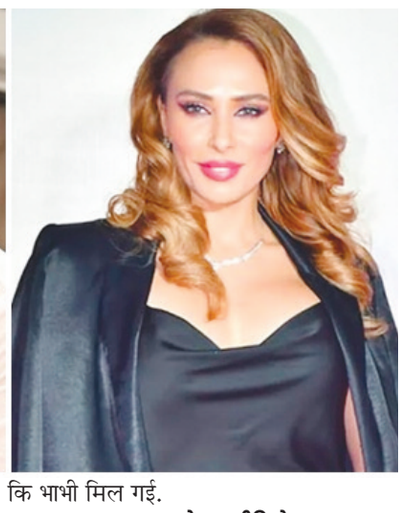

बॉलीवुड के गलियारों में सलमान खान के अफेयर की खबरें अक्सर छाई रहती हैं. बीते काफी समय से अटकलें लगाई जा रही हैं कि एक्टर यूलिया वंतूर को डेट कर रहे हैं. इन दोनों ने अपने रिलेशनशिप की इन खबरों पर कभी कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है, लेकिन उन्हें अक्सर कई मौकों पर साथ देखा गया है. यूलिया वंतूर बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान के साथ ही उनके परिवार के भी काफी क्लोज हैं.

यूलिया को पिछले महीने आयोजित हुए आईफा अवॉर्ड्स में देखा गया था. अवॉर्ड फंक्शन के रेड कार्पेट पर शिरकत करने के दौरान उनसे उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड सलमान खान के बारे में सवाल पूछा गया जिसपर उन्होंने ऐसा रिएक्शन दिया जिसे देख फैंस कह रहे हैं कि भाभी मिल गई.

वायरल हो रहा वीडियो

दरअसल, यूलिया वंतूर से पूछा गया कि क्या वो सलमान खान को मिस कर रही हैं. इसपर वो कहती हैं, 'वो मेरे दिल में हैं. मैं उन्हें क्यों मिस करूंगी'. उनका ये वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है.

इस साल की शुरुआत में यूलिया वंतूर की बर्थडे पार्टी ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं. वो सलमान खान और उनके परिवार के साथ नजदीकियों की वजह से अक्सर खबरों में बनी रहती हैं. इस पार्टी से उनकी एक फोटो काफी वायरल हुई थी जिसमें वो सलमान खान के साथ दिखी थी. ये फोटो सोशल मीडिया पर काफी समय तक चर्चा का विषय बनी हुई थी.

'खो गए हम कहां' की सीक्वल से जुड़ीं अलाया एफ अनन्या पांडे-सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ करेंगी धमाल

अलाया एफ ने स्क्रीन पर कई भूमिकाएं निभाई हैं और बेहतरीन प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीता है। अभिनेत्री ने फिल्म 'जवानी जानेमन' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया और 'फ्रेडी', 'बड़े मियां छोटे मियां' और 'श्रीकांत' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय किया। प्रशंसक, अलाया की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच अभिनेत्री के वर्कफ्रंट पर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

फिल्म 'खो गए हम कहां' की सीक्वल में अलाया एफ की संभावित भागीदारी के बारे में अटकलें तेज हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 'अलाया एफ खो गए हम कहां के सीक्वल में नजर आएंगी। अगली कड़ी में वह सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या पांडे और आदर्श गौरव के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।' हालांकि, अब तक इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

अर्जुन वरैन सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म 'खो गए हम कहां' में सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या पांडे और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म तीन दोस्तों की कहानी है जो सोशल मीडिया के दबाव के बावजूद अपने लक्ष्य और रिश्तों को आगे बढ़ाते हैं। 'खो गए हम कहां' में कल्कि केकलां, आन्या सिंह और रोहन गुरबक्सानी भी सहायक भूमिकाओं में हैं। अलाया एफ ने एक हालिया इंटरव्यू में करियर पर चर्चा की और विश्वसनीय व्यक्तियों से ईमानदार प्रतिक्रिया प्राप्त करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'ऐसे लोगों से राय लेना जो न सिर्फ आपसे मीठी-मीठी बातें करेंगे बल्कि आपका मार्गदर्शन भी करेंगे, मेरे लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है।'

इस साल, अलाया एफ ने दो बैक-टू-बैक शानदार प्रदर्शन दिए। अभिनेत्री ने 'बड़े मियां छोटे मियां' में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया और 'श्रीकांत' में राजकुमार राव के साथ दिखाई दीं। इन प्रभावशाली प्रदर्शनों के साथ, अलाया एफ ने निश्चित रूप से अपनी आगामी फिल्मों के बारे में प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है।

एकता कपूर ने मीडिया के सामने किया रवीना टंडन को इग्नोर? बुरी तरह से भड़क गए लोग!

अक्सर देखा जाता है कि कुछ सितारे कई बार ऐसी हरकतें कर देते हैं जो कि हैरान करने वाली होती हैं। इस वक्त एकता कपूर का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वो रवीना टंडन तो इग्नोर करती हुई नजर आ रही हैं।

इस वीडियो ने लोगों का गुस्सा भड़का दिया और वो एकता कपूर को काफी खरी खोटी सुना रहे हैं। वीडियो में आप देखेंगे कि रवीना टंडन मीडिया के सामने पोज दे रही हैं और उनके आगे से एकता कपूर निकलती हैं।

इस दौरान वो रवीना टंडन की तरफ पलटकर भी नहीं देखती हैं। एकता आगे जाती हैं जहां उनको अभय देओल मिलते हैं, दोनों एक दूसरे को ग्रीट करते हैं और तस्वी क्लिक करवाने के लिए आगे आते हैं। इस बीच रवीना टंडन खुद एकता कपूर का रास्ता रोकती हैं। लेकिन एकता कपूर उनकी तरफ देखती भी नहीं है और बॉडी लैंग्वेज काफी हैरान करने वाली होती है।

लोग सुना रहे हैं खरी खोटी

एकता कपूर बुरी तरह से ट्रोल हो रही हैं। एक ने लिखा है, "एकता कौन है...रवीना बहुत खूबसूरत है।" एक ने लिखा, "एकता कपूर की हैसियत क्या है रवीना टंडन के आगे।" एक ने लिखा, "इग्नोर का मतलब है जलन।" एक ने लिखा, "इस शूट से पहले वे एक-दूसरे से मिले थे।" एक ने लिखा, "जी हां एकता रवीना को इग्नोर कर रही हैं और रवीना अभय को इग्नोर कर रही है।" एक ने लिखा, "कम से कम अब उसने अपने दाँत तो ठीक कर लिये।" एक ने लिखा, "अगर 90 के दशक की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक को इस तरह से नजरअंदाज किया जाता है तो यह पागलपन है।" इस तरह से लोग लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। हालांकि ना तो रवीना टंडन और ना ही एकता कपूर.. किसी का भी रिएक्शन इस वीडियो पर नहीं आया है।

करीना ने किया बहन करिश्मा के पहले क्रश का खुलासा

बॉलीवुड की चर्चित और खूबसूरत बहनें करिश्मा कपूर और करीना कपूर खान 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' सीजन 2 के अगले एपिसोड में शिरकत करती नजर आएंगी। प्रोमो देख साफ हो रहा है कि करिश्मा-करीना ने नेटफ्लिक्स टॉक शो में कपिल के साथ बातचीत के दौरान काफी मस्ती की। लगभग एक मिनट लंबे टीजर में दोनों बहनें कई बड़े खुलासे करती नजर आई हैं। इसमें करिश्मा कपूर के पहले क्रश से लेकर सैफ अली खान और करीना का प्यार का इजहार शामिल है।

करीना-करिश्मा ने बताईं दिलचस्प बातें

वीडियो सैफ के प्रतिष्ठित 'करीना' टैटू के बारे में भी जानकारी प्रदान करता है। प्रोमो देख साफ हो रहा है कि करीना ने सैफ से कहा था, 'अगर तुम मुझसे प्यार करते हो, तो तुम मेरा नाम लिखोगे।' दूसरी ओर, कृष्णा अभिषेक ने अपने मामा और 'राजा बाबू' के अभिनेता गोविंदा की तरह कपड़े पहने और करिश्मा के साथ हुक स्टेप किए। इतना ही नहीं प्रोमो से यह भी साफ हो रहा है कि करिश्मा कपूर को पहला क्रश बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान पर था।

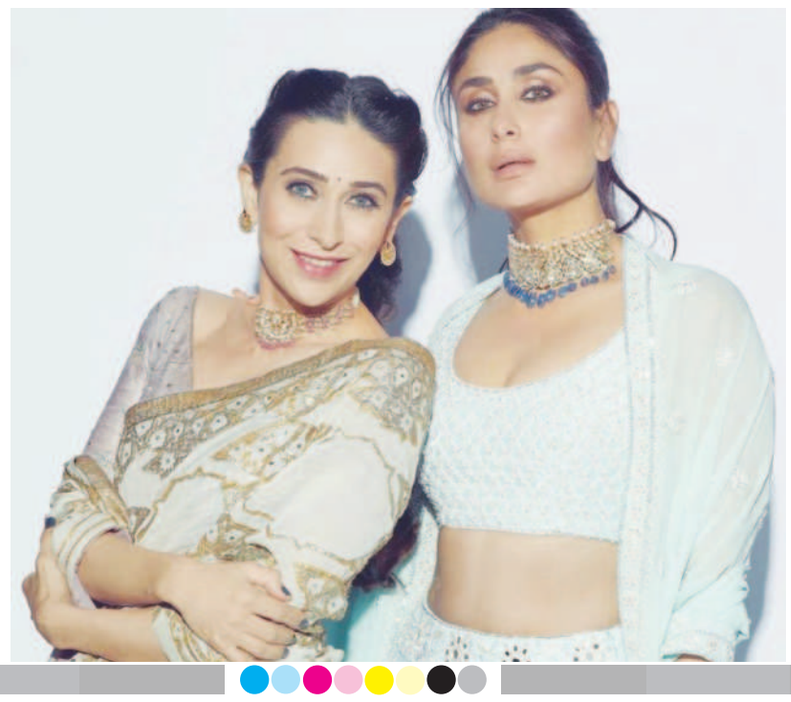

करिश्मा की किस आदत से परेशान हैं करीना?

कपूर सिस्टर्स एपिसोड का प्रमोशनल वीडियो बेहद मनोरंजक लग रहा है। प्रशंसक करिश्मा और करीना के बीच का बॉन्ड देखने के लिए पूरे एपिसोड का इंतजार कर रहे हैं। पिछले एपिसोड के अंत में कपिल ने करीना से पूछा कि करिश्मा की कौन सी आदत उन्हें सबसे ज्यादा परेशान करती है। बेबो के शरारती जवाब ने लोलो को चौंका दिया। करीना के मुताबिक उनकी बहन करिश्मा को तैयार होने में काफी समय लगता है।

कब आएगा कपूर सिस्टर्स एपिसोड?

टीजर के एक अन्य दृश्य के दौरान, कपिल ने करीना से मजाक में पूछा कि तैमूर, जेह और सैफ में से कौन ज्यादा शरारती है। इस पर करीना की हाजिरजवाबी पर हर कोई हंस पड़ा। करीना ने कहा, 'आपको पता होना चाहिए।' करीना ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि पिछले एपिसोड में सैफ कपिल के शो का हिस्सा बने थे। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' सीजन 2 का आगामी एपिसोड 12 अक्तूबर 2024 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा।

कम उम्र में ही झड़ने लगे हैं बाल, बढ़ रहा है गंजापन? कहीं आपमें इन पोषक तत्वों की कमी तो नहीं

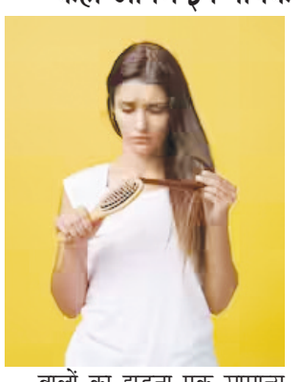

बालों का झड़ना एक सामान्य समस्या है, कम उम्र के लोग भी इसका शिकार देखे जा रहे हैं। 30 से कम आयु वालों में भी बालों की कमजोरी और इसके असमजय झड़ने की दिक्कतें सामने आ रही हैं। जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को ये समस्या रही है उनमें आनुवांशिक रूप से इसका खतरा अधिक हो सकता है। इसके अलावा लाइफस्टाइल और आहार से संबंधित दिक्कतें भी बालों के लिए समस्याकारक हो सकती है।

क्या आप भी बालों की दिक्कतों से परेशान हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, बाल झड़ने के लिए कई स्थितियों को जिम्मेदार माना जा सकता है। इनमें से एक प्रमुख कारण शरीर में आवश्यक विटामिन्स और पोषक तत्वों की कमी है।

बालों की सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए शरीर को पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। जिन लोगों में विटामिन्स-मिनरल्स की कमी होती है उन्हें बालों की दिक्कतों का सामना कम उम्र में भी करना पड़ सकता है।

बालों को स्वस्थ रखने के लिए जरूर हैं पोषक तत्व

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, बालों का झड़ना पहले की तुलना में अब अधिक आम होता जा रहा है। संतुलित आहार जैसे जिसमें विटामिन डी, बी7 (बायोटिन), विटामिन ई और ए वाली चीजें बालों की जड़ों को मजबूती देती हैं। इनकी कमी से कम आयु में गंजेपन का खतरा बढ़ जाता है।

बायोटिन (विटामिन B7) की कमी

बायोटिन बालों, त्वचा और नाखूनों के लिए महत्वपूर्ण विटामिन है। यह केराटिन उत्पादन में मदद करता है, जो बालों की मजबूती और स्वस्थ वृद्धि के लिए आवश्यक है। बायोटिन की कमी से बालों के पतला होने और टूटने की दिक्कत हो सकती है। यह स्थिति अक्सर गर्भावस्था, कुछ दवाओं या असंतुलित आहार के कारण हो सकती है।

आहार में इस पोषक तत्व को शामिल करके या डॉक्टरी सलाह पर बायोटिन के सप्लीमेट्स लेकर आप दिक्कतों को कम कर सकते हैं।

विटामिन-ए की कमी

विटामिन-ए बालों की ग्रंथियों में सीबम उत्पादन को बढ़ाने में मदद करता है, जो बालों और स्कैल्प को मॉइस्चराइज रखने के लिए जरूरी है। जिन लोगों में विटामिन-ए की कमी होती है उनका स्कैल्प सूखा रह सकता है, जिससे बाल कमजोर होकर झड़ने लगते हैं। हालांकि विटामिन-ए की अधिकता भी बाल झड़ने का कारण बन सकती है, इसलिए इसे सही मात्रा में इसका सेवन आवश्यक है।

विटामिन-ई भी जरूरी

बालों की अच्छी सेहत के लिए विटामिन-ई भी आवश्यक है। विटामिन-ई एक एंटीऑक्सीडेंट है, जो बालों के रोम और स्कैल्प को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाती है। विटामिन ई की कमी से स्कैल्प की कोशिकाओं को नुकसान हो सकता है, जिससे बालों के गिरने की समस्या बढ़ सकती है। यह बालों की वृद्धि को भी प्रभावित करती है, इसलिए आहार में विटामिन-ई वाली चीजों को जरूर शामिल करें।

प्रोटीन की कमी

बाल मुख्यरूप से प्रोटीन से बने होते हैं, विशेषकर केराटिन नामक प्रोटीन से। ऐसे में प्रोटीन की कमी बालों की मजबूती और वृद्धि को प्रभावित करती है। अगर शरीर में प्रोटीन की कमी है, तो बाल कमजोर हो जाते हैं और जल्दी टूट सकते हैं। लंबे समय तक प्रोटीन की कमी बालों के झड़ने और गंजापन का कारण बन सकती है। इसी तरह जिंक, बालों के ऊतकों की मरम्मत और बालों की वृद्धि को बढ़ावा देने में मदद करता है। यह हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में भी सहायक है। इसकी कमी भी आपके लिए दिक्कतें बढ़ा सकती है।

आयुर्वेद में 100 बीमारियों की एक दवा है गिलोय इसे कब और कैसे खाएं, किसे नहीं खाना चाहिए

गिलोय को कहा जाता है अमृता

इन दिनों पुराने समय की इलाज की पद्धतियां भी अचानक प्रासंगिक हो गईं। लोग अंग्रेजी दवा से अधिक भरोसा आयुर्वेद के काढ़े पर जता रहे थे। इसमें सबसे अधिक इस्तेमाल गिलोय का हो रहा था। आयुर्वेद में इसे बहुत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। संस्कृत में इसे गुरुचि या अमृता भी कहा जाता है। गिलोय के ढेरों स्वास्थ्य लाभ होते हैं। अगर इसका सही मात्रा में सेवन किया जाए तो यह वायु, पित्त और कफ तीनों तरह के दोषों को खत्म कर सकती है। अपने इस विशेष गुण के कारण ही इसे त्रिदोष शामक औषधि (तीनों दोषों को नाश करने वाली औषधि) भी कहा जाता है। गिलोय को जीवनदायिनी कहा जाता है। आधुनिक चिकित्सा पद्धति विकसित होने से पहले दवाएं लैब में नहीं तैयार होती थीं। ये हमारे घर के बगीचे या आसपास के जंगलों से लाई गई पत्तियों और जड़ों से तैयार की जाती थीं। जब कोई संक्रामक बीमारी फैलती तो पूरे गांव-के-गांव सिमटने लगते थे। लोग जीवन की आशा खो देते थे, तब गिलोय अपनी एंटीमाइक्रोबियल प्रॉपर्टी से लोगों की जान बचा लेती थी। इसीलिए इसे संस्कृत में गुरुचि या अमृती भी कहते हैं। कहने का आशय ये है कि गिलोय जीवनदायिनी है।

एंटीमाइक्रोबियल गुणों से भरपूर गिलोय

डॉ.कहते हैं कि गिलोय में अद्भुत औषधीय गुण होते हैं। इसमें मौजूद एंटीपायरेटिक गुण बुखार से निजात दिलाते हैं। एंटीमाइक्रोबियल गुणों के कारण डेंगू और मलेरिया जैसे संक्रमणों में राहत मिलती है। जबकि इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण किसी भी तरह की सूजन में राहत दिलाते हैं।

डॉ. कहते हैं कि गिलोय आयुर्वेद की ऐसी दवा है, जिससे एक साथ कई बीमारियों को ठीक किया जा सकता है। इससे शरीर की छोटी-बड़ी लगभग 100 से ज्यादा परेशानियां दूर हो सकती हैं। आइए ग्राफिक में देखते हैं कि परंपरागत रूप से गिलोय की मदद से किन बीमारियों का इलाज किया जाता रहा है।

रक्त विकार में है फायदेमंद

खून में किसी तरह का विकार होने पर इसे शुद्ध करने के लिए गिलोय का इस्तेमाल किया जाता है। आमतौर पर रक्त विकार से हुए कील-मुंहासे गिलोय का सेवन करने से खत्म हो जाते हैं।

त्वचा के विकारों में भी लाभकारी

यह एग्जिमा जैसे त्वचा विकार को खत्म करने के भी काम आती है। डॉ. अजय कहते हैं कि आचार्य चरक ने गिलोय को त्वचा के किसी भी रोग में फायदेमंद बताया है।

हाथ-पैर में जलन से राहत देती है

अगर हाथ-पैर या आंखों में जलन हो रही है, आंखों से आंसू निकलना नहीं बंद हो रहे हैं, यूरिन पास होने में जलन हो रही है तो मिश्री के साथ गुरुचि के पाउडर का सेवन करने से लाभ होता है।

डायबिटिक लोगों के लिए फायदेमंद

डायबिटिक लोगों के ब्लड में शुगर लेवल बढ़ जाता है, जो यूरिन के जरिए शरीर से बाहर निकलता है। इसलिए किडनी पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। ऐसे में नीम के ऊपर लगी गिलोय लेने से लाभ होता है।

डेंगू और मलेरिया में भी लाभकारी

डेंगू और मलेरिया जैसे बुखार में पपीता के पत्तों के साथ गिलोय का सेवन करने से लाभ मिलता है। इससे बीमारी दूर होने के साथ रिकवरी में भी तेजी आती है।

इम्यूनिटी को करती है मजबूत

गिलोय अपनी एंटीमाइक्रोबियल प्रॉपर्टीज के लिए तो जानी ही जाती है। साथ ही यह इम्यूनिटी बूस्टर भी है। इसलिए कोरोना काल में इसका काढ़ा बनाकर पीने से लोगों को लाभ मिला। इससे टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और इम्यूनिटी मजबूत होती है।

त्वचा के लिए भी उपयोगी

गिलोय किसी भी तरह की स्किन एलर्जी में तो लाभकारी है ही, यह स्किन के टेक्सचर को भी सही रखती है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स हमारी स्किन को मुलायम और चमकदार बनाए रखते हैं। झुर्रियां नहीं आती हैं। इसलिए गिलोय का सेवन करने से लोग लंबे समय तक जवान दिखते रहते हैं।

गिलोय की मेडिसिनल प्रॉपर्टीज

वनडाइटटुडे की फाउंडर और न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. अनु अग्रवाल के मुताबिक, गिलोय एक ऐसी शॉप की तरह है, जहां एक साथ सबकुछ मिल जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, एंटीडायबिटिक, एंटीस्पाज्मोटिक जैसे तमाम गुण होते हैं। आइए ग्राफिक में देखते हैं।

गिलोय का सेवन कैसे करें

न्यूट्रिशनिस्ट के मुताबिक हम गिलोय का जूस बनाकर पी सकते हैं और पाउडर फॉर्म में भी इसका सेवन किया जा सकता है।

गिलोय का जूस कैसे बनाएं: सबसे पहले गिलोय के छोटे-छोटे टुकड़े लें। अगर तना उपलब्ध नहीं है तो इसकी पत्तियां और जड़ भी उतनी ही लाभकारी होती हैं। इसे अच्छी तरह से कूट लें। अब इसे रात में थोड़े पानी में भिगोकर रख दें। सुबह उठकर इसे मसलकर छान लें। यह गिलोय का जूस है, जिसे हिम भी कहते हैं।

इसे एक या दो चम्मच ही पिएं। अगर स्वाद कड़वा लग रहा है तो पानी में मिलाकर भी पी सकते हैं। अगर इसे बनाने में मुश्किल हो रही है तो बाजार से पाउडर भी खरीद सकते हैं।

गिलोय का पाउडर भी लाभकारी है: बाजार में गिलोय का पाउडर मिल जाता है, जो लंबे समय तक खराब नहीं होता है। इसे गिलोय के तने और पत्तियों को सुखाकर और कूटकर तैयार किया जाता है। इसे पानी में उबालकर और छानकर पी सकते हैं।

गिलोय के साइड इफेक्ट और सावधानियां

डॉ. बताते हैं कि गिलोय के सेवन को लेकर कुछ सावधानियां बरतना भी जरूरी है। नीचे दिए पॉइंट्स में देखें–

गिलोय का सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें। खासकर अगर आपको कोई बीमारी है या आप दवाएं ले रहे हैं।

ज्यादा गिलोय खाने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। संतुलन बहुत जरूरी है।

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को गिलोय का सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

बच्चों को बिना डॉक्टरी रिकमंडेशन के गिलोय खाने को न दें।

गिलोय ब्लड शुगर लेवल को कम कर सकता है, इसलिए अगर आपको डायबिटीज है या आप शुगर की दवाएं ले रहे हैं तो गिलोय खाने से पहले डॉक्टर से सलाह लें।

इससे कब्ज हो सकता है। इसलिए अगर पाचन संबंधी समस्याएं हैं तो डॉक्टरी सलाह लें।

इससे कुछ ऑटोइम्यून बीमारियां ट्रिगर हो सकती हैं। इसलिए अगर पहले से कोई ऑटोइम्यून बीमारी है और इम्यूनिटी कमजोर है तो डॉक्टरी सलाह पर ही इसका सेवन करें।

गिलोय का सेवन करने का सबसे अच्छा तरीका है, गिलोय पाउडर का काढ़ा बनाकर पीना। गिलोय के रस को सीधे पीने की सलाह नहीं दी जाती।

खरीदने जा रहे हैं शर्ट तो इन बातों का रखें ध्यान, वरना देखकर हंसेंगे लोग

लड़कियां जब भी अपने कपड़े खरीदने जाती हैं, तो उनके दिमाग में पहले से सब क्लीयर होता है कि उन्हें कैसे कपड़े चाहिए, उसकी फिटिंग कैसी हो नी चाहिए, उसका रंग कैसा होना चाहिए। यही वजह से कि किसी भी कार्यक्रम में लड़कियों का लुक खूबसूरत दिखता है। जबकि लड़के खरीदारी करते वक्त ज्यादा ध्यान नहीं रखते। ऐसे में ये लेख लड़कों के लिए ही है। यहां हम आपको कुछ ऐसी टिप्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप स्टाइलिश और हैंडसम दिख सकते हैं। आपके लुक को हैंडसम बनाने में शर्ट और टीशर्ट का काफी योगदान है। ऐसे में अगर आप अपने लिए शर्ट खरीदने जा रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें। वरना आपका लुक खराब दिख सकता है।

साइज हो सही

अगर शर्ट खरीदने जा रहे है तो अपने साइज का खास ध्यान रखें। पहले अपने शरीर का सही से माप लें। खासकर कंधों, छाती, और कमर का। शर्ट की सही फिटिंग होना जरूरी है, ताकि वह ना तो ज्यादा टाइट हो और ना ही ढीली।

सही हो लंबाई

अगर शर्ट की लंबाई सही नहीं होगी तो आपको इसे पैंट मे अंदर टक करने में परेशानी होगी। ध्यान रखें अगर ज्यादा लंबी शर्ट खरीदेंगे तो ये पैंट को मोटा दिखाएगी, जिसकी वजह से लुक बिगड़ सकता है। अगर ये छोटी होगी तो आप इसे टक इन नहीं कर सकते।

सही से करें फैब्रिक का चयन

शर्ट के कपड़े का चयन मौसम के हिसाब से करें। जैसे कि गर्मियों में हल्के और सांस लेने योग्य कपड़े (जैसे कॉटन या लिनेन) चुनें। वहीं सर्दियों में भारी और गरम कपड़े (जैसे ऊन या फ्लीस) उपयुक्त होते हैं।

पैटर्न का रखें ध्यान

आपकी शर्ट का पैटर्न आपकी पर्सनैलिटी और अवसर के अनुसार होना चाहिए। जैसे कि फॉर्मल इवेंट के लिए हल्के रंग की शर्ट बढ़िया होती हैं। वहीं कैजुअल के लिए चेक, स्ट्राइप्स, या प्रिंटेड शर्ट्स भी अच्छी लगती हैं।

कॉलर और कफ्स की डिजाइन

शर्ट के कॉलर से ही उसका पूरा लुक अच्छा या खराब दिख सकता है। अगर फॉर्मल शर्ट ले रहे हैं तो उसमें हमेशा अच्छी क्वालिटी के कॉलर और कफ्स होने चाहिए। वहीं कैजुअल शर्ट में कॉलर की डिजाइन थोड़ी मॉडर्न और स्टाइलिश हो सकती है।

सिलाई और बटन की गुणवत्ता

ये सबसे अहम प्वॉइंट है। शर्ट खरीदने से पहले एक बार शर्ट की सिलाई की गुणवत्ता की जांच करें। मजबूत और साफ-सुथरी सिलाई लंबी चलती है। बटन की भी जांच करें। कई बार बटन अपने आप ही

विदेशियों की पसंदीदा जगहों में भारत के ये पर्यटन स्थल

विश्व पर्यटन दिवस हर साल 27 सितंबर को मनाया जाता है। इसे मनाने का उद्देश्य पर्यटन के महत्व और इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) ने 1980 में इस दिवस की शुरुआत की, ताकि दुनिया भर में पर्यटन को प्रोत्साहन मिले और विभिन्न संस्कृतियों के बीच आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके।

देश-दुनिया में सैकड़ों विश्व धरोहर, ऐतिहासिक इमारतें और महल, प्राकृतिक दृश्यों से परिपूर्ण स्थल मौजूद हैं। भारत एक ऐसा देश है जो अपनी सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक धरोहर और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। यहां की कई जगहें विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। भारत में कश्मीर से कन्याकुमारी तक कई पर्यटन स्थल हैं, जो न केवल भारतीय पर्यटकों बल्कि विदेशी यात्रियों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। पर्यटन दिवस के मौके पर विदेशियों के पसंदीदा भारतीय स्थलों के बारे में जानिए, जहां हर साल विदेशी पर्यटकों की भीड़ देखने को मिल जाती है।

दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में सबसे अधिक विदेशी मेहमान आते हैं। दिल्ली में कई ऐतिहासिक इमारतें जैसे हुमायूं का मकबरा, कुतुब मीनार, इंडिया गेट है, जो कि विश्व प्रसिद्ध है। इसके अलावा यहां का शानदार चांदनी चौक बाजार और कनॉट प्लेस पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में जहां एक लाख से अधिक विदेशी पर्यटकों का दिल्ली में स्वागत किया गया। वहीं कोविड काल के बाद 2023 में करीब 18 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक दिल्ली आए।

आगरा

भारत में दुनिया का सातवां अजूबा स्थित है। यहां भारत का ही नहीं बल्कि विश्व के सबसे बड़े आकर्षक स्थलों में से एक ताजमहल है, जो कि आगरा जिले में मौजूद है। ताजमहल विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल है। ताज के दीदार करने के लिए भारत के अलग अलग शहरों के साथ ही विदेशों से बड़ी संख्या में पर्यटक आगरा पहुंचते हैं। आगरा में ताजमहल के अलावा आगरा का किला भी महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है, जहां विदेशी सैलानी घूमते नजर आ जाते हैं। 2019 में आगरा में लगभग 80 लाख विदेशी पर्यटक घूमने आए थे। वहीं 2023 में लगभग 11 लाख से अधिक पर्यटक आगरा घूमने पहुंचे।

जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर अपने ऐतिहासिक किलों जैसे अंबर किला, हवा महल, अजमेर का किला, और सिटी पैलेस के लिए प्रसिद्ध है। यहां का रंगीन बाजार और स्थानीय कला भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। जयपुर की शाही मेहमान नवाजी और भव्यता को देखने के लिए विदेशी पर्यटक पूरी दुनिया से यहां पहुंचते हैं।

वाराणसी

उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के किनारे स्थित बनारस शहर भारतीय संस्कृति का केंद्र माना जाता है। यहां 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ मंदिर भी स्थित है। यहां दश्वाशमेध घाट से लेकर मणिकर्णिका घाट तक अस्सी घाट हैं, जिसकी गंगा आरती में हजारों विदेशी पर्यटक लगभग हर दिन शामिल होते हैं।

गोवा

अपने खूबसूरत समुद्र तटों, नाइटलाइफ़ और विविधता के लिए प्रसिद्ध, गोवा भारतीय और विदेशी पर्यटकों का एक प्रमुख स्थल है। भारत का गोवा शहर विदेशी नजारों से परिपूर्ण है। यहां ऐतिहासिक स्थल, चर्च के साथ ही विदेशों जैसे बीच भी हैं। इसके अलावा यहां विदेशी सैलानी भी देखने को मिल जाते हैं। गोवा में साल 2021 में 22 हजार से अधिक विदेशी पर्यटक आए थे जबकि साल 2023 में संख्या बढ़कर लगभग साढ़े चार लाख से अधिक हो गई।

घर पर इस आसान विधि से बनाएं काजू कतली, मिलेगा एकदम बाजार जैसा स्वाद

त्योहारों का सीजन कुछ ही दिनों में शुरू होने जा रहा है। ऐसे में बाजारों में इसकी धूम दिखाई देने लगी है। लोग खरीदारी से लेकर घर की साफ-सफाई में भी लग गए हैं। जब भी कोई त्योहार आता है, तो सबसे ज्यादा भीड़ मिठाईयों की दुकान पर देखने को मिलती है, क्योंकि त्योहारों पर लोग एक-दूसरे का मुंह मीठा कराते हैं।

इस सीजन में कई दुकानों पर मिलावट वाली मिठाई मिलती है, जिसको खाकर तबियत खराब होने का डर रहता है। ऐसे में यहां हम आपको घर पर ही एक ऐसी मिठाई बनाना बताने जा रहे हैं, जिसे हर कोई खाना पसंद करता है। यहां हम बात कर रहे हैं काजू कतली की, जो काफी महंगी आती है। इसी के चलते हम इस लेख में आपको घर पर काजू कतली बनाना बताने जा रहे हैं। ताकि आप भी घर पर बिना मिलावट के काजू कतली बना सकें।

काजू कतली बनाने का सामान

काजू – 1 कप (200 ग्राम)
चीनी – 1/2 कप (100 ग्राम)
पानी – 1/4 कप
चांदी का वर्क

विधि

काजू कतली बनाना काफी आसान है। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले आपको काजू का पाउडर तैयार करना है। काजू पाउडर बनाने के लिए पहले इसे अच्छी तरह से सुखा लें। सुखाने के बाद काजू को महीन पीस लें। इसे पूरी तरह से नहीं पीसें, वरना ये तेल छोड़ देगा।

अब इसे साइड में रखकर एक कढ़ाई में 1/2 कप चीनी और 1/4 कप पानी डालकर धीमी आंच पर चीनी घुलने तक मिक्स करें। चीनी पूरी तरह घुलने पर इसे थोड़ा और पकाएं ताकि यह एक तार की चाशनी बन जाए। चाशनी तैयार होने के बाद इसमें काजू का मिश्रण डालें। ध्यान रखें इसे आपको लगातार चलाना है, वरना ये जलने लगेगा। इसे तब तक पकाएं जब तक यह कढ़ाई के किनारों से अलग न होने लगे। जब इसका सही का पेस्ट तैयार हो जाए तो गैस बदं करके इसे थोड़ा ठंडा होने दें। जब ये छूने लायक ठंडा हो जाए तो इसे हाथ से हल्का गूंथ लें। अब एक चिकनी सतह वाली ट्रे पर घी लगाकर मिश्रण को फैला दें। अच्छी तरह से फैलाने के बाद इसे डायमंड शेप में काट लें। आखिर में इसके ऊपर चांदी का वर्क लगा सकते हैं। तो बस आपकी काजू कतली तैयार है। त्योहारों के सीजन में इसका लुत्फ उठाएं।

फेफड़ों में कैंसर से हर साल होती हैं लाखों मौतें, इस आदत को डॉक्टर्स ने बताया सबसे नुकसानदायक

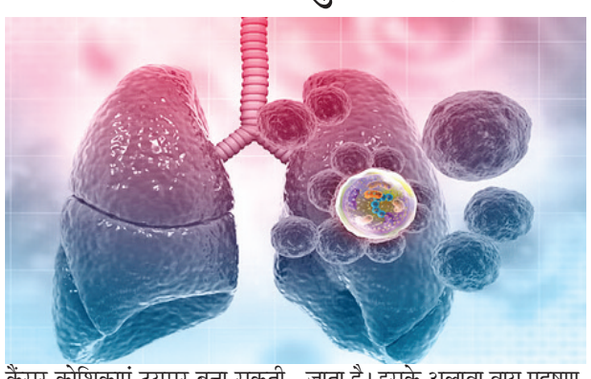

पूरे शरीर में ऑक्सीजन के संचार को ठीक बनाए रखने में फेफड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, हालांकि समय के साथ इस अंग से संबंधित कई तरह की गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। अध्ययनों में पाया गया है कि कई तरह की लाइफस्टाइल और पर्यावरणीय स्थितियां फेफड़ों को गंभीर रूप से क्षति पहुंचा रही हैं। यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर फेफड़ों में कैंसर के मामले भी बढ़ गए हैं।

फेफड़ों का कैंसर हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बन रहा है। ग्लोबोकैन 2022 के डेटा के अनुसार साल 2022 में दुनियाभर में फेफड़ों के कैंसर से लगभग 1.8 मिलियन (18 लाख) मौतें हुईं। ये दुनियाभर में कैंसर से होने वाली मौतों का प्रमुख कारण भी है।

आश्चर्यजनक रूप से युवा आबादी में भी इस कैंसर के जोखिम बढ़ते हुए रिपोर्ट किए गए हैं।

फेफड़ों के कैंसर के मामले

भारत में भी फेफड़ों के कैंसर के केस बढ़ गए हैं। लंग्स कैंसर, भारत में सभी कैंसर का 5.9% और सभी तरह के कैंसर से संबंधित मौतों का 8.1% है।

फेफड़ों में कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि के कारण ये कैंसर होता है। कोशिकाओं के डीएनए में परिवर्तन की वजह से ऐसा होता है। कैंसर कोशिकाएं ट्यूमर बना सकती हैं। ट्यूमर के कारण स्वस्थ ऊतकों को भी क्षति का जोखिम रहता है। समय के साथ कैंसर कोशिकाएं टूटकर शरीर के अन्य भागों में भी फैल सकती हैं। अध्ययनों में फेफड़ों के कैंसर के लिए कई कारकों को जिम्मेदार पाया गया है जिसमें धूम्रपान सबसे प्रमुख है।

धूम्रपान सबसे बड़ा खतरा

धूम्रपान करने वाले लोगों में फेफड़ों के कैंसर का जोखिम सबसे ज्यादा होता है। सिगरेट की हर कश के साथ आपके लिए खतरा बढ़ता जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि फेफड़ों के कैंसर से होने वाली 80% मौतें धूम्रपान से संबंधित हैं। इसके अलावा अगर आप धूम्रपान नहीं भी करते हैं पर सेकेंडहैंड स्मोकिंग के शिकार हैं तो भी अपमें फेफड़ों का कैंसर हो सकता है। तम्बाकू उत्पादों के जलने से उत्पन्न धुएं के संपर्क में आने को सेकेंडहैंड स्मोकिंग कहा जाता है। इसके अलावा वायु प्रदूषण, रसायनों के अधिक संपर्क में रहना भी आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

इसके लक्षणों की पहचान कैसे करें?

कैंसर आपके शरीर में लंबे समय तक यानी कई सालों तक बढ़ता रह सकता है, इससे पहले कि आपको इस बारे में पता चल सके। फेफड़ों के कैंसर के शुरुआती चरणों में अक्सर कोई लक्षण नहीं दिखते। हालांकि कुछ संकेत हैं जिनपर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

फेफड़ों में और उसके आस-पास होने वाले कैंसर के कारण आपको लंबे समय तक खांसी होती रह सकती है। इसके अलावा खांसी के साथ खून आने, सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, घरघराहट होने जैसे समस्याएं कैंसर का संकेत हो सकती हैं। इन लक्षणों के साथ हड्डी में दर्द, बिना प्रयास किए वजन कम होने, भूख न लगने या चेहरे-गर्दन में सूजन की दिक्कत हो तो सावधान हो जाएं।

फेफड़ों के कैंसर से कैसे बचें?

फेफड़े के कैंसर को रोकने का कोई निश्चित तरीका नहीं है, लेकिन कुछ उपायों की मदद से आप अपने जोखिमों को कम कर सकते हैं। इसके लिए धूम्रपान से दूरी बनाना सबसे जरूरी है। रसायनों और प्रदूषण वाले स्थानों से भी बचें। स्वस्थ आहार और नियमित व्यायाम की आदत फेफड़ों के साथ कई अन्य कैंसर के खतरे से भी आपको बचा सकती है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 55 फीसदी तक बढ़ी

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। यात्री वाहनों में 19 फीसदी की बड़ी गिरावट के बीच इलेक्ट्रिक कारों (ई-कार) की खुदरा बिक्री भी सितंबर, 2024 में मासिक और सालाना आधार पर घटी है। हालांकि, अन्य श्रेणी के वाहनों की बिक्री में करीब 55 फीसदी तक की तेजी देखने को मिली है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के मुताबिक, सितंबर में देशभर में कुल 5,874 ई-कारें बिकीं। यह आंकड़ा सितंबर, 2023 में बिकीं 6,368 ई-कारों की तुलना में 7.76 फीसदी और अगस्त, 2024 की 6,338 इकाइयों के मुकाबले 7.32 फीसदी कम है।

टाटा का अगला 'रतन' कौन

3800 करोड़ के साम्राज्य के उत्तराधिकारी की दौड़ में किसका नाम सबसे आगे?

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा भारत में बिजनेस और समाजसेवा दोनों में एक मिसाल हैं। 3600 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ रतन टाटा ने दशकों तक समूह को विकास की ओर बढ़ाया है। अकूत दौलतमंद होने के बावजूद वह अपनी साधारण जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के जरिये धर्मार्थ कार्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं।

नोएल टाटा मजबूत दावेदार

संभावित उत्तराधिकारियों में नोएल टाटा मजबूत दावेदार के रूप में उभरते हैं। नवल टाटा की दूसरी पत्नी सिमोन से जन्मे नोएल टाटा रतन टाटा के सौतेले भाई हैं। यह पारिवारिक बंधन नोएल टाटा को टाटा विरासत को प्राप्त करने के लिए उन्हें महत्वपूर्ण स्थिति में रखता है। नोएल टाटा के तीन बच्चे हैं। इन्हें टाटा की विरासत के संभावित उत्तराधिकारियों के रूप में देखा जाता है। इनमें माया टाटा, नेविल टाटा और लिया टाटा शामिल हैं। 34 वर्षीय माया टाटा समूह के भीतर महत्वपूर्ण प्रगति कर रही हैं। बेयज बिजनेस स्कूल और यूनिवर्सिटी ऑफ वॉरविक से पढ़ीं माया ने टाटा अपॉर्चुनिटीज फंड और टाटा डिजिटल में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। टाटा न्यू ऐप को लॉन्च करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। यह उनकी रणनीतिक कुशाग्रता और नजरिये को दिखाता है।

ब्याज दरों में लगातार 10वीं बार बदलाव नहीं

लोन महंगे नहीं होंगे, ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी

> *आरबीआई ने रेपो रेट 6.5% पर बरकरार रखी*

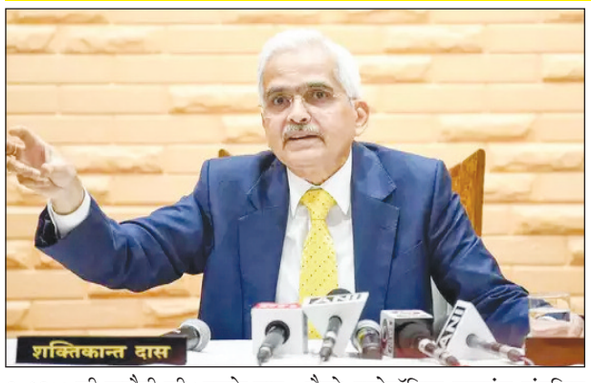

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार 10वीं बार ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने ब्याज दरों को 6.5% पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023 में दरें 0.25% बढ़ाकर 6.5% की थीं।

7 अक्टूबर से चल रही मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज, यानी बुधवार को दी। ये मीटिंग हर दो महीने में होती है। आरबीआई ने इससे पहले अगस्त में हुई बैठक में ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया था।

2020 से रिजर्व बैंक ने 5 बार में 1.10% ब्याज दरें बढ़ाई

आरबीआई ने कोरोना के दौरान (27 मार्च 2020 से 9 अक्टूबर 2020) दो बार ब्याज दरों में 0.40% की कटौती की। इसके बाद अगली 10 मीटिंग्स में सेंट्रल बैंक ने 5 बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की, चार बार कोई बदलाव नहीं किया और एक बार अगस्त 2022 में 0.50% की कटौती की। कोविड से पहले 6 फरवरी 2020 को रेपो रेट 5.15% पर था। महंगाई को लेकर आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि खुदरा महंगाई के लक्ष्य 4% पर बने हुए हैं। हालांकि, सितंबर महीने में महंगाई के आंकड़े बढ़े हुए लग सकते हैं। मौजूदा मैक्रो-इकोनॉमिक मापदंड संतुलित हैं। जीडीपी ग्रोथ को लेकर उन्होंने कहा कि कारोबारी साल 2025 के दौरान यह 7.2% रह सकती है।

यूपीआई लाइट की ट्रांजैक्शन लिमिट बढ़ाई

आरबीआई ने यूपीआई लाइट की ट्रांजैक्शन लिमिट को 500 रुपए से बढ़ाकर 1,000 रुपए कर दिया है। वहीं, यूपीआई लाइट वॉलेट की सीमा 2,000 रुपए से बढ़ा कर 5,000 रुपए कर दी गई है। यानी अब वॉलेट में लोग 3,000 रुपए ज्यादा रख सकेंगे। इस सुविधा के जरिए यूपीआई पेमेंट में पिन की जरूरत नहीं पड़ती और आसानी से पेमेंट हो जाता है। वहीं, यूपीआई 123पे की लिमिट को बढ़ाकर 10,000 रुपए कर दिया गया है। ये सर्विस नॉन-स्मार्टफोन यूजर्स के लिए होती है।

भारत में मार्च 2025 तक 0.50% की कटौती हो सकती है

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटजिस्ट डॉ. वी के विजयकुमार ने कहा कि भारत में मार्च 2025 तक 0.50% की कटौती हो सकती है। आरबीआई ने 8 फरवरी 2023 के बाद से ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। अभी रेपो रेट 6.50% है। वॉलफोर्ट फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के फाउंडर विजय भराड़िया ने कहा की कि दर में कटौती एक साहसिक कदम है जो भारतीय रिजर्व बैंक सहित अन्य वैश्विक केंद्रीय बैंकों को सॉफ्टर मॉनेटरी स्टांस अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

दशहरा-दिवाली की खुशी पर भारी पड़ी महंगाई

100 रुपये/किलो टमाटर, होम लोन ईएमआई में कमी नहीं

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दशहरे-दिवाली जैसे त्योहारों की खुशी पर महंगाई की मार भारी पड़ रही है। इन त्योहारों में एक तरफ प्रतिदिन के उपयोग की सभी वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि से लोग परेशान हैं तो उधर रिजर्व बैंक ने भी लगातार दसवीं बार रेपो रेट की दरों में कोई परिवर्तन न कर यह बता दिया है कि अभी होम लोन की बढ़ी दरों से छुटकारा मिलने की कोई संभावना नहीं है। माना जा रहा है कि रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने यह निर्णय इजरायल और ईरान के बीच चल रही युद्ध जैसी स्थिति और घरेलू महंगाई की दरों को ध्यान में रखते हुए लिया है। इस समय सब्जी-दाल से लेकर तेल-मसाले तक की हर वस्तु की कीमत बहुत ऊंची बनी हुई है।

टमाटर खुदरा बाजार में 100 से 120 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है। आलू का नया सीजन आ गया है, लेकिन आलू की कीमतों में अभी भी कोई कमी नहीं आई है। इसकी कीमतें अभी भी 30 से 40 रुपये किलो पर बना हुआ है। दाल की कीमतें 160-180 रुपये प्रति किलो पर बनी हुई है। आटा बढ़कर 35 से 40 रुपये किलो हो गया है। यानी आम लोगों के लिए अपनी थाली में दोनों समय का भोजन जुगाड़ करना भी भारी पड़ रहा है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा पेट भरने में चला जा रहा है और वे कोई बचत नहीं कर पा रहे हैं।

भारत का चाय निर्यात इस वर्ष जनवरी-जुलाई अवधि में 23.79 प्रतिशत बढ़कर 144.50 मिलियन किलोग्राम रहा

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस वर्ष जनवरी से जुलाई के बीच देश में चाय के निर्यात में बढ़ोतरी हुई है। इस बारे में जानकारी देते हुए चाय बोर्ड ने कहा कि जनवरी-जुलाई के बीच चाय का निर्यात 144.50 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गया है, जो पिछले साल की समान अवधि से 23.79 प्रतशित अधिक है। देश ने वर्ष 2023 में इसी अवधि में 116.73 मिलियन किलोग्राम निर्यात किया था। चाय के निर्यात में बीते वर्ष की समान अवधि से इस वर्ष 27.77 मिलियन किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, 2024 के पहले सात महीनों के दौरान एकल इकाई मूल्य 256.37 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया है। बीते वर्ष इसी अवधि में यह 264.96 रुपये प्रति किलोग्राम था। इस बीच, चाय बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय ने चाय उद्योग के विकास और संवर्धन के लिए 664.09 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दे दी है। यह राशि चाय विकास एवं संवर्धन योजना के तहत 15वें वित्त आयोग चक्र की शेष अवधि यानी वित्त वर्ष 2023-24 से 2025-26 के दौरान खर्च की जाएगी।

75 हजार रुपये के नीचे आया सोना

चांदी 2,122 रुपये गिरकर 88,290 प्रति किलो पर आई

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 9 अक्टूबर को बड़ी गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 892 रुपए गिरकर 74,834 रुपए पर आ गया। इससे पहले इसके दाम 75,726 रुपए प्रति दस ग्राम थे।

वहीं, चांदी की कीमत में आज बड़ी गिरावट है। ये 2,122 रुपए गिरकर 88,290 रुपए प्रति किलो हो गई। सोमवार को चांदी 90,412 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- AZ4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

दैनिक पंचांग

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-11
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. - 17-55
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 12-32 तक उपरान्त अष्टमी
मास - आश्विन शुक्ल, गुरुवार 10 October
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 05-41 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग - अतिगण्ड 04-36 तक उप सुकर्मा
करण- वणिज 12-1+32 तक उप विष्टी
विशेष:- नवपद पूजन, सरस्वती पूजन
व्रत -त्योहार -

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या मे	कन्या..	04-32 बजे
चंद्र-	धनु मे	तुला...	06-36 बजे
मंगल	मिथुन मे	वृश्चिक	08-46 बजे
बुध-	कन्या मे	धनु-	11-00 बजे
गुरु-	वृष मे	मकर...	13-06 बजे
शुक्र-	तुला मे	कुंभ--	14-56 बजे
शनि-	कुंभ मे	मीन-	16-34 बजे
राहु-	मीन मे	मेष---	18-11 बजे
केतु-	कन्या मे	वृष---	19-56 बजे
		मिथुन	21-56 बजे
		कर्क--	00-08 बजे
		सिंह---	02-24 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:31 से 14:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ.	06:11 - 07:38 शुभ	अमृत.	17:55 - 19:28 शुभ
रोग	07:38 - 09:06 अशुभ	चंचल.	19:28 - 20:59 शुभ
उत्पात	09:06 - 10:34 अशुभ	रोग.	20:59 - 22:31 अशुभ
चंचल	10:34 - 12:03 शुभ	काल	22:31 - 00:03 अशुभ
लाभ	12:03 - 13:31 शुभ	लाभ	00:03 - 01:35 शुभ
अमृत	13:31 - 14:59 शुभ	उत्पात	01:35 - 03:06 अशुभ
काल.	14:59 - 16:28 अशुभ	शुभ	03:06 - 04:38 शुभ
शुभ	16:28 - 17:55 शुभ	अमृत.	04:38 - 06:11 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

आज आपका वित्त और धन अस्थिर रह सकते हैं और आप अपने आप को नुकसान की स्थिति में पा सकते हैं, पर आप ज्यादा चिंता न करे, क्योंकि यह एक छोटा नुकसान हो सकता है। सतर्क रहे। आपका परिवार हमेशा आपके साथ है और आपके बचाव में खड़ा है। आप बहुत जल्दी इस घाटे को पूर्ण करने में सक्षम है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा। अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज कई कार्य क्षेत्र के सुनहरे अवसर आपका दरवाजा खटखटायेंगे। आज आपको पदोनत्ति का सन्देश मिल सकता है या नौकरी क्षेत्र में बदलाव के भी आसार है जिसके लिए आप काफी समय से प्रयासरत थे। आपको ऐसी जगह से सहायता मिल सकती है जिस जगह से आपने कल्पना भी नहीं की थी जो की आपको प्रसन्नता से अभिभूत कर सकती है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,

आप कुछ दिनों से निर्णय नहीं ले पा रहे थे जिसका असर आपके व्यवहार में भी झलक रहा था पर ये समय ये सब बाते छोड़ कर कुछ कर दिखाने का समय है और साथ ही साथ अपने इस व्यवहार को बदलने का भी। आप बिना भयभीत हुए निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अछा साबित हो। आप किसी अच्छे जानकर से भी अपने पैसे और अपने पेशे से संबंधित सुझाव ले सकते है जो की आज फायदेमंद साबित होगा।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आप अपनी नौकरी से संबंधित अच्छी खबर प्राप्त कर सकते है। यह एक पदोन्नति, वेतन वृद्धि, एक नई जिम्मेदारी, एक नया इच्छित स्थान, एक अलग कंपनी से नौकरी या प्रस्ताव का परिवर्तन हो सकता है। आप कम समय में अपने आप को तैयार रखे। । यह टेलीफोन पर या सन्देश के माध्यम से भी किया जा सकता है।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,

आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे। आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो। आज शिक्षक, प्रचारकों, वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है। हालांकि, कम ध्यान की वजह से आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है बशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो। किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है। आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होगे इसलिए ध्यानपूर्वक स्थिति को समझकर निवेश करे।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपकी आय और कैरियर को प्रभावित करने वाले ग्रहों के बीच का गठबंधन अब अपनी मजबूत केंद्र बिंदु पर आ रहा हैं। इसका मतलब यह है की अगर आप अपने कैरियर के लिए अपने समय और ऊर्जा से कार्य करते है, तो आपकी जमा राशि को बढ़ावा मिलेगा। आप में ऐसी ऊर्जा और क्षमता है की आप और अधिक कार्य करके अपनी आय में और सुधार ला सकते है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपने अपने व्यक्तिगत काम में व्यस्त होने के कारण अपने पेशेवर कार्यों को कुछ समय के लिए अधर में लटका दिया था, लेकिन लोगों को कार्यस्थल पर आपकी बुरी तरह से आवश्यकता है, हालाँकि अगर आप ई-मेल पर संदेश या फोन पर जवाब न दें पाये तो इसमें कोई बुराई नहीं है। व्यय बढ़ेंगे लेकिन आपको बहुत जल्द ही कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त होने के आसार है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अपने परिवार की धन वृद्धि के लिए शक्तिशाली ऊर्जा से भरे हुए हैं। आप अधिक ज्ञान को प्राप्त करने में सक्षम हो जायेंगे और जिससे आप अगली बार किसी की सेवा करने पर अधिक कमाने लायक हो जाएंगे, इस तरह से आपके हाथो में वित्तीय सुरक्षा और सफलता के लिए सभी सामग्री रहेगी।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपके कार्यस्थल पर तनाव का माहौल है। यह तनाव का माहौल आपकी वजह से नहीं बल्कि, व्यापार में कुछ भारी नुकसान की वजह से हो सकता है। अपने आप में नकारात्मक ऊर्जा न भरे बल्कि इसके बजाय नकारात्मक विचारों की इस लहर के घेरे में आ रहे हैं, उन सभी लोगो को प्रेरित करने का प्रयास करें। आपके खर्चो का प्रबंधन करने के लिए विभिन्न स्रोतों से आवश्यक धन की प्राप्ति होगी।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पीएफ का पैसा जमा हुआ या नहीं : कर्मचारी को तुरंत पता चलेगा

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। संगठित क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों कर्मचारियों को अब आसानी हो जाएगी। अब उनके अकाउंट में जैसे की पीएफ का पैसा क्रेडिट होगा, उनके मोबाइल फोन पर एसएमएस एसएमएस आ जाएगा। जी हां, एंप्लॉयीज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (ईपीएफओ) अपने सदस्यों के योगदान को समय से जमा नहीं किए जाने की हरकतों पर लगाम कसने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत मेंबर्स के पीएफ अकाउंट में जाने वाले कॉन्ट्रिब्यूशन की जानकारी उन्हें रियल टाइम पर एसएमएस के जरिए मिला करेगी। इसके साथ ही, शिकायतों के तेजी से निपटारे के लिए कॉल सेंटर की व्यवस्था बेहतर की जा रही है।

पैसा जमा नहीं कराया?

पीएफ विभाग के सूत्रों ने बताया, 'ऐसी शिकायतें आती हैं कि कुछ कंपनियां कर्मचारियों का पीएफ का पैसा काट तो लेती हैं, लेकिन उसे समय पर जमा नहीं करतीं। कर्मचारियों को इसका पता नहीं चल पाता है। इसे देखते हुए ईपीएफओ के आईटी सिस्टम को बैंकों की तरह अपग्रेड किया जा रहा है। इसके जरिए मेंबर्स को उनके अकाउंट में मंथली कॉन्ट्रिब्यूशन की जानकारी उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के जरिए भेजी जाएगी।'

ईपीएफओ 3.0 लाने की तैयारी

आईटी सिस्टम के अपग्रेडेशन की जानकारी देते हुए सूत्रों ने बताया, 'सिस्टम काफी पुराना है। हमारी तैयारी ईपीएफओ 3.0 लाने की है। इसके आ जाने से मेंबर्स की शिकायतों का तेजी से निपटारा किया जा सकेगा। इसके साथ ही कॉल सेंटर नेटवर्क को भी बेहतर बनाया जा रहा है।'

मिस्ड कॉल से मिलती है जानकारी

पीएफ अकाउंट में कितने पैसे हैं, इसकी जानकारी मिस्ड कॉल से भी मिलती है। इसके लिए ईपीएफओ ने मिस्ड कॉल सर्विस शुरू की है। पीएफ सब्सक्राइबर्स के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके तहत अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से 011-22901406 पर डायल करना होता है।

सेंसेक्स 167 अंक की गिरावट के साथ 81,467 पर बंद

निफ्टी भी 31 अंक गिरा, बीएसई स्मॉल कैप में 670 अंक की तेजी रही

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सेंसेक्स आज यानी 9 अक्टूबर को 167 अंक की गिरावट के साथ 81,467 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 31 अंक की गिरावट रही, ये 24,981 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, बीएसई स्मॉल कैप 670 अंक चढ़कर 56,110 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में तेजी और 13 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 में गिरावट और 19 में तेजी रही। एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस को छोड़कर सभी सेक्टर में तेजी रही। एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.87% की तेजी रही। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.38% और चीन का शंघाई कम्पोजिट 6.62% की गिरावट के साथ बंद हुआ।

अडानी की 4.35 अरब डालर की लगी लॉटरी

अमीरों की लिस्ट में लंबी छलांग, अंबानी के करीब

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। लगातार छह दिन की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी लौटी। शुरुआत में मार्केट में भारी उतारचढ़ाव दिख रहा था लेकिन हरियाणा विधानसभा चुनावों की मतगणना आगे बढ़ने के साथ ही शेयर मार्केट में तेजी दिखने लगी। इस तेजी से सबसे ज्यादा फायदे में गौतम अडानी रहे। अडानी ग्रुप के चेयरमैन की नेटवर्थ में मंगलवार को 4.35 अरब डॉलर यानी करीब 36,505 करोड़ रुपये की तेजी आई। इसके साथ ही वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दो स्थान की छलांग लगाते हुए 16वें नंबर पर पहुंच गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 101 अरब डॉलर पहुंच गई है। अडानी मंगलवार को एनवीडिया के फाउंडर और सीईओ जेंसन हुआंग के बाद सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स रहे। हुआंग की नेटवर्थ में 4.36 अरब डॉलर की तेजी आई। अडानी की नेटवर्थ में इस साल 16.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में भी मंगलवार को तेजी रही। उनकी नेटवर्थ 2.12 अरब डॉलर की तेजी के साथ 106 अरब डॉलर पहुंच चुकी है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 9.90 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 14वें नंबर पर हैं।

त्योहारी सीजन में सस्ती होगी दाल!

> *मुनाफाखोरों के खिलाफ एक्शन में सरकार*

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले तीन महीने में मंडियों में दालों की कीमत में 10% गिरावट आई है। लेकिन इसके बावजूद दालों की रिटेल कीमत में कोई कमी नहीं आई है। इस पर अब सरकार एक्शन में आ गई है। सरकार ने दालों के खुदरा विक्रेताओं से थोक कीमतों में गिरावट का लाभ आम उपभोक्ताओं को देने को कहा है। इसके साथ ही सरकार ने चेताया कि यदि वे असामान्य रूप से मुनाफा कमाते हैं तो उनके खिलाफ आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। एक सरकारी बयान के अनुसार उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने मंगलवार को भारतीय खुदरा विक्रेताओं के संघ आरएआई और प्रमुख संगठित खुदरा श्रृंखलाओं के साथ प्रमुख दालों की कीमतों के आउटलुक और रुझानों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

यह बैठक त्योहारी सत्र को देखते हुए महत्वपूर्ण है। इसमें कहा गया कि हाल के महीनों में अधिकांश दालों की मंडी (थोक) कीमतों में गिरावट का रुख रहा है, जबकि इस साल खरीफ दालों की बेहतर उपलब्धता और अधिक बुवाई का रकबा है। खरे ने बताया कि पिछले तीन महीनों के दौरान प्रमुख मंडियों में अरहर और उड़द की कीमतों में औसतन लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन खुदरा कीमतों में ऐसी गिरावट नहीं देखी गई है।

थोक कीमतों में गिरावट

उन्होंने कहा कि चने के मामले में पिछले एक महीने में मंडी कीमतों में गिरावट देखी गई है, लेकिन खुदरा कीमतों में वृद्धि जारी है। उन्होंने कहा कि थोक मंडी कीमतों और खुदरा कीमतों के बीच अलग-अलग रुझान खुदरा विक्रेताओं द्वारा निकाले जा रहे अनुचित मार्जिन का संकेत देते हैं। रुझानों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और अगर अंतर बढ़ता हुआ पाया जाता है तो आवश्यक उपाय शुरू करने होंगे। बैठक में आरएआई के अधिकारियों और रिलायंस रिटेल लिमिटेड, विशाल मार्ट, डी मार्ट, स्पेंसर और मोर रिटेल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बयान में कहा गया कि मौजूदा उपलब्धता की स्थिति और मंडी कीमतों में नरमी को देखते हुए सचिव ने खुदरा उद्योग से कहा कि वे दालों की कीमतों को उपभोक्ताओं के लिए किफायती बनाए रखने के सरकार के प्रयासों में हरसंभव सहायता प्रदान करें।

कबाड़ के तीन गोदामों में पुलिस ने की छापेमारी, 11 वाहन जब्त

दो करोड़ बताई जा रही कबाड़ की कीमत

रायगढ़, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायगढ़ जिला मुख्यालय में सिटी कोतवाली एवं जूटमिल थाने की पुलिस टीम ने तीन अलग-अलग कबाड़ गोदामों में छापेमारी करते हुए स्क्रैप और आयरन पैलेट लोडेड 11 वाहनो को भी जब्त किया है। पुलिस के द्वारा पकड़े गए कबाड़ की कीमत 2 करोड़ रूपये बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार कल शाम कोतवाली थाना एवं जूटमिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत तीन कबाड़ गोदामों पर पुलिस ने छापेमारी की है। पुलिस को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि इन गोदामों में अवैध रूप से स्क्रैप और खनिज पदार्थों का भंडारण किया जा रहा है। सूचना के आधार पर ओड़ीसा रोड गढ़उमरिया, इंदिरा नगर जोगीडीपा, और ग्राम लाखा के कबाड़ गोदामों पर कार्रवाई की गई। जूटमिल पुलिस के साथ अधिकारियों ने ओड़ीसा रोड के ग्राम गढउमरिया स्थित कबाड़ गोदाम में दो प्राइवेट गार्ड मिले। गार्ड ने गोदाम को नाजिम अली का होना बताया। गोदाम परिसर के पास खड़े दो ट्रेलर में स्पंज आयरन (पायलट गोली), दो माजदा वाहन तथा 6 ट्रक (फुल डाला) में विभिन्न प्रकार के स्क्रैप जिसमें तार के टुकड़े, लोहे के कबाड़ लोड मिला। गोदाम में मौजूद व्यक्तियों ने वाहनों में लोड स्क्रैप के संबंध में कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर जूटमिल पुलिस ने 10 वाहनों को मय लगभग 200 टन कबाड के साथ कब्जे में लेकर पुलिस लाइन लाकर खड़ी किया गया है, संबंधित वाहन मालिक को दस्तावेज के साथ तलब किया गया है। वहीं गोदाम के संचालक को नोटिस जारी किया गया है।

कोतवाली पुलिस ने शहर के भीतर इंदिरा नगर जोगीडीपा स्थित मो0 आरिफ के कबाड़ गोदाम में छापेमारी दौरान मो. आरिफ पिता हुसैन मोहम्मद मौजूद था।

अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी का खुलासा

एक दंपती समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने मुंबई से किया गिरफ्तार

दुर्ग, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुर्ग में पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने एक दंपति समेत तीन आरोपियों को मुंबई से गिरफ्तार किया है। तीनो आरोपी विदेश में कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी दिलाने के नाम पर सायबर स्कैम का काम करवाया करते थे। साथ ही उनके पासपोर्ट जप्त कर लिए जाते थे। इस मामले में पुलिस दो अन्य आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। प्रदेश में जिसके तहत आरोपी नौकरी लगने के नाम पर लोगों को गल्फ कंट्री भेजा करते थे भिलाई का भी एक व्यक्ति भारत आने के बाद उसने अपनी शिकायत साइबर पुलिस से की इसके बाद पुलिस ने मामले की तहकीकात शुरू की। जिसमे मुंबई के गोरेगांव में गोल्डन लिंक सर्विस के नाम से दो एजेंट भारत से लोगों को गल्फ कंट्री भेजा करते थे पकड़े जाने के बाद गिरोह के अन्य लोगो की पतासाजी में जुट गई है। विदेश में दूसरे प्रदेशों के 10 से अधिक लोगो वहां फंसे है जो भारत आना चाहते है उनके लिए। दुर्ग पुलिस ने भारत सरकार से भी पत्राचार करेगी। मुंबई में गोल्डन ट्रायंगल सर्विस एजेंसी खोलकर सीधे-साधे लोगों को गल्फ कंट्री में नौकरी दिलाने के नाम पर पहले उनसे लाख रूपये लेकर विदेश भेज जाता है उसके बाद एजेंट का कमीशन भी लिया जाता था इस मामले में कंप्यूटर ऑपरेटर की जगह उनसे साइबर स्कैम का काम कराया जाता था। भिलाई के भी एक युवक इनके झांसे में आ गया। उसे कंबोडिया के लाओस भेजा गया। लेकिन वहा उसके पासपोर्ट को जप्त कर उसे मानसिक प्रताड़ना दिए जाने लगा। इस बीच उससे किसी भी तरीके का एग्रीमेंट नहीं किया गया था। जिससे परेशान होकर शिकायतकर्ता युवक द्वारा भी प्लेसमेंट एजेंसी पर लगातार दबाव बनाने लगा।

छुई खदान धंसने से दबकर दो ग्रामीणों की मौत

सरगुजा में मिट्टी निकालने सुरंग में घुसे थे, खुदाई के दौरान गिरा ऊपरी हिस्सा

सरगुजा, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में छुई मिट्टी निकालने गए दो लोग खदान धंस जाने से मलबे में दब गए, उन्हें जब तक बाहर निकाला गया, दोनों की मौत हो गई। सूचना पर कुन्नी पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मामला लखनपुर थाना क्षेत्र के जमदरा का है।

जानकारी के मुताबिक, हीरामन यादव और शिवा यादव अन्य साथियों के साथ गांव से एक किलोमीटर दूर छुई मिट्टी निकालने पहुंचे थे। दोनों मिट्टी के टीले के नीचे सुंरगनुमा खदान के अंदर घुसे थे। दोनों अंदर छुई मिट्टी खोद रहे थे। इसी दौरान ऊपर का हिस्सा गिर गया। दोनों मिट्टी के बड़े ढेर में दब गए।

हीरामन और शिवा यादव के साथ छुई मिट्टी निकालने गए अन्य युवकों ने शोर मचाया। सूचना पर लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। ऊपर की मिट्टी हटाने का काम शुरू किया गया। जब तक

मिट्टी हटाकर दोनों को बाहर निकाला गया, दोनों की मौत हो गई थी। सूचना पर कुन्नी पुलिस मौके पर पहुंची और शवों का पंचनामा किया। ग्रामीणों ने बताया कि जमदरा में जहां हादसा हुआ, वहां बड़ी संख्या में लोग छुई मिट्टी निकालते हैं। मौसम साफ होने के बाद लोग रोज छुई मिट्टी निकाल रहे थे। इसके कारण नीचे सुरंग बन गई थी।

एक माह पहले सूरजपुर जिले के गेतरा में छुई मिट्टी निकालने के दौरान 2 महिलाएं और एक युवती दब गई थी, जिनमें से 2 को सुरक्षित बाहर निकाला लिया गया था, लेकिन युवती फुलकुंवर अंदर दब गई थी, जिसकी मौके पर मौत हो गई थी। संभाग में कई छुई खदान खतरनाक स्थिति में हैं। आदिवासी बाहुल्य इलाके में छुई मिट्टी का उपयोग कच्ची दीवारों की पोताई के लिए किया जाता है। घरों की पोताई के साथ छुई मिट्टी बेची भी जाती है। इस कारण यह आजीविका का भी साधन है। सरगुजा संभाग में इसके पहले भी छुई मिट्टी की खदान में दबने से मौत के मामले सामने आ चुके हैं।

बिलासपुर में हो सकती है बारिश, गिर सकती है बिजली

दिन में गर्मी और रात में सर्द मौसम, 15 अक्टूबर के बाद गुलाबी ठंड की दस्तक

बिलासपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में आज हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के चलते बरसे बरस सकते हैं। एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात होने और अंधड़ चलने की भी संभावना है। वहीं 15 अक्टूबर के बाद गुलाबी ठंड महसूस होगी।

बिलासपुर में मौसम में बदलाव दिख रहा है। दिन में गर्मी और उमस के बीच अब रात में मौसम धीरे-धीरे सर्द होने लगा है। मंगलवार को दिन में बदली और बारिश की स्थिति बनी रही। हालांकि, बारिश नहीं हुई। लेकिन, वातावरण में नमी के चलते अधिकतम तापमान 32 डिग्री पर रहा। जिले में अक्टूबर के शुरूआती दो दिनों में बारिश की स्थिति बनी। इस दौरान 26.8 मिलीमीटर वर्षा हुई, जिसके बाद

बारिश थम सी गई। वहीं, धूप की वजह से तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही थी। दो दिन पहले तापमान 34 डिग्री के पार हो गया था। हालांकि, मौसम में बदलाव और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी की वजह से सोमवार को तापमान कुछ कम हुआ। हल्की बूंदाबांदी और बदली की वजह से अधिकतम तापमान 32 डिग्री रहा। मंगलवार को भी दिन भर धूप और बदली आती जाती रही। इस दौरान दोपहर में गर्मी और उमस से लोग परेशान रहे। मौसम वेधशाला के विज्ञानी डा. एचपी चंद्रा का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी की वजह से वातावरण बदल गया है। बारिश की स्थिति बनी हुई है। इसके प्रभाव से बिलासपुर समेत प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने या गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। बिलासपुर में भी हल्की वर्षा हो सकती है। 10 अक्टूबर के बाद मौसम फिर से साफ हो जाएगा। यहीं से मानसून की विदाई को लेकर परिस्थितियां बनेंगी।

छत्तीसगढ़ बुलाई गई नेपाल-यूपी की लड़कियां

बिलासपुर में सेक्स रैकेट का खुलासा, कारोबारी होटलों में युवतियों की कराता था बुकिंग, 9 गिरफ्तार

बिलासपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पुलिस ने जिस्मफरोशी के धंधे का पर्दाफाश किया है। शहर के कारोबारी युवक ने इंस्टाग्राम के जरिए नेपाल, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल और ओडिशा सहित रायपुर और दुर्ग की युवतियों का गैंग बनाया, जिसके बाद आरोपी उनकी बुकिंग लेकर होटलों में देह व्यापार कराता रहा। चौकी प्रभारी एसआई रामनरेश यादव ने बताया कि पुलिस को पिछले कुछ दिनों से सूचना मिल रही थी कि मोपका के विवेकानंद कॉलोनी के एक मकान में बाहर की लड़कियां आकर रुकीं हैं और उनकी गतिविधियां संदिग्ध है। इस पर घटना की जानकारी सीएसपी सिद्धार्थ बघेल को दी गई। फिर एसपी रजनेश सिंह से मार्गदर्शन लेकर संदेहियों की जानकारी जुटाई। जिसके बाद पुलिस की टीम ने कॉलोनी के मकान में दबिश दी, जहां एक युवक और 8 लड़कियां मिली।

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मसानगंज निवासी विकास भोजवानी पिता चंद्रप्रकाश भोजवानी (40) ने युवतियों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम से संपर्क किया था। इस दौरान युवक ने उन्हें बिलासपुर में आकर काम करने का ऑफर दिया। पैसे कमाने की लालच में आकर लड़कियां यहां काम करने के लिए तैयार हो गई। लिहाजा, युवक ने उनके लिए विवेकानंद कॉलोनी में किराए पर मकान लिया, जिसके बाद वो देहव्यापार के लिए बुकिंग लेने लगा। पुलिस ने देह व्यापार करने वाली युवतियों के साथ ही आरोपी युवक से पूछताछ की, तब बताया गया कि आरोपी युवक एक बुकिंग के लिए युवतियों को 3 से 5 हजार रुपए देता था। वहीं, वह ग्राहकों से दो से ढाई गुना यानी 5 से 15 हजार रुपए वसूलता था। आरोपियों ने पूछताछ में यह भी बताया कि बिलासपुर और आसपास के जिलों के युवकों का नेटवर्क तैयार किया गया था। इसमें युवक ग्राहकों से बुकिंग लेता था और लड़कियों को होटल भेजता था। युवतियां उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी उसकी थी और होटल बुकिंग ग्राहक बनकर आए युवक खुद कराते थे।

दरअसल, शहर और आसपास इलाकों में वोयो होटल की भरमार हैं, जहां इस तरह से जिस्मफरोशी का धंधा चलता है। होटल चलाने वाले लोग युवक-युवतियों से आईडी लेकर कमरा बुक कर देते हैं, जिसके बाद कमरों में क्या चल रहा है, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं होता। जानकार बताते हैं कि होटलों में घंटे के हिसाब से रेट तय है। जिससे वो मनमानी तरीके से कमाई करते हैं। पुलिस की पूछताछ में आरोपी विकास भोजवानी ने बताया कि वह पहले छड़-सीमेंट का धंधा करता था।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग, सचिन तेंदुलकर, लारा आएंगे रायपुर

जॉन्टी रॉड्स, शेन वॉटसन जैसे 6 टीमों के लीजेंड्स 26 नवंबर को पहुंचेंगे, 8 मैच यहीं होंगे

रायपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) रायपुर में होने जा रहा है। रायपुर के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर क्रिकेट खेलते दिखेंगे। सिर्फ सचिन ही नहीं ब्रायन लारा, शेन वॉट्सन और जॉन्टी रॉड्स जैसे कई स्पोर्ट्स लीजेंड रायपुर पहुंचने वाले हैं।

आईएमएल का शेड्यूल भी जारी हो गया है। 26 नवंबर से खिलाड़ियों के रायपुर पहुंचने का सिलसिला शुरू होगा। 28 नवंबर को शहीद वीरनारायण स्टेडियम में पहला मैच खेला जाएगा। रायपुर में ही आईएमएल का सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला होगा। यहां कुल 8 मैच खेले जाएंगे। सचिन समेत इंडियन क्रिकेट टीम के पुराने सितारे जैसे युवराज, सहवाग, कैफ भी रायपुर में दिखेंगे। आईएमएल की टीमों के कप्तान और शेड्यूल की घोषणा मुंबई में हुई। हालांकि किस टीम में कौन-कौन से खिलाड़ी होंगे तय नहीं है। सूत्रों की मानें तो इससे पहले रायपुर में खेले गए रोड सेफ्टी मैच में दिखे सितारे ही इस बार आईएमएल में नजर आएंगे।

टी-20 फॉर्मेट के ये मैच 17 नवंबर से शुरू होकर से 8 दिसंबर, 2024 तक खेले जाएंगे। डी.वाई. नवी मुंबई के पाटिल स्टेडियम में चार मैच के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। 17 नवंबर को भारत और श्रीलंका के बीच एक जोरदार मुकाबला होगा। इसमें सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा आमने-सामने होंगे। 21 और 24 नवंबर के इस सीरीज के मैच लखनऊ में होंगे।

डिप्टी सीएम ने पीएम आवास योजना के हितग्राहियों के धोए पैर

नए आवास की चाबी और प्रमाण पत्र किया भेंट

कबीरधाम, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। बुधवार को कवर्धा विधायक और डिप्टी सीएम विजय शर्मा कबीरधाम जिले के दौरे पर हैं। मोदी की गारंटी में शामिल प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आज शक्ति के प्रतीक पवित्र नवरात्रि पर्व के मौके पर कवर्धा के इंडोर स्टेडियम में आयोजित एक दिवसीय प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत जिला स्तरीय आवास मेला में शामिल हुए। जिले के 18 हजार से अधिक आवासहीन ग्रामीण परिवारों को उनके नए स्वीकृत हुए प्रधानमंत्री आवास योजना का स्वीकृत पत्र वितरण कर सम्मानित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का पारंपरिक संस्कृति से चरण पखार (पैर धोकर) ग्रामीण परिवारों का सम्मान कर स्वागत किया।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने आवास मेले में कबीरधाम जिले के 12 हजार से अधिक लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने नए आवास की चाबी और पूर्णता प्रमाण पत्र भेंट की। जिले में विगत कुछ ही समय में 12 हजार से अधिक पीएम आवास पूर्ण कर लिया गया है।

मुंगेली पालिका अध्यक्ष की बर्खास्तगी का आदेश निरस्त

हाईकोर्ट बोला- मामूली अनियमितताओं में ऐसी शक्ति का प्रयोग गलत, जनप्रतिनिधि के जीवन पर लगता है कलंक

बिलासपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में मुंगेली नगर पालिका के अध्यक्ष के बर्खास्तगी आदेश को निरस्त कर दिया है। जस्टिस पीपी साहू की सिंगल बेंच ने माना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार मामूली अनियमितताओं के लिए राज्य सरकार को ऐसी शक्ति का प्रयोग नहीं करना चाहिए। जनप्रतिनिधि को पद से हटाए जाने से उसके व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन पर कलंक लगता है। बता दें कि पूर्ववर्ती सरकार ने आर्थिक अनियमितता के आरोप में नगर पालिका के अध्यक्ष संतुलाल सोनकर को बर्खास्त कर दिया था। दरअसल, मुंगेली नगर पालिका परिषद में संतुलाल सोनकर साल 2019-20 में अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। इस बीच महज एक साल के कार्यकाल के बाद नाली निर्माण के भुगतान संबंधी अनियमितता में लिप्त होने का आरोप लगाकर कांग्रेस की भूपेश सरकार ने उन्हें बर्खास्त कर दिया था। अपनी बर्खास्तगी आदेश को उन्होंने अपने एडवोकेट के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसमें बताया गया कि राज्य शासन ने अपने पद और अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए राजनीतिक दुर्भावना के चलते याचिकाकर्ता के खिलाफ कार्रवाई की है। जबकि, शासन के पास उसे हटाने के लिए कोई मजबूत और ठोस कारण नहीं है। जिन आरोपों के चलते उन्हें हटाया गया है, उसके लिए वो प्रत्यक्ष तौर पर जिम्मेदार भी नहीं है। इस मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला दिया गया। सभी पक्षों की सुनवाई के बाद जस्टिस पीपी साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ म्यूनिस्पल्टी एक्ट 1961 की धारा 41-ए के तहत याचिकाकर्ता को नगर पालिका अध्यक्ष पद से हटाना गलत है। कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा याचिकाकर्ता को हटाने के लिए 30 नवंबर 2021 को जारी आदेश को निरस्त कर दिया है। मुंगेली नगर पालिका क्षेत्र के परमहंस वार्ड में नाली निर्माण किया जाना था। इसके लिए सोफिया कंस्ट्रक्शन को कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। बाद में इस मामले में यह बात सामने आई कि ठेकेदार ने तो सिर्फ कागजों में ही नाली निर्माण किया है। इतना ही नहीं यह भी पता चला कि नाली निर्माण में नगर पालिका से 13 लाख 21 हजार 818 रुपए भी ले लिए गए। जांच में बात सामने आई कि ठेकेदार को नगर पालिका कार्यालय से जो चेक जारी किया गया था, उसमें तत्कालीन प्रभारी सीएमओ विकास पाटले और नगर पालिका अध्यक्ष संतुलाल सोनकर के हस्ताक्षर थे।

रेत लोड ट्रैक्टर ने 8 साल के बच्चे को कुचला, मौत

बलौदाबाजार में 7 घंटे प्रदर्शन, विधायक बोले-माफिया से प्रति गाड़ी 200 रुपए वसूली

बलौदाबाजार, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। बलौदाबाजार में मंगलवार सुबह 7 बजे अवैध रेत लोड ट्रैक्टर ने 8 साल के बच्चे को रौंद दिया, जिससे बच्चे की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया। विधायक संदीप साहू समेत ग्रामीणों ने 7 घंटे तक धरना प्रदर्शन किया। मामला पलारी ब्लॉक के ग्राम खैरी का है।

इस दौरान विधायक संदीप ने कहा कि सागौन के घने जंगल से होकर रेत माफिया गुजरते हैं। रेत माफिया से प्रति गाड़ी 200 रुपए की वसूली वन विभाग कर रहा है। अवैध खनन में वन विभाग के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत है।

मिली जानकारी के मुताबिक मरने वाले बच्चे का नाम कार्तिक है। उसके पिता नाम उत्तम है, जो खैरी गांव के निवासी हैं। हादसे के बाद गांव के लोग आक्रोशित हो गए। सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक धरना दिया। बताया जा रहा है कि मुडीयाडीह गांव से टैक्टर रेत लेकर आ रहा था, तभी हादसा हुआ है।

मिली जानकारी के मुताबिक रेत घाट को स्थानीय पंचायत और गांव के कुछ युवक अवैध रूप से चला रहे हैं। सोमवार को ही विधायक संदीप साहू ने कलेक्टर दीपक सोनी को ज्ञापन सौंप कर अवैध रेत परिवहन और खनन पर कार्रवाई की मांग की थी। मंगलवार को यह हादसा हो गया है। इस दौरान ग्रामीणों ने लाश उठाने से मना कर दिया। पलारी टीआई ने तहसीलदार को बुलाकर परिवार और ग्रामीणों से ज्ञापन लिया। ग्रामीणों ने 50 लाख रुपए की मुआवजे की मांग की। इस पर तहसीलदार ने नियमानुसार मुआवजा देने की बात कही, जिसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम कराने के लिए भेजा गया।

विधायक संदीप साहू पलारी ब्लॉक के सागौन के घने जंगल में बने अवैध रास्ते से होकर नदी तक पहुंचे। विधायक ने देखा कि रेत माफिया ने जंगल के बीच से लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबा रास्ता बनाया है। कई पेड़ काट डाले हैं, जिसका उपयोग कर रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टर रेत निकाल रहे हैं।

पलारी एसडीएम सीमा ठाकुर ने परिजनों से कहा कि स्थानीय प्रशासन ने स्थिति को गंभीरता से लिया है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं पलारी टीआई केशर पराग बंजारा ने कहा कि आरोपी टैक्टर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी लव उर्फ लक्की साहू ग्राम बिनौरी निवासी है। कार्रवाई कर जेल भेजा जा रहा है।

सविता महतो अपनी बेटी के लिए छोड़ेंगीं मैदान

आजसू पार्टी के खाते में सीट जाने से अरविंद सिंह करेंगे बगावत?

ईचागढ़, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और ईचागढ़ सीट पर मुकाबला दिलचस्प होने वाला है। इस सीट पर कुर्मी-महतो वोटरों का दबदबा है। पिछली बार सरायकेला में झामुमो, भाजपा और आजसू पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला हुआ था, वहीं इस बार भी ईचागढ़ सीट पर इस बार कांटे की टक्कर होने वाली है। झामुमो की सविता महतो, भाजपा के कई दावेदार अरविंद कुमार सिंह और आजसू के हरेलाल महतो ने चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रखी है।

ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में कुर्मी वोटरों का दबदबा रहा है। यही कारण है कि सभी पार्टियां वोटरों को लुभाने की कोशिश में लगी हैं। आगामी चुनाव में कुर्मी, आदिवासी और ओबीसी वोटर निर्णायक होंगे। एक रिपोर्ट में

बताया गया है कि ईचागढ़ में लगभग 90 हजार कुर्मी वोटर हैं। दूसरे नंबर पर आदिवासी और तीसरे नंबर पर ओबीसी वोटरों की संख्या है। यहां सामान्य वर्ग के वोटर बहुत कम हैं। इसके बावजूद अरविंद कुमार सिंह यहां से तीन बार चुनाव जीत चुके हैं।

वर्तमान में झामुमो की सविता महतो ईचागढ़ सीट से विधायक हैं। वह झारखंड के पूर्व कद्दावर नेता स्वर्गीय सुधीर महतो की पत्नी हैं। झामुमो की ओर से उन्हें एक बार फिर से टिकट दिया जाना लगभग तय है। हालांकि राजनीतिक हलकों में इस बात की भी चर्चा है कि इस बार जेएमएम की ओर से सविता महतो की बेटी को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। भाजपा से इस बार कई नेता टिकट के दावेदार हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार साधु चरण महतो तीसरे स्थान पर रहे थे। उनके निधन के बाद पार्टी से कई लोग टिकट की दौड़ में शामिल हैं।

गोगो दीदी योजना के नाम पर धांधली

पोटका में भटक रहे लोग, कुछ लोगों के लिए यह योजना कमाई का जरिया बनी

जमशेदपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा मईया सम्मान योजना के जवाब में शुरू की गई 'गोगो दीदी योजना' पोटका और हाता क्षेत्र के लोगों के लिए उलझन बन गई है। योजना का फॉर्म जमा करने के लिए लोग भारी संख्या में पोटका की पूर्व विधायक मेनका सरदार के आवास के चक्कर लगा रहे हैं। इस मामले में चापी गांव के अनीता सरदार, जयंती सरदार एवं अन्य लोगों ने कहा कि उन्हें यह फॉर्म स्थानीय जनप्रतिनिधियों से पांच रुपए में मिला है। लेकिन जब वे इसे जमा करने पहुंचे, तो निराश होकर लौटना पड़ा। पूर्व विधायक मेनका सरदार के आवास पर फॉर्म जमा कराने आए लोगों को यह कहकर लौटा दिया गया कि यह

असली फॉर्म नहीं है, बल्कि फोटो कॉपी है। भाजपा नेता विभीषण सरदार ने लोगों को समझाया कि फॉर्म यहां जमा नहीं होंगे, बल्कि जहां से फॉर्म मिला है, वहीं जमा करना होगा। इस पर लोगों को थोड़ी राहत मिली, लेकिन उनके चेहरे पर अब भी असमंजस दिख रहा था। इस योजना से जुड़ी उम्मीदों के चलते लोग भटक रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि फॉर्म जमा करने के बाद हर महीने 2100 रुपए मिलेंगे।

अंतरराज्यीय देह व्यापार रैकट का भंडाफोड़

एक मकान से आठ युवतियां गिरफ्तार

बिलासपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिलासपुर के सरकंडा थाना क्षेत्र में अंतर्राज्यीय देह व्यापार करने वालों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। मोपका के एक मकान में संदिग्ध अवस्था में 1 युवक व 8 युवतियां मिले। सभी को गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायालय में पेश किया है।

दरअसल सरकंडा थाना क्षेत्रांतर्गत मोपका क्षेत्र में अवैध देह व्यापार की सूचना लगातार पुलिस को मिल रही थी। इस पर सरकंडा पुलिस मुखबिर के माध्यम से तलाश में जुट गई। इसी बीच 8 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली कि मोपका के एक मकान में करीब 7-8 लड़कियां अलग अलग राज्यों से आईं हुई हैं जो देहव्यापार में लिप्त है। इसकी सूचना पर सी.एस.पी सरकंडा सिद्धार्थ बघेल ने टीम तैयार कर मुखबिर के बताये घर पर रेड की।

नक्सलियों के गढ़ में तीन फेरीवालों के मर्डर से सनसनी

डेड बॉडी के साथ क्रूरता कर नदी के पास फेंका

चाईबासा, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुदड़ी थाना क्षेत्र में तीन फेरीवालों की सामुहिक हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अति नक्सल प्रभावित जतरमा गांव पहुंची और तीनों मृतकों का क्षतविक्षत शव बरामद कर लिया है।

तीनों की लाठी-डंडे से पिटाई कर पत्थर से कुचल दिये जाने के कारण शव काफी विभत्स हो गया है। देर शाम तक बंदगांव के रास्ते शव को टेबो थाना लाया गया है। फिलहाल शव वहीं रखा गया है। बताया जा रहा है कि बुधवार दोपहर तक पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर लगाया जाएगा। मृतक बंदगांव में रहकर उक्त क्षेत्र में फेरी लगाकर अपना सामान बेचते थे।

हत्या का कारण क्या है यह साफ नहीं हो पा रहा है। अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण हत्या नक्सली द्वारा किया गया है या दूसरे लोगों ने यह साफ नहीं हो पा रहा है।

तीनों मृतक बिहार के रहने वाले बताये जाते हैं। मिली जानकारी के अनुसार तीनों मृतक रविवार को फेरी करने गांव की ओर निकले थे। शाम तक वापस नहीं आये तो उसके साथियों ने खोजबीन शुरू की। तभी तीनों का शव बरामद हुआ है।

अब तक इस संबंध में जिला पुलिस की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गयी है।

इजराइल-हमास जंग में खंडहर में तब्दील हुआ गाजा

एक साल में 60% इमारतें तबाह हुईं, दोबारा बनाने में 80 साल लगेंगे

तेल अवीव, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच एक साल से जारी जंग की वजह से गाजा खंडहर में तब्दील हो चुका है। गाजा की 60% इमारतें बर्बाद हो चुकी हैं। इजराइल ने हमास को खत्म करने के लिए उन इलाकों को बर्बाद कर दिया जो कभी लाखों लोगों का घर हुआ करते थे। इजराइली सेना के हवाई हमलों का सबसे ज्यादा असर खान यूनिस, गाजा सिटी और जबालिया पर पड़ा है।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक गाजा पट्टी में जंग शुरू होने के बाद इस साल जून तक 39 मिलियन टन मलबा पैदा हुआ था। इसमें रेत, बिना फटे बम, एस्बेस्टस, खतरनाक पदार्थ और यहां तक कि लोगों के अवशेष भी शामिल हैं। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि इन बर्बाद हो चुके घरों को फिर से पहले जैसा बनाने में 80 साल लगेंगे। हालांकि, गाजा में रहने

वाले लोगों के पास न तो इतना समय बचा है और न ही उनके पास इतना पैसा है जो इसकी भरपाई कर सकें।

खान यूनिस की 54% इमारतें खंडहर हुईं

खान यूनिस गाजा दक्षिण में बसा एक सैकड़ों साल पुराना शहर है। खान यूनिस के लोगों का कहना है उनका शहर एक भुतहा शहर बन चुका है। वे जिन घरों में रहते थे उन्हें बुलडोजर से गिरा दिया गया है। हॉस्पिटल, मस्जिद, स्कूलों को इजराइली तोपखाने ने मलबे में बदल दिया है। इजराइल का कहना है कि हमास के आतंकियों का सफाया करने के लिए इस तरह के हमले जरूरी हैं।

खान यूनिस के भीतर मामलुक युग (1250-1517) की एक सिटाडेल दीवार बची हुई है। एक साल पहले इस दीवार के नजदीक सिटाडेल स्क्वायर हुआ करता था। यहां दुकानदार मिठाई बेचा करते थे। लोग हुक्का पीने के लिए यहां जमा होते थे। इसी जगह पर 96 साल पुरानी ग्रैंड मस्जिद भी हुआ करती थी। यहां पर लोग शुक्रवार की नमाज अदा करने जाते थे और रमजान के दौरान परिवार के साथ देर रात तक जागते थे। अब यहां सिर्फ मलबा बिखरा पड़ा है। गाजा सिटी, गाजा पट्टी की राजधानी है। यह भूमध्य सागर के किनारे पर स्थित है और इसकी आबादी लगभग 20 लाख है। ये दुनिया का सबसे घनी आबादी वाला इलाका है। गाजा को फोनिशियन, रोमन, ओटोमन समेत कई सभ्यताओं का गढ़ माना जाता है। जंग ने गाजा के सांस्कृतिक और धार्मिक स्थानों को तहस-नहस कर दिया है। इसमें गाजा की सबसे पुरानी मस्जिद भी शामिल है।

अमेरिका में तूफान मिल्टन मचाने जा रहा तबाही!

फ्लोरिडा में भयानक बाढ़ की चेतावनी, लोगों को इलाका खाली करने को कहा गया

वॉशिंगटन, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में एक विनाशकारी तूफान तबाही मचाने वाला है। तूफान मिल्टन अमेरिका में फ्लोरिडा के पश्चिमी तट की ओर बढ़ रहा है। थोड़ा कमजोर होने के बावजूद मैक्सिको की दक्षिण-पश्चिमी खाड़ी में श्रेणी 5 का तूफान बना हुआ है। इसके भारी तबाही मचाने की आशंका है। राष्ट्रीय तूफान केंद्र (एनएचसी) के पूर्वानुमानकर्ताओं ने सोमवार शाम को बताया था, 'मिल्टन तूफान में फ्लोरिडा के लिए रेकॉर्ड रूप से सबसे विनाशकारी तूफान होने की क्षमता है।' तूफान के कारण 270 किमी प्रति घंटे की स्पीड से हवाएं चल रही हैं। फ्लोरिडा के लगभग पूरे पश्चिमी तट पर मंगलवार को तूफान की चेतावनी जारी की गई। बड़े पैमाने पर रेसक्यू मिशन चलाया जा रहा है।

यूक्रेन को समर्थन देने से तिलमिलाया रूस

ब्रिटेन में मचा सकता है अफरा-तफरी, खुफिया एजेंसी का दावा

लंदन, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच दो साल से अधिक समय से जंग जारी है। इस बीच चौंकाने वाली खबर सामने आई है। बताया जा रहा कि रूस की खुफिया एजेंसी लंदन में अफरा-तफरा मचाना चाहती है। यह दावा ब्रिटेन की घरेलू खुफिया सेवा के प्रमुख ने मंगलवार को किया। उनका कहना है कि यूक्रेन को समर्थन देने के लिए रूस ब्रिटेन में अफरा-तफरी मचाने पर आमादा है। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि एमआई5 ने जनवरी 2022 से अब तक ईरान समर्थित 20 साजिशों का जवाब दिया है, जो ब्रिटिश में रहने वाले लोगों को नुकसान पहुंचा सकती थी। ब्रिटेन की घरेलू खुफिया सेवा के प्रमुख केन मैक्कलम ने कहा कि रूस और ईरान ने ब्रिटिश धरती पर अपना काम करने के लिए अपराधियों और निजी खुफिया अधिकारियों को नियुक्त

करना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि ब्रिटेन को रूस की ओर से आक्रामक गतिविधियां जारी रहने की उम्मीद करनी चाहिए क्योंकि उसकी सैन्य खुफिया एजेंसी जीआरयू देश की सड़कों पर अफरा-तफरी मचाने के लिए लगातार अभियान चलाएगी। ईरान पर मैक्कलम ने कहा कि पिछले दो वर्षों में कई बार साजिश रची गई है। मध्य पूर्व में घट रही घटनाओं के मद्देनजर एमआई5 ब्रिटेन में ईरानी सरकार समर्थित आक्रामकता के बढ़ने के खतरे पर अपना पूरा ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, एमआई5 और पुलिस ने मार्च 2017 से अब तक हमले की 43 साजिशों को नाकाम कर दिया है, जिससे कई लोगों की जान बच गई है। उन्होंने कहा कि उनमें से कुछ षड्यंत्रकारी सामूहिक हत्या की योजना के अंतिम दिनों में आग्नेयास्त्र और विस्फोटक हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।

राफेल परमाणु फाइटर जेट को हवा में मिलेगा 'शाही बॉडीगार्ड'

फ्रांस का बड़ा ऐलान, भारत की भी होगी बल्ले-बल्ले!

पेरिस, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांस का लड़ाकू विमान राफेल पूरी दुनिया में सफलता के नए प्रतिमान गढ़ रहा है। भारत से लेकर कतर तक ने फ्रांस को जमकर ऑर्डर दिए हैं। इससे राफेल बनाने वाली कंपनी डसाल्ट एविएशन की चांदी हो गई है। अब फ्रांसीसी कंपनी राफेल मल्टी रोल जेट की अगली पीढ़ी एफ5 बना रही है जो हवा में ही 'शाही बॉडीगार्ड' से लैस होगा। दरअसल, फ्रांसीसी कंपनी चाहती है कि हवा में राफेल के साथ एक मानवरहित ड्रोन विमान भी उड़ान भरे। यह ड्रोन राफेल के पायलट के इशारे पर काम करेगा और दुश्मन को तबाह करने में मदद करेगा। फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टिअन लेकोर्नू ने राफेल के घर कहे जाने वाले सेंट डिजिअर एयरबेस पर इस ड्रोन का ऐलान किया। यह ड्रोन पहले के न्यूरॉन यूसीएवी प्राजेक्ट के आधार पर तैयार किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यूरॉन यूसीएवी का ट्रायल के दौरान पायलट वाले लड़ाकू विमानों के साथ पहले ही

इस्तेमाल किया जा रहा है। डसॉल्ट कंपनी के सीईओ एरिक ट्रैप्पियर ने कहा, 'यह रेडार की पकड़ में नहीं आने वाला लड़ाकू ड्रोन विमान साल 2033 तक फ्रांसीसी एयर फोर्स को तकनीकी और ऑपरेशनल बढ़त दिलाएगा।' यह ड्रोन विमान कई तरह की क्षमताओं से लैस होगा और इसे शामिल किया जाएगा। इस ड्रोन का अभी कोई नाम नहीं रखा गया है और यह राफेल का पूरक होगा। यह ड्रोन और राफेल दोनों मिलकर युद्ध के मैदान में काम करेंगे।

इस यूएवी के अंदर ही एक आंतरिक पेलोड होगा। इस ड्रोन में ऑटोनॉमस कंट्रोल और राफेल का पायलट इसे आसानी से उड़ा सकेगा। डसॉल्ट ने बताया कि यह ड्रोन विमान कई गुणों से लैस होगा और भविष्य में आने वाले खतरों को ध्यान में रखकर इसे आगे भी विकसित किया जा सकेगा। कंपनी ने इस किलर ड्रोन के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी है। बता दें कि फ्रांस एक परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र है और वह अब राफेल की मदद से परमाणु प्रतिरोधक क्षमता रखता है। इससे पहले मिराज फाइटर परमाणु बम गिराने के लिए तैयार किया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक भविष्य में किलर ड्रोन परमाणु मिशन के दौरान आकाश में आने वाले खतरों को दूर करेगा और इसके बाद राफेल आराम से एटम बम गिरा सकेगा। राफेल का एफ-5 वर्जन नए ड्रोन के साथ साल 2060 तक फ्रांस की वायुसेना में बना रह सकेगा। राफेल के एफ-5 वर्जन के लिए शुरुआती अध्ययन हो चुका है और साल 2026-27 में इसका पूरा विकास शुरू हो जाएगा।

हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह के उत्तराधिकारी सैफिद्दीन की मौत

पिछले हफ्ते एयरस्ट्राइक में मारा गया इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने पुष्टि की

बेरूत/तेल अवीव, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह के उत्तराधिकारी हाशेम सैफिद्दीन की मौत की पुष्टि कर दी है। टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर के मुताबिक सैफिद्दीन पिछले हफ्ते गुरुवार को बेरूत में हुई एयरस्ट्राइक में मारा गया है। नेतन्याहू से पहले कल शाम रक्षामंत्री योव गैलेंट ने भी उसकी मौत का दावा किया था। 27 सितंबर को इजराइली हमले में मारे गए हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह के बाद, सैफिद्दीन को अगले चीफ का अहम दावेदार माना जा रहा था। वो पिछले 30 सालों से हिजबुल्लाह का ऐग्जीक्यूटिव काउंसिल का प्रमुख बना दिया गया था। वर्तमान में सैफिद्दीन हिजबुल्लाह की ऐग्जीक्यूटिव काउंसिल का सदस्य और हसन नसरल्लाह का ममेरा भाई था।

हिजबुल्लाह से 1990 में जुड़ा था सैफिद्दीन

सैफिद्दीन का जन्म 1964 में लेबनान के डेर कानून अल-नहर

शहर में हुआ था। सैफिद्दीन और नसरल्लाह दोनों ने एक साथ धार्मिक शिक्षा ली है। ये दोनों ईरान के कौम और इराक के नजफ जैसे प्रमुख शिया शिक्षा केंद्रों में एक साथ पढ़े हैं।

1990 के दशक में दोनों को इस्लामी शिक्षा के दौरान ईरान से वापस बुला लिया गया था। नसरल्लाह और सैफिद्दीन दोनों ने ही हिजबुल्लाह के शुरुआती दिनों में संगठन से जुड़े। 1994 में सैफिद्दीन को हिजबुल्लाह की ऐग्जीक्यूटिव काउंसिल का प्रमुख बना दिया गया।

पिछले 3 दशकों से सैफीद्दीन हिजबुल्लाह की फंडिंग और संगठन की शिक्षा जैसे मामलों को देखता आ रहा था। वहीं नसरल्लाह संगठन के रणनीतिक मामलों को देखता था। नसरल्लाह की 27 सितंबर को इजराइली हमले में मौत हो गई थी। इजराइल ने बेरूत में हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर 80 टन बम से हमला किया था। शुक्रवार को हुए इस हमले के लगभग 20 घंटे बाद हिजबुल्लाह ने शनिवार शाम 5 बजे नसरल्लाह की मौत की पुष्टि की थी। इसके बाद 29 सितंबर को हिजबुल्लाह हेडक्वार्टर के नीचे से उसकी डेड बॉडी बरामद हुई थी। नसरल्लाह के अलावा उसकी बेटी जैनब की भी इस हमले में मौत हो गई थी। मौत के 7 दिन बाद उसे सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। इजराइली हमले के डर से नसरल्लाह को सीक्रेट जगह पर दफनाया गया है। नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि इजराइल ईरान पर हमला जरूर करेगा। दरअसल, 1 अक्टूबर को देर रात ईरान ने इजराइल पर 180 मिसाइलें दागी थीं।

फ्रांस ने लादेन के बेटे को देश से निकाला

बर्थडे पर पिता की तारीफ की थी, गृहमंत्री बोले- उसकी एंट्री हमेशा के लिए बंद

पेरिस, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांस ने आतंकी ओसामा बिन लादेन के बेटे उमर बिन लादेन के देश लौटने पर हमेशा के लिए रोक लगा दी है। बीबीसी के मुताबिक फ्रांस के गृह मंत्री ब्रूनो रितेयू ने मंगलवार को इस आदेश पर दस्तखत किया। गृह मंत्री रितेयू ने कहा कि अब उमर बिन लादेन के फ्रांस लौटने की उम्मीद हमेशा के लिए खत्म हो चुकी है। रितेयू ने कहा कि उमर ने सोशल मीडिया पर आतंक को बढ़ावा देने से जुड़े पोस्ट किए थे। 43 साल का उमर फ्रांस के नॉरमंडी में 2016 से रह रहा था। उसने ब्रिटिश नागरिक जैना मोहम्मद अल-सबा(जेन फेलिक्स ब्राउन) से शादी की थी, जिसके बाद उसे फ्रांस में रहने की अनुमति मिली थी। यहां पर वह पेंटिंग कर अपना जीवन यापन करता था। पिछले साल उमर ने पिता ओसामा बिन लादेन के जन्मदिन पर एक पोस्ट किया था। इमसें उसने पिता की तारीफ की थी। इसे आतंकवाद के समर्थन के तौर पर देखा गया था। इसके बाद उसका फ्रांस में रहने का परमिट दो साल के लिए रद्द कर दिया गया था। इसके बाद वह पत्नी के साथ कतर चला गया था। उमर बिन लादेन का जन्म 1981 में सऊदी अरब में हुआ था। वह ओसामा का चौथा बेटा है।

उमर बिन लादेन अपने पिता के साथ 1991 से लेकर 1996 तक सूडान में रहा था। इस दौरान उसे अलकायदा का अगला वारिस माना जाने लगा था। 2001 में पिता का साथ छोड़ने के बाद उमर ने माना था कि उसने अल-कायदा के ट्रेनिंग कैंपों में हथियार चलाने की ट्रेनिंग ली थी।

संविधान संशोधन को समर्थन देने से जेयूआई-एफ का इनकार

मौलाना रहमान की पार्टी ने दावों को बताया अफवाह

इस्लामाबाद, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सरकार द्वारा लाए जा रहे संविधान संशोधन प्रस्ताव पर हंगामा जारी है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई इसका पुरजोर विरोध कर रही है, वहीं सरकार भी इस प्रस्ताव को पास कराने में अपना पूरा जोर लगा रही है। अब मौलाना फजलुर रहमान की पार्टी जेयूआई-एफ ने इस संशोधन प्रस्ताव को समर्थन देने की खबरों को अफवाह करार दिया है। दरअसल ऐसा दावा किया जा रहा था कि जेयूआई-एफ ने संविधान संशोधन को समर्थन दे दिया है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) ने दावा किया है कि संसद में 'संवैधानिक पैकेज' पेश करने का फैसला सरकार ने उनके अनुरोध पर टाल दिया है। संशोधन के विरोध के बारे में पार्टी के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और जेयूआई-एफ ने मामले को 'विवादित' बताया। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, पार्टी के एक पदाधिकारी ने कहा, 'अब इस मामले को एससीओ शिखर सम्मेलन के बाद उठाया जाएगा।' पाकिस्तान में अगले हफ्ते एससीओ सम्मेलन की बैठक होनी है, जिसमें विभिन्न देशों के राष्ट्र प्रमुख पाकिस्तान पहुंचेंगे। ऐसे में पाकिस्तान की सरकार भी किसी तरह के विवाद में नहीं पड़ना चाहती। इमरान खान की पार्टी पीटीआई द्वारा भी इस संविधान संशोधन का विरोध किया जा रहा है। इसे लेकर हाल ही में पीटीआई ने विभिन्न शहरों में विरोध प्रदर्शन किए थे, जिनमें हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं भी हुईं। जेयूआई-एफ चीफ मौलाना फजलुर रहमान ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर एक बैठक में शिरकत की थी।

इमरान खान की पार्टी के विरोध प्रदर्शन से 24 करोड़ रुपये का हुआ नुकसान

इस्लामाबाद, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने बीते सप्ताहांत में राजधानी इस्लामाबाद में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया था। इस दौरान खूब हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं भी हुईं। अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पीटीआई समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान करीब 24 करोड़ रुपये की सार्वजनिक और निजी संपत्ति का नुकसान किया है। इस्लामाबाद के महानिरीक्षक कार्यालय द्वारा इस्लामाबाद के आयुक्त को सौंपी गई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। गौरतलब है कि इमरान खान की पार्टी ने सरकार द्वारा संवैधानिक संशोधन पेश किए जाने के बाद न्यायपालिका की स्वतंत्रता की मांग करते हुए यह विरोध प्रदर्शन किया था। इमरान खान बीते एक साल रावलपिंडी

की अडियाला जेल में बंद हैं। पीटीआई समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान इमरान खान को जेल से बाहर निकालने की भी मांग की। पीटीआई ने इस्लामाबाद में डी-चौक पर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया, ये वही जगह है, जहां पीटीआई ने साल 2014 में संघीय राजधानी में 126 दिनों तक धरना प्रदर्शन किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीटीआई के विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने 14 करोड़ कीमत के 441 सिटी कैमरे क्षतिग्रस्त कर दिए। इसके अलावा पुलिस के 10 वाहन, 31 मोटरसाइकिल और 51 गैस मास्क भी तबाह कर दिए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने तीन निजी वाहनों और एक क्रेन को भी नुकसान पहुंचाया। इन विरोध प्रदर्शनों के दौरान एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और 31 घायल हुए हैं। मंगलवार को पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने बताया कि उनके मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार विंग ने आर्थिक गतिविधियों के रुकने के कारण पीटीआई के विरोध प्रदर्शन के कारण 190 अरब रुपये के आर्थिक नुकसान का आकलन किया है। अगले सप्ताह पाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक होनी है। पाकिस्तान की सरकार इस हाई प्रोफाइल बैठक की तैयारियों में जुटी है।

ऋण मुक्त ग्लोबल साउथ के देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय ढांचे में सुधार की जरूरत

भारत ने किया आह्वान

न्यूयार्क, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र को 'अनिश्चित विश्व में लचीलापन और विकास को बढ़ावा देना' विषय पर संबोधित करते हुए, इस ओर ध्यान आकर्षित किया कि किस प्रकार विकास संबंधी उपलब्धियां पटरी से उतर गई हैं, जिससे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में प्रगति को खतरा पैदा हो गया है। बता दें कि भारत ने ग्लोबल साउथ के देशों के लिए ऋण स्थिरता सुनिश्चित करने और ऋण जाल को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय ढांचे में सुधार के लिए एक ठोस और वैश्विक प्रयास का आह्वान किया है, जो कई संकटों से असंगत रूप से प्रभावित हुआ है। इस दौरान पी. हरीश ने कहा, ऋण स्थिरता सुनिश्चित

करने और ऋण जाल को रोकने, किफायती वित्त तक पहुंच प्रदान करने और वैश्विक व्यापार और निवेश प्रवाह में असमानताओं को दूर करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय ढांचे में सुधार के लिए एक ठोस वैश्विक प्रयास की आवश्यकता है। ग्लोबल साउथ देशों का मलतब है उन देशों से है, जो अल्प विकसित और विकास के मामलों काफी पीछे हैं।

वहीं सबसे कमजोर लोगों के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर प्रकाश डालते हुए, किसी को भी पीछे न छोड़ने के उद्देश्य से, हरीश ने कहा, महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाना लचीले समाजों के निर्माण की कुंजी है। उन्होंने डिजिटल प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने और इसे विकासशील दुनिया के लिए कैसे दोहराया जा सकता है, समेत भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत की तरफ से उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध किया।

उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ देशों को अपनी साझा चिंताओं को आवाज देनी चाहिए और आम हितों के इर्द-गिर्द एकजुट होना चाहिए।

उन्होंने कहा, भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उठाए गए कई कदमों के माध्यम से जलवायु कार्रवाई पर सिर्फ बात नहीं की है। उन्होंने जलवायु कार्रवाई की दिशा में भारत के ठोस कदमों के रूप में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन, आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) को सूचीबद्ध किया।

ट्रम्प ने कोरोना में पुतिन को टेस्टिंग किट भेजी थी

रूसी राष्ट्रपति ने कहा था- इसे सीक्रेट रखें, नहीं तो लोग आपसे नाराज होंगे

वाशिंगटन, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2020 में कोरोना महामारी के वक्त रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निजी इस्तेमाल के लिए कोविड टेस्टिंग किट भेजी थी। अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट के पत्रकार बॉब वुडवर्ड ने अपनी किताब 'वॉर' में इसका खुलासा किया है। किताब के मुताबिक, पुतिन को तब डर था कि वे इस वायरस का शिकार हो सकते हैं। इस मदद के बाद पुतिन ने ट्रम्प को आगाह भी किया था कि वे इस बात को सीक्रेट ही रखें, क्योंकि अगर लोगों को इस बात का पता चला तो वे अमेरिकी राष्ट्रपति से बेहद नाराज हो जाएंगे। हालांकि, ट्रम्प के चुनावी कैंपेन की टीम ने

इस दावे को खारिज कर दिया है। उन्होंने वुडवर्ड की किताब को 'कचरा' कहा है। 15 अक्टूबर को रिलीज होने वाली इस किताब में ट्रम्प के राष्ट्रपति पद से हटने के बाद भी उनके और पुतिन के बीच कई बार बातचीत होने का दावा किया गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने किताब के हवाले से बताया कि ट्रम्प ने अपने एक सहयोगी को फ्लोरिडा स्थित अपने आवास मार-ए-लागो से निकाला दिया था, ताकी वे पुतिन से बात कर पाएं। ट्रम्प के साथ काम करने वाले एक शख्स के हवाले से बताया गया कि 2021 में पूर्व अमेरिका राष्ट्रपति के व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद से उन्होंने पुतिन से करीब 6 बार बात की है। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति के ऑफिस क्रेमलिन ने बुधवार को इस दावे को नकार दिया। वुडवर्ड के दावों पर ट्रम्प के चुनावी कैंपेन के प्रवक्ता ने कहा, वह एक गुस्सैल आदमी है और इस बात से नाराज है कि ट्रम्प उन पर केस किया है। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्होंने बिना इजाजत ट्रम्प से जुड़ी बातें लीक की हैं। दरअसल, ट्रम्प ने 2021 में वुडवर्ड को उनकी किताब 'रेज' के लिए एक इंटरव्यू दिया था। लेकिन बाद में ट्रम्प ने यह कहकर उस पर केस दर्ज कराया था कि उन्होंने इंटरव्यू से जुड़ी रिकॉर्डिंग करने को रिलीज कर दिया, जिसकी उन्हें इजाजत नहीं दी गई थी।

एफबीआई ने गिरफ्तार किया अफगानी शख्स

वाशिंगटन, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को एक अफगानी शख्स को गिरफ्तार किया है। वह अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के दिन भीड़ को निशाना बनाकर हमला करने की साजिश रच रहा था। अमेरिकी न्याय विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आरोपी शख्स इस्लामिक स्टेट आतंकवादी संगठन से प्रेरित था। न्याय विभाग ने बताया कि ओक्लाहोमा सिटी के 27 वर्षीय नासिर अहमद तौहेदी से गिरफ्तारी के बाद पूछताछ की गई। उसने जांचकर्ताओं को बताया कि अगले महीने चुनाव के दिन अपने हमले की योजना बनाई थी।

अमेरिका और भारत एक दूसरे के हाइड्रोजन मिशन को समर्थन दे रहे

यूएसआईएसपीएफ प्रमुख का बयान

वॉशिंगटन, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के भारत केंद्रित समूह के प्रमुख का कहना है कि वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के लिए भारत और अमेरिका ध्वजवाहक देशों के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की प्राथमिकता में हाइड्रोजन मिशन है। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और व्यवसायिक सहयोग के लिए बने समूह यूएसआईएसपीएफ (यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम) के सीईओ मुकेश अघी ने ये बात कही। मंगलवार को हाइड्रोजन दिवस के मौके पर उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के ध्वजवाहक देशों के रूप में उभर रहे हैं। इसके तहत दोनों देश रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी को बढ़ा रहे हैं। साथ ही अक्षय ऊर्जा सप्लाई चेन, वित्त, निवेश और अनुसंधान के जरिए सहयोग को बढ़ाया जा रहा है। भारत और अमेरिका का मानना है कि स्वच्छ ऊर्जा और दुनिया से कार्बन उत्सर्जन कम करने की दिशा में हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था की भूमिका अहम है। अघी ने कहा कि 'दोनों देशों ने हाइड्रोजन को अपनी प्राथमिकता बना लिया है। दोनों देश सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के सहयोग से हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जिससे रोजगार के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे।' भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के संयुक्त सचिव अजय यादव ने कहा कि हाइड्रोजन दिवस समारोह नई दिल्ली में आयोजित हुआ, जिसमें अमेरिका एक भागीदार देश रहा। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक आयोजन में वैश्विक ग्रीन हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई गई। हम भारत को ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और प्रौद्योगिकी के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

गहलोत राज के अंतिम 6 माह के फैसलों को पलटेगी सरकार!

कमेटी 800 मामलों की सीएम को सौंपेंगी रिपोर्ट

जयपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के अंतिम 6 माह के फैसलों की समीक्षा के लिए गठित कैबिनेट सब कमेटी ने काम लगभग पूरा कर लिया है। बुधवार को कमेटी की अंतिम बैठक होगी और उसके बाद समिति अपनी अनुशंसा कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को रिपोर्ट सौंपेगी। कमेटी ने अब तक करीब 800 से ज्यादा मामलों की समीक्षा की है। बताया जा रहा है कि कमेटी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के अधिकांश फैसलों को बदल सकती है। इनमें जमीन, माइंस आवंटन सहित

व्यक्तिगत लाभ से जुड़े मामले शामिल हैं।

चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में हुई कैबिनेट सब कमेटी की बैठक में करीब 11 विभागों के फैसलों की समीक्षा की गई। बैठक में मंत्री सुमित गोदारा और मंजू बाघमार भी मौजूद रहीं।

'अंतिम 6 माह में जमकर धज्जियां उड़ाई'

बैठक के बाद खींवसर ने पत्रकारों से कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अपने अंतिम 6 माह के कार्यकाल में नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाईं। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पहले नियम-कायदों को ताक में रखकर फैसले लिए गए, जिस पर अनाप-शनाप पैसा खर्च किया गया। मतदाताओं को लुभाने के लिए कई सामाजिक संस्थाओं को जमीनों का आवंटन किया गया। कुछ लोगों को निजी फायदा पहुंचाने के लिए नियम कायदों की अनदेखी की। मंत्री गोदारा ने कहा कि सभी पहलुओं पर बुधवार को अंतिम बैठक में चर्चा होगी और उसके बाद समीक्षा का काम पूरा हो जाएगा।

स्पा सेंटर पर कलक्टर टीना डाबी की छापेमारी से हड़कंप

अंदर का नजारा देख हैरान रह गए अधिकारी

बाड़मेर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाड़मेर शहर में जिला कलेक्टर टीना डाबी द्वारा चलाए जा रहे नवो बाड़मेर अभियान के दौरान कलक्टर ने एक स्पा सेंटर पर छापा मारा और पुलिस को बुलाकर कार्रवाई करवाते हुए 4 युवतियों व 2 युवकों को दस्तयाब करवा कर थाने भेजा गया। दरअसल आज बाड़मेर शहर के चौहटन चौराहे से चामुंडा चौराहे तक नेशनल हाईवे 68 पर जिला कलेक्टर टीना डाबी के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाया जा रहा था।

इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जिला कलक्टर चामुंडा चौराहे के पास

एक स्पा सेंटर के आगे पहुंची तो संचालक ने हड़बड़ा कर अंदर से दरवाजा बंद कर दिया, जिसके बाद जिला कलक्टर को शक हुआ और तुरंत अतिरिक्त जिला कलक्टर, एसडीएम व यूआईटी सचिव ने दरवाजा तोड़कर अंदर तलाशी ली गई तो स्पा सेंटर के अलग अलग कमरों में 4 युवतियां और 2 युवक मिले, जिसके बाद तुरंत पुलिस टीम को मौके पर बुलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने चार युवतियों और दो युवकों को दस्तयाब कर कोतवाली थाने ले जाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है।

गौरतलब है कि बाड़मेर शहर में पिछले लंबे समय से पुलिस की मिलीभगत से स्पा की आड़ में वेश्यावृत्ति जैसी अनैतिक गतिविधियों का खुलेआम संचालन किया जा रहा है। इसको लेकर बाड़मेर शहर वासियों ने कई बार प्रदर्शन कर स्पा सेंटर को बंद करवाने की भी मांग की गई, लेकिन पुलिस की मेहरबानी से शहर भर में खुलेआम स्पा सेंटरों में मसाज के नाम पर अनैतिक गतिविधियों का संचालन हो रहा है।

हरियाणा में भाजपा की जीत ने शेखावाटी में यमुना के पानी की राह खोल दी है

सीकर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के चौंकाने वाले परिणाम को शेखावाटी में चांदी के रूप में देखा जा रहा है। हरियाणा में भाजपा की जीत ने अंचल में नहरी पानी की आस फिर हरी कर दी है। क्योंकि केंद्र, राजस्थान व हरियाणा में एक ही दल की सरकार होने पर ही इस साल फरवरी महीने में शेखावाटी में यमुना के नहरी पानी का एमओयू संभव हो सका था। जिसकी राजस्थान से स्वीकृत डीपीआर हरियाणा में चुनावी आचार संहिता में अटक गई थी। पर अब जब वहां फिर भाजपा की सरकार बनेगी तो दलीय समानता से उस डीपीआर पर सहमति मिलने की संभावना ज्यादा रहेगी। चुनाव परिणाम ने शेखावाटी के कई भाजपा नेताओं की सियासी चमक भी बढ़ा दी है।

चार साल का मिलेगा अवसर

केंद्र के साथ हरियाणा व राजस्थान में अब एक ही दल की सरकारें है। जो कम से कम चार साल तक साथ चलेगी। लिहाजा शेखावाटी में नहरी पानी के लिए ये चार साल सबसे अहम रहेंगे। यदि तीनों सरकारें प्रयास करें तो इन्हीं चार साल में शेखावाटी यमुना के पानी से तर हो सकती है।

शेखावाटी में यमुना के पानी के लिए इसी साल 17 फरवरी को नई दिल्ली में तत्कालीन केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर व राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के बीच समझौता हुआ था। इसके तहत शेखावाटी के सीकर, चूरू,झुंझुनूं व नीमकाथाना जिले को यमुना नदी की बाढ़ का 1917 क्यूसेक पानी भूमिगत पाइप लाइनों से मिलना है। ये पानी बरसात के जुलाई से अक्टूबर महीनों में 123 दिन दिया जाना प्रस्तावित है। जिसका भंडारण कर सालभर वितरण किया जाएगा।

यमुना के पानी की डीपीआर का मामला पिछले 21 सालों से अटका है। राजस्थान ने पहली बार वर्ष 2003 में हरियाणा को डीपीआर भेजी थी। इसके बाद संशोधित डीपीआर वर्ष 2017 और फिर वर्ष 2021 में भेजी गई, लेकिन हरियाणा ने कुछ नहीं किया। इससे सबक लेते इस बार संयुक्त डीपीआर बनाने के लिए टॉस्क फोर्स बनाने का फैसला हुआ था। जो राजस्थान में 14 मार्च को गठित हो गई थी।

विधानसभा व लोकसभा चुनाव परिणाम में सियासी पद खोने वाले कई भाजपा नेताओं का कद भी हरियाणा चुनाव परिणाम ने बढ़ा दिया है। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ व सीकर के पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती का नाम इनमें शुमार है।

इनमें पूनिया हरियाणा चुनाव प्रभारी तो राठौड़ व सरस्वती भाजपा नेता के रूप में पड़ौसी प्रदेश में चुनाव प्रचार में जुटे थे। हरियाणा की जीत ने पूनिया की प्रतिष्ठा बढ़ाने के साथ इन दोनों नेताओं की सियासी चमक भी बढ़ा दी है।

हरियाणा चुनाव में पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा का गमछा काफी सियासी चर्चाओं में रहा। उन्होंने गमछा लहराकर हरियाणा में सियासी परिवर्तन का नारा भी दिया था, लेकिन हरियाणा में सरकार नहीं बनने से समर्थकों व कार्यकर्ताओं में मायूसी है। वहीं हरियाणा चुनाव प्रचार में चूरू सांसद के अलावा कई कांग्रेसी नेता शामिल हुए थे।

गजब! बेटे की रील वायरल होने पर डिप्टी सीएम बैरवा ने बताया था नाबालिग

फिर जून में कैसे बन गया लाइसेंस?

जयपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री प्रेमचंद बैरवा के पुत्र चिन्मय कुमार बैरवा ने अप्रैल 2024 में 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली थी। इसके बाद, जून 2024 में उनका ड्राइविंग लाइसेंस भी बन गया। हाल ही चिन्मय की एक सोशल मीडिया पर वायरल रील ने विवाद खड़ा कर दिया, जिसमें वह बिना सीट बेल्ट लगाए और तेज रफ्तार से जीप चला रहा था। इस रील में कांग्रेस नेता पुष्पेन्द्र भारद्वाज का पुत्र कार्तिकेय भारद्वाज भी मौजूद था। दोनों दोस्त मिलकर रील बना रहे थे, जबकि उनके पीछे पुलिस का वाहन चल रहा था। इस घटनाक्रम के बाद उपमुख्यमंत्री ने अपने पुत्र को नाबालिग बताया था।

रील वायरल होने के बाद, आरटीओ जयपुर प्रथम ने उपमुख्यमंत्री के पुत्र और कांग्रेस नेता पुष्पेन्द्र भारद्वाज के बेटे के खिलाफ कार्रवाई की। आरटीओ ने चिन्मय कुमार बैरवा पर सीट बेल्ट न लगाने और तेज रफ्तार से जीप चलाने पर दो हजार रुपए का जुर्माना लगाया। इसके साथ ही, वाहन मालिक कार्तिकेय भारद्वाज को वाहन में अनधिकृत परिवर्तन करने के लिए आरसी निलंबित करने का नोटिस जारी किया गया। दोनों को इस मामले में सात दिन का समय दिया गया था। चिन्मय कुमार बैरवा ने जुर्माना चुका दिया है, जबकि बुधवार को कार्तिकेय भारद्वाज के वाहन की आरसी निलंबित की जाएगी।

अब कांग्रेस की 'राजस्थान के रण' में होगी कठिन परीक्षा

2 सीटों झुंझुनूं और रामगढ़ की सीट पर बढ़ी टेंशन

जयपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में इस माह प्रदेश की सात सीटों पर उपचुनाव की घोषणा हो सकती है। हरियाणा चुनाव में भाजपा को जो जीत मिली है। उससे प्रदेश के उपचुनावों में भी भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ता हुआ दिखाई देगा। वहीं, कांग्रेस को अपने कार्यकर्ताओं को जोश बढ़ाने पर जोर देना होगा।

प्रदेश की जिन सात सीटों पर उपचुनाव होने हैं। उनमें से दो सीटें झुंझुनूं और अलवर की रामगढ़ सीट हरियाणा की सीमा के पास है। ऐसे में माना जा रहा है कि इन दोनों सीटों पर हरियाणा चुनाव का असर देखने को मिल सकता है। झुंझुनूं और रामगढ़ सीट पर कांग्रेस के ही विधायक चुन कर आए थे। झुंझुनूं विधायक के सांसद बन जाने से यह सीट रिक्त हुई थी और रामगढ़ विधायक के निधन की वजह से यह सीट पिछले दिनों खाली हुई है। कांग्रेस को अब यहां अपना प्रदर्शन दोहराने के लिए दोगुनी मेहनत करनी होगी। इसके अलावा भाजपा को दौसा, देवली-उनियारा, सलूंबर, खींवसर और चौरासी सीट पर भी ऊर्जा मिलेगी।

जिन सात सीटों पर उप चुनाव प्रस्तावित हैं। उनमें से एक सीट सलूंबर ही विधानसभा चुनाव में भाजपा जीत पाई थी। इस सीट पर भाजपा के अमृतलाल मीना चुनाव जीते। उनका निधन होने से यह सीट रिक्त हुई है। इसके अलावा छह अन्य सीटों पर कांग्रेस, आरएलपी और बीएपी के विधायक थे।

बताते चलें कि जिन सात सीटों पर उपचुनाव होने है। इनमें से 4 पर कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। बाकी खींवसर से आरएलपी के हनुमान बेनीवाल तो चौरासी सीट से बीएपी के राजकुमार रोत ने जीत दर्ज की थी। सलूंबर सीट पर ही भाजपा जीत पाई थी। चौरासी और खींवसर सीट पर कांग्रेस गठबंधन के तहत चुनाव लड़ सकती है। चूंकि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने आरएलपी, बीएपी और सीपीआई के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था।

अब देखना है कि उपचुनाव में कांग्रेस क्या अपना लीड बरकरार रख पाती है या नहीं? क्योंकि अब प्रदेश में सत्तापक्ष में भाजपा है। हालांकि प्रदेश में सरकार बनने के बाद श्रीगंगानगर की करणपुर सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी।

मध्य प्रदेश की ज्येष्ठा की राजस्थान में जासूसी क्यों?

भिवाड़ी एसपी हर पल ट्रेस पर थीं, अफसर-कर्मचारी नजर गड़ाए थे

अलवर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। अपराधियों को पकड़ने और उनका पता लगाने के लिए जासूसी की जाती है। उनके मोबाइल नंबर को ट्रेस किया जाता है और अन्य तरह से भी उन पर नजर रखी जाती है। ऐसा अक्सर पुलिस या अन्य जांच एजेंसियां करती हैं, लेकिन जब एक आईपीएस अधिकारी की जासूसी की बात सामने आए तो सबके कान खड़ हो जाते हैं। ऐसा ही एक मामला अब सामने आया है। प्रदेश के गुना जिले की रहने वाली ज्येष्ठा मैत्रेयी राजस्थान के अलवर जिले के भिवाड़ी की एसपी हैं। भिवाड़ी साइबर सेल के सब इंस्पेक्टर और छह अन्य पुलिसकर्मी एसपी ज्येष्ठा की जासूसी कर रहे थे। वे उनके मोबाइल नंबर से लोकशन ट्रेस

रह रहे थे और अन्य तरीके से भी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थे। एसपी को इसकी भनक लगी तो सभी पुलिस कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच पुलिस हेड क्वार्टर स्तर पर की जा रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर ऐसा क्यों किया जा रहा था।

ज्येष्ठा मैत्रेयी मध्य प्रदेश के गुना जिले की रहने वाली है। साल 2017 में ज्येष्ठा ने सिविल सेवा परीक्षा पास की थी। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद ज्येष्ठा को पहली बार राजस्थान कैडर में उदयपुर के गिर्वा सर्कल में एएसपी के रूप में पोस्टिंग मिली थी। इसके बाद वे भीलवाड़ा में एसपी, जयपुर क्राइम ब्रांच में डीसीपी समेत अन्य पद पर रहीं। वर्तमान में ज्येष्ठा मैत्रेयी भिवाड़ी की एसपी हैं।

जानकारी के अनुसार एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी को अपने गोपनीय सूत्रों से छह अक्तूबर को जानकारी मिली कि उन पर नजर रखी जा रही है। उनके मोबाइल नंबर से लोकेशन ट्रेस की जा रही है। जांच में मामला सही पाया गया, इसके बाद 7 अक्टूबर को भिवाड़ी साइबर सेल इंचार्ज एसआई श्रवण जोशी, हेड कांस्टेबल अवनीश कुमार, कांस्टेबल राहुल, सतीश, दीपक, भीम और रोहिताश को सस्पेंड कर दिया है। एसपी ने मामले की जानकारी पुलिस मुख्यालय को दी है। अब पुलिस मुख्यालय स्तर पर मामले की जांच की जा रही है।

1400 कट्टों में भरी 42 लाख की सरसों चुरा ले गए चोर

टोंक, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक जिले के देवली उपखंड के निवारिया ग्राम में किराए के गोदाम में रखे एक व्यापारी के करीब 42 लाख कीमत के सरसों की चोरी का राज आठ माह बाद भी नही खुल सका है। पीड़ित व्यापारी ने व्यापार महासंघ पदाधिकारियों व ग्रामीणों के साथ यहां आकर मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी मनोज कुमार मीना को ज्ञापन सौंपा है।जिसमें सात दिवस में कार्रवाई नही होने पर आमरण अनशन की चेतावनी दी गई है। पीड़ित व्यापारी संजय कुमार जैन पुत्र महेन्द्र कुमार ने बताया कि वह मै. पाटनी ट्रेडिंग कम्पनी निवारिया में अपना व्यवसाय करता है।कार्य के लिए ग्राम निवारिया में अशोक कुमार शर्मा से गोदाम किराए पर ले रखा था जिसमें पीड़ित ने मार्च 2023 में 1400 कट्टे सरसों भर कर रखी थी।

कांगो फीवर : फिर लौटा खतरनाक वायरस

जोधपुर की महिला की मौत, अलर्ट मोड पर स्वास्थ्य विभाग

जोधपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जोधपुर शहर में इस साल का पहला कांगो फीवर का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला की अहमदाबाद में मृत्यु हो गई है। मृतक महिला जोधपुर के नजदीक नांदडा कला गांव की रहने वाली थी। महिला को 30 सितंबर को तबियत खराब होने पर निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

चार दिन पहले परिवार वाले उसे अहमदाबाद ले गए थे। अहमदाबाद से ही सैंपल पुणे लैब भेजा गया, जहां कांगो फीवर की पुष्टि हुई है। गौरतलब है कि साल 2019 में जोधपुर शहर में कांगो फीवर से दो मरीजों की मौत हो गई थी। वहीं मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। आपको बता दें कि कांगो फीवर विषाणु जनित रोग है। दरअसल यह बीमारी हिमोरल नामक परजीवी से फैलती है, जो कि घर पर पाले जाने वाले पशुओं की चमड़ी पर पाया जाता है। इसलिए गाय, भैंस, बकरी, भेड़ आदि से संपर्क में रहने वाले लोग इसकी चपेट में आ जाते हैं। खासतौर पर यह वायरस पश्चिमी और पूर्वी अफ्रीका में पाया जाता है। क्रीमिया देश में 1944 में पहली बार इसकी पुष्टि हुई थी, फिर 1969 में कांगो में इस रोग का पहला मरीज सामने आया था। कांगो फीवर जानलेवा बीमारी है, क्योंकि इस तरह के संक्रमण के 30 से 80 प्रतिशत मामलों में मरीज की मौत हो जाती है।

इस वायरस की चपेट में आने पर मरीज को तेज बुखार आता है। इसके साथ ही आंखों में जलन, रोशनी से डर, चक्कर और मांशपेशियों में तेज दर्द होता है। इसके अलावा मरीज की पीठ में दर्द, उल्टी और गला बैठ जाने जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। संक्रमण के दौरान खून में तेजी से प्लेटलेट्स घटने लगते हैं।

किसी से फोन पर बात करती थी पत्नी

आवेश में आकर पति ने पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी

सीकर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्राम भादवाड़ी में पांच दिन पहले महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में नया मोड़ आया है। पुलिस ने महिला की हत्या के आरोप में पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी पति ने हत्या करना कबूल कर लिया है। पुलिस ने मामले में पति को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। खंडेला पुलिस उपाधीक्षक इनसार अली ने बताया कि पांच दिन पहले भादवाड़ी निवासी मनीषा वर्मा (22) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

मनीषा के पिता राजू राठी ने पति राकेश वर्मा, सास संतरा देवी, देवर अजय व ननद मंजू देवी पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले में पति राकेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने पत्नी की हत्या करना कबूल कर लिया। पुलिस उपाधीक्षक अली ने बताया कि मनीषा किसी से फोन पर बात करती थी। फोन पर बात करने को लेकर पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो गया। इस दौरान आवेश में आकर पति राकेश ने मनीषा का गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामले में पति राकेश को गिरफ्तार किया है। उपाधीक्षक ने बताया कि दहेज के प्रताड़ित करने के मामले में अभी अनुसंधान जारी है।

ड्रोन के जरिये सीमा पार से पहुंचाई 11 करोड़ की हेरोइन

बीकानेर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले से लगती पाक सीमा की नीलकंठ पोस्ट के पास बीती 2 अक्टूबर को ड्रोन के जरिये गिराई गई हेरोइन के मामले में तस्करों से की जा रही पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। संयुक्त जांच एजेंसियों की तस्करों से पूछताछ में सामने आया है कि पाक में बैठे तस्कर ने ही हेरोइन को गिराने की लोकेशन तय की थी और इसके पैसों का लेनदेन हवाला के जरिए दुबई से किया गया था। गौरतलब है कि खाजूवाला बॉर्डर एरिया में बीएसएफ को नीलकंठ पोस्ट के पास एक ड्रोन और करीब 11 करोड़ रुपये की 2 किलो हीरोइन बरामद हुई थी। इस मामले को लेकर पुलिस और बीएसएफ ने 6 तस्करों को गिरफ्तार किया था। पुलिस, सीआईडी आईबी, बीएसएफ द्वारा तस्करों से 2 दिन की पूछताछ के बाद चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। हेरोइन तस्करी की डील पंजाब में बैठे मुख्य तस्कर ने पाकिस्तानी तस्कर से की थी। इस काम के लिए उन्होंने हाल ही में रोहतक जेल से छूट बलदेव सिंह को केरियर बनाया था। सौदा डेढ़ लाख रुपये में तय हुआ था और एक लाख रुपए अहमद ने दुबई से हवाला के जरिए बलदेव के बताए गए बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए थे लेकिन बीएसएफ पुलिस की चौकसी के चलते तस्कर अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाए। बताया जा रहा है कि बलदेव सिंह पिछले एक साल से पाकिस्तानी तस्कर अहमद के संपर्क में था। पुलिस ने इस मामले में पंजाब के फाजिल्का के बलजीत सिंह, हरभजन सिंह, अमरीक सिंह, मस्तान सिंह और हनुमानगढ़ निवासी महेंद्र सिंह और परगट सिंह को गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य आरोपी तारा सिंह अभी फरार चल रहा है।

टूटकर ट्रैक्टर पर गिरा बिजली का तार

पति-पत्नी की मौत, तीन लोग घायल

करौली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। करणपुर क्षेत्र में खेत से बाजरा काटकर घर लौट रहे एक परिवार के पांच लोग करंट की चपेट में आ गए। करंट की चपेट में आने से एक युवक और उसकी पत्नी की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार करंट से सोनू बैरवा पुत्र रामकुमार बैरवा उम्र 25 साल निवासी अमरापुर और उसकी पत्नी नीरज बैरवा की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार सभी लोग खेत से बाजरा काटकर ट्रैक्टर में बैठ कर घर लौट रहे थे। इस दौरान बिजली का तार टूटकर ट्रैक्टर पर गिर गया।

तार में बह रहे करंट से ट्रैक्टर पर सवार सभी लोग झुलस गए। सभी झुलसे लोगों को करणपुर अस्पताल ले जाने पर चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजवीर सिंह चौधरी ने सोनू बैरवा को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दुर्घटना में गंभीर घायल महिला नीरज पत्नी सोनू बैरवा को उपचार के लिए करौली रेफर कर दिया। महिला ने करौली में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

दुर्घटना में रोहित उम्र 7 वर्ष, अन्नू उम्र 8 वर्ष और जेशू उम्र 20 वर्ष का करणपुर हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने ही कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना करणपुर हॉस्पिटल पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी तथा मृतक के परिवार को ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का भरोसा दिया। सोनू बैरवा और उसकी पत्नी की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। दोनों का पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

बतुकम्मा उत्सव तेलंगाना की सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है : विजयलक्ष्मी

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि बतुकम्मा उत्सव तेलंगाना सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। जीएचएमसी मुख्यालय परिसर में बुधवार को बतुकम्मा उत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी और डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी ने सबसे पहले बतुकम्मा उत्सव की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मेयर और डिप्टी मेयर ने महिला अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बतुकम्मा में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मेयर ने कहा कि बतुकम्मा त्योहार एक अनोखा त्योहार है जो तेलंगाना के लोगों की भावना को दर्शाता है, महिलाएं इस त्योहार को बड़े प्यार से मनाती हैं और यह त्योहार लोगों के लिए स्वस्थ जीवन शैली का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने हमसे अपनी परंपरा को आगे बढ़ाने और इसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस मौके पर मेयर ने सभी महिलाओं को बतुकम्मा पर्व की शुभकामनाएं दीं। डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि बतुकम्मा उत्सव महिलाओं की उत्कृष्टता और प्रेम का प्रमाण है। एक महान त्योहार है जहां सभी महिलाएं नौ दिनों तक एक साथ आती हैं और रंग-बिरंगे फूलों के साथ बतुकम्मा मनाती हैं और इसे गौरम्मा के रूप में सोचती हैं। उन्होंने कहा कि फूलों की पूजा और प्रकृति से प्रेम करने की संस्कृति हमारे तेलंगाना में है. इस मौके पर उन्होंने सभी महिलाओं को बतुकम्मा त्योहार की शुभकामनाएं दीं। इस बतुकम्मा समारोह में महिला पार्षदों, समला हेमा, वनम संगीता, महालक्ष्मी, कुछ दीपिका, शांति, अतिरिक्त आयुक्त नलिनी पद्मावती, पंकजा, मुख्य कला अधिकारी सुनंदा, संबंधित विभागों की महिला अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

तेलंगाना में फूलों की पूजा करने की महान संस्कृति -सीएम

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना को फूलों की पूजा करने की महान संस्कृति से नवाज़ा गया है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को "सद्दुला बतुकम्मा" के अवसर पर पूरे महिला समुदाय को शुभकामनाएं दीं, बतुकम्मा उत्सव का अंतिम दिन जिसे रंग-बिरंगे फूलों से मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को टैंक बंड और राज्य भर के अन्य जल निकायों में बड़े पैमाने पर सद्दुला बतुकम्मा समारोह आयोजित करने के लिए उचित व्यवस्था करने का आदेश दिया।

एक शाम श्री श्रीयादे माता के नाम जागरण आज

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दम्माईगुडा स्थित श्रीयादे माता मंदिर प्रजापति समाज हैदराबाद सिकंदराबाद के तत्वावधान में एक शाम श्रीयादे माता के नाम जगरण का आयोजन रखा गया है । समाज के नारायणलाल कवाड़िया एवं रमेश कुमार भड़कोलिया ने बताया कि मंदिर प्रांगण में ही जागरण का आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम आज रात्रि 9:15 बजे से संपूर्ण रात्रि चलेगा! इस अवसर पर राजस्थान के भजन गायक संदीप सेजू ,रमेश प्रजापति व टीम द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी । इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में डांडिया गरबा का आयोजन रखा गया है भजनों के मध्य भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहेगी।

इसी तरह बालाजी नगर के तत्वावधान में जागरण व महाप्रसादी का आयोजन किया गया। अध्यक्ष जयराम पंवार सचिव हीरालाल चोयल ने बताया कि हर वर्ष की भांति विशाल जागरण व महाप्रसादी का आयोजन भक्तों के सानिध्य में किया गया। भजन गायक दिनेश नाथ ने देर रात तक भजनों के पुष्प अर्पित किये। सीरवी समाज ट्रस्ट बालाजी नगर अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हीरालाल चोयल द्वारा विशेष सम्मान किया गया।

भारत ने 86 रन से जीता दूसरा टी-20

नीतीश रेड्डी ने 74 रन बनाए, 2 विकेट भी लिए बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से आगे हुए

दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने नई दिल्ली में बांग्लादेश को 86 रन से दूसरा टी-20 हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। भारत ने 9 विकेट खोकर 221 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 135 रन ही बना सका। भारत से नीतीश रेड्डी ने 34 गेंद पर 74 रन बनाए, उन्होंने फिर बॉलिंग से 2 विकेट भी लिए।

रेड्डी को ही प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। वरुण चक्रवर्ती ने भी 2 विकेट लिए। बांग्लादेश से महमूदुल्लाह ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। दूसरा मुकाबला जीतकर भारत ने 3 टी-20 की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। तीसरा मुकाबला 12 अक्टूबर को हैदराबाद में खेला जाएगा।

नलगोंडा जिले में धान की खरीद शुरू

7.50 लाख मीट्रिक टन धान आने का अनुमान पूरे जिले में 375 खरीद केंद्र स्थापित

नलगोंडा, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिले में धान खरीद का काम शुरू हो गया है, इस बरसात के मौसम में खरीद केंद्रों पर 7.50 लाख मीट्रिक टन धान आने का अनुमान है। सुचारू संचालन की सुविधा के लिए सरकार ने पूरे जिले में 375 खरीद केंद्र स्थापित किए हैं। सीजन की शुरुआत में किसानों के लिए एकमात्र बाधा यह थी कि उन्हें यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई थी कि उनका धान गुणवत्ता मानकों को पूरा करता है, विशेष रूप से नमी की मात्रा 17 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। पड़ोसी आंध्र प्रदेश से धान के अवैध परिवहन को रोकने के लिए, वडापल्ली और नागार्जुन सागर में चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। यह उपाय तेलंगाना सरकार द्वारा बढ़िया चावल की किस्मों के लिए 500 रुपये प्रति क्विंटल प्रोत्साहन की पेशकश के जवाब में है।

केंद्रों पर धान की आवक पहले ही तेज हो चुकी है। खरीद प्रक्रिया की देखरेख करने वाले अधिकारी किसानों से धान बेचने के लिए पट्टादार पासबुक और बैंक खाते का विवरण प्रस्तुत करने को कह रहे हैं। प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए बढ़िया किस्म और मोटी किस्म के लिए अलग-अलग केंद्र बनाए गए हैं। सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बुधवार को नलगोंडा शहर के निकट अरजाला बावी में धान खरीद केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने समय पर भुगतान के महत्व पर जोर दिया और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि किसानों को भुगतान तीन कार्य दिवसों के भीतर उनके खातों में जमा हो जाए।

पूर्ववर्ती करीमनगर में बतुकम्मा की तैयारी पूरी

करीमनगर, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में गुरुवार को आयोजित होने वाले सद्दुला बतुकम्मा समारोह के लिए विस्तृत तैयारियां कर ली गई हैं। नगर निगमों, नगर पालिकाओं और ग्राम पंचायतों के अधिकारियों ने तेलंगाना के नौ दिवसीय बथुकम्मा उत्सव के अंतिम दिन सद्दुला बतुकम्मा के लिए विशेष व्यवस्था की। मैदानों की सफाई के अलावा खेल स्थलों पर बिजली, प्रकाश, पेयजल, जनरेटर व अन्य व्यवस्थाएं भी की गईं। महिलाएं बतुकम्मा उत्सव मनाने के बाद फूलों से बनी मूर्तियों को जलाशयों में विसर्जित करती हैं, इसलिए अधिकारियों ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए बथुकम्मा विसर्जन स्थलों पर पेशेवर तैराकों को तैनात किया है।

करीमनगर नगर निगम (एमसीके) के अधिकारियों ने 2.20 करोड़ रुपये खर्च करके शहर के 60 डिवीजनों के सभी खेल मैदानों के साथ-साथ 20 बतुकम्मा विसर्जन स्थलों पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराईं। हर विसर्जन स्थल पर पेशेवर तैराकों को भी तैनात किया गया। स्थानीय विधायक गंगुला कमलाकर ने महापौर वाई सुनील राव के साथ लोअर मनैर बाध स्थित बथुकम्मा विसर्जन स्थल का दौरा किया। दूसरी ओर, बथुकम्मा तैयार करने के लिए गुनुगु, थांगेडु, सीताम्मा जादा, गुम्मडी, बंथी, चमंथी सहित अन्य फूलों की खरीदारी के लिए फूलों के बाजारों में भीड़ उमड़ रही है।

पर्यावरण संरक्षण उद्योगों की जिम्मेदारी: पवन कल्याण

डिप्टी सीएम ने कार्यशाला का उद्घाटन किया

विजयवाड़ा, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के उपमुख्यमंत्री और वन, पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री पवन कल्याण ने आज कहा कि विकास का हिस्सा बनने वाले उद्योगों को भी यह समझना चाहिए कि भावी पीढ़ी को अच्छा पर्यावरण उपलब्ध कराना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण हित सभी उद्योगों की जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब विकास की आवश्यकता है, उद्योगों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। साथ ही, प्रदूषण मुक्त उद्योगों को यथासंभव बढ़ावा देने की योजना बनाई जानी चाहिए। पवन कल्याण ने बुधवार को विजयवाड़ा के एक होटल में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गैर सरकारी संगठनों, विशेषज्ञों और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए पवन कल्याण ने कहा कि भावी पीढ़ी के भविष्य के बिना विकास करना सही नहीं है। यह धारणा सही नहीं है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उद्योगों के खिलाफ है। वर्तमान स्थिति में पर्यावरण की रक्षा और विकास के पथ पर आगे बढ़ना दोनों ही महत्वपूर्ण हैं। इसके लिए उचित रास्ते तलाशने की जरूरत है। विशेषज्ञों को इस ओर ध्यान देना चाहिए। विशाखापत्तनम में प्रदूषण के मामले में या अन्य क्षेत्रों में प्रदूषण के बिगड़ने के मामले में एक स्थायी समाधान और सभी को स्वीकार्य नीति बनाने की जरूरत है। हाल के दिनों में उद्योगों में

प्रदूषण के साथ-साथ दुर्घटनाएं भी बढ़ी हैं। इन्हें रोकने का उपाय बताया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 974 किलोमीटर का तटीय गलियारा है।

इसे विकसित किया जाना चाहिए। उद्योग लगाए जाने चाहिए ताकि पारिस्थितिकी संतुलन न बिगड़े। आने वाली पीढ़ियों के लिए हम सभी को अभी से सोचना होगा। जल और वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में सभी को शामिल होना चाहिए। ऐसे समय में जब सरकार तेजी से विकास के लिए तरस रही है, विशेषज्ञों और बुद्धिजीवियों को प्रदूषण मुक्त उद्योग और उनके तौर-तरीकों को तैयार करने के लिए बहुमूल्य सुझाव देने चाहिए। उनके सुझावों से समाज को काफी लाभ होगा। पर्यावरण की बेहतरी के लिए गैर सरकारी संगठनों के प्रयास सराहनीय हैं। उनकी सेवाओं का उपयोग प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा, "इस कार्यशाला के माध्यम से उद्योगों की स्थापना और पर्यावरण संरक्षण के दो मुद्दों पर उठाए गए कदमों के बारे में सभी को स्पष्टता मिलेगी। हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि इन पांच सालों में प्रदूषण को कितना नियंत्रित किया जाए। पर्यावरण की रक्षा के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए।"

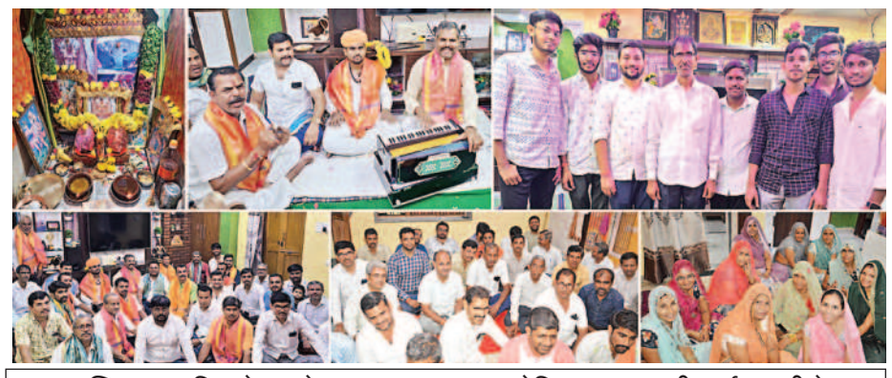

नागारम स्थित नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित एक शाम श्री आईमाताजी के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए वोराराम सीरवी, सांवलराम। अवसर पर अतिथियों का सम्मानकर दर्शन व भजनों का लाभ लेते हुए आयोजक वोराराम, भंवरलाल, फुआराम, देवेन्द्र, कमलेश, विशाल देवड़ा, निर्मल, आलोक सोलंकी, प्रदीप राजपुरोहित, समाज बन्धु व भक्तगण।

अत्तापुर स्थित नवरात्रि महोत्सव पर आयोजित रंगारंग गरबा-डांडिया नृत्य कार्यक्रम में उपस्थित सीरवी समाज सलाहकार जसवन्त देवड़ा, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सचिव निर्मला देवड़ा, सलाहकार गवरीदेवी परिहार, ओमप्रकाश, सुरेश सोलंकी, नारंगीदेवी, गवरीदेवी चोयल, संतोष, तारादेवी, शालु सोलंकी, ज्योतीदेवी पंवार, सरोज, तरुण सोलंकी, दिपिका, अशोक परिहार व अन्य।

दो चेन स्नेचर गिरफ्तार

चेन्नूर , 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दो चेन स्नेचरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया है। सीआई रविंदर के अनुसार , पिछले महीने की 23 तारीख को, पद्मसाली कॉलोनी की एक वृद्ध महिला राजूबाई, शिव मंदिर से घर आ रही थी, पद्मसाली कॉलोनी में नेनेला सूर्या और जित्ताबोइना संतोष ने पीछा किया, और गले से ढाई तोल का सोने की चेन छीन लिया था। पुलिस थाने में दर्ज की गई शिकायत की जांच कर रही थी, तो सोमवार को राजीव रोड पर गश्त कर रही पुलिस को देखकर दो संदिग्धों ने दोपहिया वाहन पर भागने की कोशिश की तो पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपियों को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया ।

श्री राम वंचित से लेकर वनवासी तक के आदर्श

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विष्णुप्रपन्नाचार्य जी महाराज राजस्थान एवं साथ में गया जी एवं पुष्कर से पधारे श्री वेंकटेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने संयुक्त रूप से हैदराबाद में भगवान श्री राम के आदर्श जीवन पर प्रकाश डालते हुए संदेश दिया कि वे वंचित से लेकर वनवासी तक समस्त विश्व के आदर्श हैं। यही वजह है कि समस्त भारतीयों के हृदय में आज भी भगवान राम का आदर्श प्रगट रूप में दिखाई देता है

गया पीठाधीश्वर स्वामी जी ने बताया कि भगवान श्री राम ने अधर्म अनीति और अत्याचार का जो धर्म के रास्ते पर चल कर रावण आदि का संहार कर सनातन को मुक्त किया ।

स्वामी विष्णुप्रपन्नाचार्यजी ने कहा कि आज सनातन को दूषित करने वाले भगवान के दिव्य स्थलों को भी दूषित कर रहे हैं। समस्त हिन्दू समाज की आस्था को ठेस पहुँचाने वाला जो कृत्य तिरुमला में हुआ है वो क्षमा करने योग्य नहीं है। पारदर्शिता से इसकी जाँच होना चाहिए एवं सनातन धर्म रक्षण बोर्ड का गठन कर के स्वतंत्र प्रभार बनाना चाहिए ताकि मंदिरों की आय का सदुपयोग हिंदू समाज के कल्याण हेतु किया जा सके। दक्षिण से ले कर उत्तर भारत तक जितने भी हमारी आस्था के केंद्र हैं वहाँ पर अन्य धर्म को मानने वाले की नियुक्ति ना हो। हर शहर में एक लैब का निर्माण हो जिससे खाद्य सामग्री की शुद्धि की जाँच सुगमता से कराई जा सके ।

शंकराचार्य जी को गदा भेंट

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज रवींद्र भारती में गौ प्रतिष्ठा आंदोलन और गौ ध्वज स्थापना भारत यात्रा के आयोजन में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के नेतृत्व में गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन किया गया है। बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर.लक्ष्मण राव के नेतृत्व में शंकराचार्य जी का हार्दिक स्वागत किया गया और स्वामी जी को गौ माता की प्रतीकात्मक मूर्ति और गदा भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विनय तिवारी रघु, आदित्य, नरेश व बडी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

भाग्यनगर हैदराबाद के सोमाजीगुडा स्थित शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स (एसएलजे) शोरुम पर बहुमूल्य प्रदर्शनी के सातवें दिन (सिक्थ डे) पर, पावन दशहरा व दिपावली त्यौहार एवं शादी ब्याह विवाह फंक्शनों के मद्धेनजर ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद बना रहा। जिसमें विभिन्न सूदूर क्षेत्रों जैसे कर्नाटक रायचूर, तेलंगाना के निजामाबाद, वरंगल, मंचेरियाल, आंध्र प्रदेश के विजयवाडा, महाराष्ट्र के परभणी महानगरों से कई ग्राहक आकर्षक आभूषणों जैसे बोर, हाथ बाजूबंध, कन्दोरा एवं नेकलेसेस एवं लाइट वेट ज्वैलरी, डायमण्ड ज्वैलरी तथा चांदी के बर्तन लोटा सेट, थाली सेट की खरीदारी करते व्यस्त दिखाई दे रहे हैं।

ड्रोन से यूरिया, डीएपी का छिड़काव कर रहे हैं किसान

राजन्ना-सिरसिला, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि क्षेत्र में मजदूरों की कमी एक बड़ी समस्या है। मजदूरों की कमी से परेशान किसानों ने इस समस्या से निपटने के लिए नई तकनीकें अपनानी शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में मुस्ताबाद मंडल के पोथगल प्राथमिक कृषि सहकारी समिति ने अपने सदस्यों की मदद के लिए एक नया विचार पेश किया है। पुरानी मैनुअल विधि के बजाय, खड़ी फसलों पर नैनो यूरिया और डाइ-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) का छिड़काव करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारतीय किसान उर्वरक सहकारी समिति (इफको) ने 12 लाख रुपये की कीमत का ड्रोन और 2 लाख रुपये की कीमत का बैटरी ऑटोरिक्शा उपलब्ध कराया है। इफको ने पैक्स कर्मचारी नरसैया को ड्रोन चलाने का प्रशिक्षण भी दिया।

किसानों के लिए यह बहुत मददगार साबित हुआ है क्योंकि एक एकड़ में खड़ी फसल को 10 मिनट में ही कवर किया जा रहा है। ड्रोन के इस्तेमाल से समय के साथ-साथ खर्च भी कम हुआ है। एक एकड़ में खड़ी फसल पर नैनो यूरिया, डीएपी और अन्य कीटनाशकों के छिड़काव के लिए 350 रुपये लिए जा रहे हैं। अगर किसान पीएसीएस से संपर्क करते हैं, तो सोसायटी के कर्मचारी ऑटोरिक्शा में यूरिया और डीएपी बैग लेकर खेतों में जाकर छिड़काव करेंगे। पोथगल पीएसीएस के अंतर्गत आने वाले 14 गांवों के किसान ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं।

संगारेड्डी में जन्म के कुछ घंटों बाद ही शिशु लापता

संगारेड्डी, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी के मातृ एवं शिशु अस्पताल (एमसीएच) से बुधवार को एक नवजात बच्ची कथित तौर पर चोरी हो गई, जबकि मां नसीमा को मंगलवार को प्रसव के लिए एमसीएच में भर्ती कराया गया था। संगारेड्डी पुलिस के अनुसार, मनूर मंडल के दुदिकोंडा की रहने वाली नसीमा ने बुधवार सुबह एक बच्ची को जन्म दिया। हालांकि, दोपहर तक बच्ची लापता हो गई। शिशु के पिता अब्बास अली की शिकायत के बाद, संगारेड्डी वन-टाउन पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी। इस बीच, पुलिस ने बच्चे की पहचान करने और उसका पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की। मामला दर्ज कर लिया गया है। इस चौंकाने वाली घटना ने अस्पताल में सुरक्षा की कमी को उजागर कर दिया है।

अतिरिक्त कलेक्टर ने निरीक्षण किया

मदनूर , 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी जिले के अतिरिक्त कलेक्टर डी श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को मदनूर मंडल के तहसीलदार कार्यालय में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।. इस अवसर पर डी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि स्नातक एवं शिक्षक एम एल सी चुनाव के लिए 31 अक्टूबर 2021 से पहले डिग्री उत्तीर्ण करने वालों को स्नातक एमएलसी के लिए मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने को कहा गया है। इसी तरह, एमएलसी के लिए शिक्षकों को 31 अक्टूबर 2021 तक 3 साल का शिक्षण करियर पूरा करना चाहिए। ग्रेजुएट्स को डिग्री मार्क्स शीट या प्रोविजनल या डिग्री पट्टा (दीक्षांत समारोह) सर्टिफिकेट जरूर लगाना चाहिए। उन्होंने राजनीतिक दलों को पंजी करने के लिय सहयोग करने के लिए कहा गया है ताकि गांवों, मंडलों, प्रभागों और केंद्रों में मतदाता के रूप में पंजीकृत हो सकें। कार्यालय में पूर्ण आवेदन के वल आवेदक द्वारा ही किया जायेगा। ग्रेजुएट एमएलसी के लिए आवेदकों के दस्तावेजों की जांच सावधानीपूर्वक कर अंतिम रूप देने के लिए संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर को भेजने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर तहसीलदार मुजीब, वरिष्ठ चुनाव सहायक विजय, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि लक्ष्मण, तुकाराम, अजय, संजीव ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टीम इंडिया नहीं जाएगी पाकिस्तान!

दुबई में खेला जाएगा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल

नई दिल्ली, , 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड तैयारियों में जुटा है. आईसीसी का ये टूर्नामेंट अगले साल की शुरुआत में खेला जाएगा. हालांकि, टीम इंडिया के हिस्सा लेने को लेकर अभी भी स्थिति साफ नहीं है. भारतीय टीम ने 2008 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है. ऐसे में भारतीय क्रिकेट टीम के 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने की संभावना ना के बराबर हैं. इसी बीच चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है. इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच पाकिस्तान के बाहर हो सकता है.

बदलेगा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल का वेन्यू

भारत और पाकिस्तान के बीच पीछले कई समय से रिश्ते अच्छे नहीं हैं, जिसके चलते भारतीय टीम इस देश का दौरा नहीं करती है. इसी के चलते दोनों टीमों के

बीच कोई सीरीज भी नहीं खेली जाती है, भारत और पाकिस्तान के बीच सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप के दौरान ही मैच खेले जाते हैं. टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ये टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर खेला जा सकता है. इस टूर्नामेंट का फाइनल मैंच लाहौर में खेला जाना है. लेकिन टीम इंडिया फाइनल में पहुंचती है तो फाइनल मैच भी पाकिस्तान के बाहर होगा, इसकी पूरी संभावना है कि ये मैच दुबई में कराया जा सकता है.

ऐसे में माना जा रहा है कि टीम इंडिया ग्रुप स्टेज के अपने सभी मैच पाकिस्तान के बाहर ही खेलेगी और उसके सेमीफाइनल में पहुंचने पर भी वेन्यू में बदलाव किए जाएंगे. फिलहाल दोनों सेमीफाइनल भी पाकिस्तान में ही खेले जाने हैं. एशिया कप 2023 की मेजबानी भी पाकिस्तान को मिली थी. लेकिन तब भी भारतीय टीम ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया था. टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में होस्ट किया गया था. टीम इंडिया ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे और फाइनल भी यहीं हुआ था. यानी एक बार फिर इसी फॉर्मूले को आजमाया जा सकता है.

29 साल बाद पाकिस्तान में ICC इवेंट

करीब 8 साल के इंतजार के बाद चैंपियंस ट्रॉफी की फिर से वापसी हो रही है. वहीं, ये टूर्नामेंट पिछले 29 साल में पाकिस्तानी जमीन पर आईसीसी का पहला भी इवेंट है. ड्राफ्ट शेड्यूल के मुताबिक टीम इंडिया को अपने सभी मैच लाहौर में खेलने हैं. टीम इंडिया अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी. इसके बाद दूसरा मुकाबला वो 23 फरवरी को न्यूजीलैंड से खेलेगी. वहीं, ग्रुप स्टेज का तीसरा और आखिरी मैच भारत टूर्नामेंट के मेजबान और अपने चिर-प्रतिद्वन्दी पाकिस्तान से 1 मार्च को खेलेगी. लेकिन टीम इंडिया पाकिस्तान के दौरे पर नहीं जाती है तो इन सब मुकाबलों के वेन्यू में बदलाव देखने को मिल सकते हैं.

गौतम गंभीर के एक इशारे से केकेआर को हो जाएगा करोड़ों का नुकसान?

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच 3 मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मैच 9 अक्टूबर को दिल्ली में खेला जाएगा. दोनों टीमें दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आमने-सामने होंगी. सीरीज का पहला मैच टीम इंडिया ने 7 विकेट से जीता था. ऐसे में उसकी नजर सीरीज पर कब्जा करने पर रहने वाली है. वहीं, बांग्लादेश की टीम सीरीज में बराबरी करने के लिए खेलेगी. वहीं, आईपीएल की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स की नजर टीम इंडिया की प्लेइंग 11 पर रहने वाली है.

गौतम गंभीर के एक फैसले पर सभी की नजर

ग्वालियर में खेले गए टी20 मैच के दौरान मयंक यादव और नीतीश कुमार रेड्डी ने टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया था. वहीं, अब दिल्ली में मुकाबला होगा, ऐसे में माना जा रहा है कि लोकल बॉय हर्षित राणा को भी भारत के लिए डेब्यू करने का मौका मिल सकता

है. तेज गेंदबाज हर्षित राणा पिछली कुछ सीरीज से टीम इंडिया में चुने जा रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक डेब्यू का मौका नहीं मिला है. ऐसे में देखने वाली बात होगी कि गौतम गंभीर इस मुकाबले में हर्षित को मौका देते हैं या नहीं. हालांकि हर्षित राणा को अगर इस सीरीज के किसी भी मैच में डेब्यू का मौका मिलता है तो कोलकाता नाइट राइडर्स को भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है.

केकेआर को हो सकता है करोड़ों का नुकसान

दरअसल, हर्षित राणा ने टीम इंडिया के लिए अभी तक कोई भी मैच नहीं खेला है. ऐसे में वह फिलहाल आईपीएल में अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर खेलते हैं. आईपीएल रिटेंशन के नियमों के मुताबिक, सभी टीमें कुल 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं, जिसमें एक अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल करना होगा. अनकैप्ड खिलाड़ी को रिटेन करने के लिए टीम को 4 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे. वहीं, हर्षित राणा ने पिछले सीजन में काफी शानदार प्रदर्शन किया था. ऐसे में उम्मीद है कि केकेआर की टीम उन्हें रिटेन कर सकती है.

लेकिन अगर कोई भी खिलाड़ी 31 अक्टूबर से पहले इंटरनेशनल डेब्यू करता है तो वह कैप्ड खिलाड़ी माना जाएगा. यानी हर्षित राणा अगर इस सीरीज के दौरान टीम इंडिया के लिए कोई भी मैच खेलते हैं तो वह कैप्ड खिलाड़ी हो जाएंगे. ऐसे में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम उन्हें 4 करोड़ रुपए में रिटेन नहीं कर पाएंगी. हर्षित राणा कैप्ड खिलाड़ी बन जाते हैं तो केकेआर को उन्हें अपनी टीम के साथ बनाए रखने के लिए कम से कम 11 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे.

ओलंपिक मेडल की क्वालिटी को लेकर हॉकी प्लेयर हार्दिक सिंह ने उठाए सवाल

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 काफी ज्यादा विवादों में रहा है। खिलाड़ियों ने ओलंपिक के दौरान मेडल की क्वालिटी को लेकर भी सवाल उठाया था। इसी कड़ी में एक और नाम जुड़ गया है। इंडियन हॉकी टीम के मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने जीते हुए ब्रॉन्ज मेडल की क्वालिटी पर सवाल उठाए हैं।d

हाल में ही मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने झुमरू पॉडकास्ट के साथ ओवरशेयरिंग में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने मजाकिया अंदाज में मेडल की क्वालिटी को लेकर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा कि हमें बताया गया कि पदक में एफिल टॉवर से लोहा

मिला है। मुझे उम्मीद है कि यह सच है। हालांकि उन्होंने कहा कि वो मेडल की क्वालिटी से खुश नहीं हैं।

मेडल को लेकर बात करते हुए उन्होंने कहा, "उनका एक ही काम था और वो था कि उन्हें एक अच्छी क्वालिटी का मेडल बनाना था, लेकिन वो ये भी नहीं कर सके। हालांकि उन्होंने पेरिस में ब्रॉन्ज मेडल जीतने को अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया है।

हार्दिक सिंह ने टोक्यो ओलंपिक में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसके अलावा उन्होंने पेरिस में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता था। ऐसे में जब उनसे पूछा गया कि दो बार ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर उन्हें कैसा लगा तो मजाकिया अंदाज में कहा, "मुझे अब आदत हो गई है। "मुझे इस भावना की आदत हो गई है।"

अपने टैटू को लेकर किया बड़ा खुलासा

इस दौरान उन्होंने ओलंपिक रिंग के अपने अधूरे टैटू के बारे में भी बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, "मैं चाहता हूं कि जब मैं अगली बार गोल्ड मेडल जीतकर आऊं तो इसे पूरा करूंगा।" बता दें कि पेरिस ओलंपिक में भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता था।"

दीपा कर्माकर के संन्यास लेने के फैसले से हैरान हुए खेल मंत्री मांडविया

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को जिम्नास्ट दीपा कर्माकर को पत्र लिखा और उनके खेल से संन्यास लेने के फैसले पर हैरानी जताई। रियो ओलंपिक 2016 में प्रभावित करने वाली दीपा ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया था। 31 वर्षीय दीपा ओलंपिक में शामिल होने वाली भारत की पहली महिला जिम्नास्ट थीं। वह बेहद कम अंतर से पदक लाने से चूक गई थीं और चौथे स्थान पर रही थीं। मांडविया ने दीपा को पत्र में लिखा, मुझे जिम्नास्टिक्स से आपके संन्यास लेने के बारे में पता चला।

आपके फैसले पर मैं आश्चर्यचकित हूं लेकिन मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपने जीवन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं और अनुभवों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया होगा। मैं आपके इस निर्णय का पूर्ण सम्मान करता हूं। आपके जिम्नास्टिक का सफर मात्र छह वर्ष की आयु से प्रारंभ हुआ। यह अत्यंत ही प्रेरणादायक रहा है। आपने इस खेल में अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए सफलता के उच्च शिखरों को छुआ और देश को गौरवान्वित किया। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न और पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित होना आपके अद्वितीय योगदान का प्रमाण है।

खेल मंत्री ने कहा कि पूरे देश को दीपा पर गर्व है जो काफी कठिन प्रोडूनोवा वॉल्ट को नियमित रूप से कर लेती हैं। मांडविया ने कहा, आपका ओलंपिक में हिस्सा लेकर भारतीय जिम्नास्टिक्स में एक नया अध्याय जोड़ना और इस खेल में भाग लेने वाली प्रथम भारतीय महिला बनना न केवल आपके व्यक्तिगत परिश्रम का परिणाम बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है विशेष रूप से प्रोडूनोवा वॉल्ट में आपका प्रदर्शन अद्वितीय रहा है।

टीम इंडिया 12 दिन पहले पहुंच सकती है ऑस्ट्रेलिया

टीम इंडिया ए और प्राइम मिनिस्टर-11 टीमों से भी दौरे पर खेलेगी मैच

मुंबई , 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया फिलहाल तो न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज खेलेगी. लेकिन, उसके बाद वो ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवाना होगी, जहां पर 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है. 32 साल में ऐसा पहली बार होगा जब दोनों टीमें 5 टेस्ट मैच की सीरीज खेलती दिखेंगी. आखिरी बार इन दो टीमों में 5 टेस्ट मैच की सीरीज 1991-92 में खेली गई थी. भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की जंग हमेशा से रोचक और रोमांचक रही है. भारत के सामने इस बार खिताब को डिफेंड करने की चुनौती होगी और यही वजह है कि वो दौरे पर दो हफ्ते यानी करीब 12 दिन पहले पहुंच जाएगा. भारत के इतना पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने की वजह खुद की तैयारियों को परखना और वहां के कंडीशन में ढलना भी है.

पर्थ टेस्ट से पहले इंडिया ए से प्रैक्टिस मैच खेल सकती है

भारतीय टीम

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज 22 नवंबर से हो रहा है. पहला टेस्ट पर्थ में है. लेकिन, उससे पहले टीम इंडिया वहां इंडिया ए के खिलाफ एक या दो मैच खेलती दिख सकती है.

इसी वजह से ही टीम इंडिया के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहले पहुंचने की खबर भी है. दरअसल. इंडिया ए 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया रवाना हो रही है, जहां उसे वहां की ए टीम के खिलाफ 2 टेस्ट खेलने है. इंडिया ए का ऑस्ट्रेलिया दौरा 10 नवंबर को खत्म होगा, जिसके बाद वो टीम इंडिया के साथ प्रैक्टिस मैच खेल सकती है.

डे-नाइट टेस्ट से पहले इस टीम से खेलेगी प्रैक्टिस मैच

पर्थ में पहला टेस्ट 22 से 26 नवंबर तक खेला जाएगा. इसके बाद दूसरा टेस्ट डे-नाइट होगा, जो एडिलेड में पिंक बॉल से 6 से 10 दिसंबर के बीच होगा. ऐसी खबर है कि भारतीय टीम पहले और दूसरे टेस्ट के दौरान मिले खाली वक्त में ऑस्ट्रेलिया की प्राइम मिनिस्टर 11 टीम के साथ भी एक अभ्यास मैच खेल सकती है, जो कि दो दिन का डे-नाइट मैच हो सकता है.

मुंबई से ऑस्ट्रेलिया की उड़ान भर सकती है भारतीय टीम

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम इंडिया के मुंबई से उड़ान भरने की खबर है. 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए शुरू होने वाला ये दौरा अगले साल यानी 2025 में 7 जनवरी को जाकर खत्म होगा.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आखिरी टेस्ट 3-7 जनवरी के बीच सिडनी में खेला जाएगा. उससे पहले चौथा टेस्ट बॉक्सिंग डे होगा जो कि 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा. वहीं तीसरा टेस्ट मैच ब्रिसबेन के गाबा मैदान पर 14 से 18 दिसंबर के बीच होगा.

जो रूट ने एलिस्टर कुक को पछाड़कर रचा इतिहास

एक ही पारी में बनाए 3 रिकॉर्ड

मुल्तान, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जो रूट ने इतिहास रच दिया है. मुल्तान में 73 रन बनाते ही वह इंग्लैंड की ओर से टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड एलिस्टर कुक के पास था. इतना ही नहीं रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान में एक ही पारी में 3 रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं. पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 556 रन बनाए थे. दूसरे दिन इसके जवाब में 4 रन पर ही इंग्लैंड ने पहला विकेट गंवा दिया था. इसके बाद बल्लेबाजी के लिए जो रूट आए और पारी बढ़ने के साथ-साथ उनके नाम से एक-एक करके कीर्तिमान भी जुड़ने लगे.

इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट रन

जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में उतरने से पहले 146 मुकाबलों में 50 की औसत से 12402 रन बनाए थे. इसके अलावा उनके नाम 34 शतक और 64 अर्धशतक भी शामिल थे. वह इंग्लैंड के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं, जिसे उन्होंने फिर से एक रिकॉर्ड बनाकर साबित किया. तीसरे दिन लंच से पहले उन्होंने 72 रन बनाने ही 12474 रन के आंकड़े को छू लिया. इसके साथ ही उन्होंने कुक को

पछाड़ा और इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए. कुक ने अपने करियर के 161 मैचों में 45 की औसत से 12472 रन बनाए थे.

डब्ल्यूटीसी में 5000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज

जो रूट ने पाकिस्तान दौरे पर खेले पहली ही पारी में कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए. उन्होंने 27 रन पूरे करते ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में एक बड़ा कारनामा किया. रूट अब डब्ल्यूटीसी के इतिहास में 5000 रन पूरा करने वाले दुनिया के पहले और इकलौते बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने डब्ल्यूटीसी सायकल में कुल 59 मैच खेले हैं, जिसमें 5005 रन बना चुके हैं.

रूट के बाद सबसे ज्यादा रन ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन के नाम हैं. उन्होंने डब्ल्यूटीसी के 45 मैचों में 3904 रन बनाए हैं. वहीं स्टीव स्मिथ 45 मैचों में 3486 रन बनाकर तीसरे स्थान पर हैं. इस लिस्ट में चौथे नंबर पर 3101 रन के साथ इंग्लैंड के बेन स्टोक्स और पांचवें नंबर पर 2755 रन के साथ पाकिस्तान के बाबर आजम हैं.

टेस्ट में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर

जो रूट की पारी से 27 रन से जैसे ही 50 रन के पार गई. उन्होंने भारत के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ की बराबरी करते हुए एक और कीर्तिमान रचा. दरअसल, रूट का टेस्ट में यह 65वां अर्धशतक है और अब द्रविड़ के अलावा रूट ने भी 99 बार टेस्ट में फिफ्टी प्लस स्कोर बना दिए हैं.

वहीं सबसे काम ज्यादा बार करने का रिकॉर्ड भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का है. उन्होंने टेस्ट करियर में 119 बार 50 से ज्यादा की पारी खेली थी. उनके बाद ये कारनामा जैक्स कैलिस और रिको पॉन्टिंग ने किया, जिन्होंने 103 बार ऐसा किया.

केन विलियमसन के बिना ही भारत दौरे पर आएगा न्यूजीलैंड

टेस्ट सीरीज के लिए टीम का हुआ ऐलान

वेलिंगटन, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है. 17 सदस्यीय टीम में न्यूजीलैंड ने केन विलियमसन को जगह तो दी है पर उनका खेलना टेस्ट सीरीज में मुश्किल लग रहा है. सबसे बड़ी बात ये कि केन टीम के साथ भारत दौरे पर भी नहीं आ रहे. भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड टीम की कमान टॉम लैथम के हाथों में होगी. श्रीलंका में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद टिम साउदी की जगह लैथम कप्तान बने थे. भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी, जिसकी शुरुआत 16 अक्टूबर से हो रही है.

केन विलियमसन के बिना ही भारत के लिए उड़ान भरेगी न्यूजीलैंड टीम

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारत

के खिलाफ अपनी टेस्ट टीम का ऐलान करते हुए केन विलियमसन और टीम के शेड्यूल पर बड़ी अपडेट दी है. उसने बताया कि कीवी टीम शुक्रवार यानी 11 अक्टूबर को भारत दौरे के लिए उड़ान भरेगी. लेकिन, इस दौरे पर केन विलियमसन के उड़ान में देरी हो सकती है. न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से इसके पीछे की वजह केन विलियमसन की ग्रोइन इंजरी को बताया गया.

केन विलियमसन को ग्रोइन इंजरी श्रीलंका के खिलाफ गॉल में खेले दूसरे टेस्ट में हुई थी. न्यूजीलैंड क्रिकेट की मानें तो वो फिलहाल रिहैब में हैं, जिसके चलते वो टीम के बाकी खिलाड़ियों के साथ रवाना नहीं होंगे. मतलब ये कि केन विलियमसन बेंगलुरु में खेले जाने वाले सीरीज के पहले टेस्ट में खेलते दिखने की उम्मीद कम है. लेकिन, टेस्ट सीरीज में उनके आगे खेलने को लेकर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता. क्योंकि, ग्रोइन इंजरी से वो कब तक उबर पाएंगे, इसे लेकर कोई अपडेट नहीं है.

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने आगे के मैचों के लिए उनके ठीक होने की बस उम्मीद जताई है.

केन विलियमसन का बैक अप, ब्रेसवेल भी सिर्फ पहले टेस्ट तक

केन विलियमसन की इंजरी पर छाए सस्पेंस का ही नतीजा है कि भारत दौरे के लिए न्यूजीलैंड की टीम में मार्क चैपमैन को बैक अप के तौर पर रखा गया है. इसके अलावा माइकल ब्रेसवेल भी बस एक टेस्ट के लिए टीम का हिस्सा होंगे. सीरीज के पहले टेस्ट के बाद बच्चे के जन्म को लेकर वो वापस घर लौट जाएंगे. दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए ईश सोढ़ी को चुना गया है.

भारत दौरे की न्यूजीलैंड टीम में ज्यादातर फिर वही चेहरे हैं जिन्होंने हाल ही में श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेली थी. भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में, दूसरा टेस्ट 24 अक्टूबर से पुणे में, जबकि तीसरा टेस्ट 1 नवंबर से मुंबई में खेला जाएगा.

पाकिस्तानी सादिया इकबाल की किस्मत ने दिया धोखा

कुछ ही समय में छिन गया नंबर-1 का ताज, फिर भी रचा इतिहास

खेल डेस्क,, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुबई में इस समय महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 खेला जा रहा है. इसी बीच आईसीसी ने महिलाओं की टी20 रैंकिंग जारी की. गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन अभी भी नंबर-1 बनी हुईं हैं. वसोफी एक्लेस्टोन फरवरी 2020 से महिलाओं की टी20 रैंकिंग में नंबर-1 हैं. लेकिन टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बीच उनसे ये ताज छीन गया था, लेकिन अपडेट सार्वजनिक होने पर सप्ताह के अंत में एक्लेस्टोन फिर से नंबर-1 बन गईं, जिसके चलते इसके बारे में किसी को भी पता नहीं चला. दरअसल, पाकिस्तान की सादिया इकबाल कुछ समय के लिए आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में नंबर-1 गेंदबाज बनीं थीं. पाकिस्तान की सादिया इकबाल टी20 वर्ल्ड कप 2024 के पहले मैच के बाद सोफी एक्लेस्टोन को पछाड़कर दुनिया की टॉप रैंकिंग वाली गेंदबाज बन गईं थीं. पिछले हफ्ते कुछ दिनों तक सादिया इकबाल ही नंबर-1 गेंदबाज थीं. दरअसल, इकबाल ने पाकिस्तान के टी20 वर्ल्ड कप के पहले मैच में श्रीलंका के खिलाफ 17 रन देकर 3 विकेट लेकर एक्लेस्टोन की बराबरी की थी. वहीं, एक्लेस्टोन ने अपने पहले मैच में 21 रन देकर विकेट

नहींलिए और वह पिछड़ गई थीं. लेकिन पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड में अपना दूसरा मैच भारत के खिलाफ खेला था, जिसमें उसे हार मिली. इस मैच में सादिया इकबाल ने 23 रन देकर 1 विकेट ही लिया. दूसरी ओर सोफी एक्लेस्टोन ने इंग्लैंड के दूसरे मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 विकेट लिए, जिसके चलते वह एक बार फिर नंबर-1 गेंदबाज बन गईं और जब अपडेट सार्वजनिक की गईं तो सोफी एक्लेस्टोन अपने ताज को बरकरार रखने में कामयाब रहीं. सादिया इकबाल भले ही कुछ ही समय के लिए टी20 में नंबर-1 गेंदबाज बनीं, लेकिन उन्होंने फिर भी इतिहास रच दिया. दरअसल, सादिया इकबाल आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने वाली अपने देश की पहली खिलाड़ी बन गईं. वहीं, सादिया महिला रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने वाली दूसरी महिला पाकिस्तानी खिलाड़ी बनीं. इससे पहले पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर 2018-2019 में वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर-1 बनीं थीं. हालांकि सादिया इकबाल और सोफी एक्लेस्टोन के बीच केवल आठ अंकों का अंतर (762 और 754) है, ऐसे में सादिया के पास एक बार फिर एक्लेस्टोन को पछाड़ने का मौका है.

गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकार कदम उठा रही है : सीएम रेवंत

डीएससी-2024 के माध्यम से नव नियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिला

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना राज्य भर के सभी सरकारी स्कूलों में बेहतर बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए कदम उठा रही है, जिसका उद्देश्य गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को यहां एलबी स्टेडियम में डीएससी-2024 के माध्यम से नव नियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपने में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार एक ऐसी व्यवस्था बना रही है ताकि हर कोई गर्व से कह सके कि हम सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा, "राज्य सरकार प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 25 एकड़ में 125 करोड़ रुपये की लागत से युवा भारत आवासीय विद्यालय स्थापित कर रही है और ये कार्य 11 अक्टूबर से शुरू होने जा रहे हैं।" "हर साल, तेलंगाना में इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद लगभग 10 लाख छात्र निकल रहे हैं। लेकिन, पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद उन्हें नौकरी नहीं मिल रही है।

इसलिए हम युवा भारत कौशल विश्वविद्यालय के माध्यम से प्रशिक्षण और रोजगार प्रदान करने के लिए कदम उठा रहे हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने आईटीआई को अपग्रेड किया है और बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुसार बेरोजगारों को प्रशिक्षण और रोजगार प्रदान करने के लिए कदम उठा रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि शिक्षक तेलंगाना के भविष्य के निर्माता हैं और उन्होंने उनसे तेलंगाना के पुनर्निर्माण के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ काम करने का आग्रह किया।

मुख्य परीक्षा हॉल टिकट डाउनलोड की तिथि की घोषणा

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 21 अक्टूबर से होने वाली ग्रुप-I सेवाओं की मुख्य परीक्षाओं के लिए हॉल टिकट 14 अक्टूबर से टीजीपीएससी की वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। पहले दिन की परीक्षा शुरू होने तक उम्मीदवारों के लिए डाउनलोड विकल्प उपलब्ध रहेगा। ग्रुप-I मुख्य परीक्षा 21 से 27 अक्टूबर तक दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। टीजीपीएससी ने कहा कि उम्मीदवारों को दोपहर 12.30 बजे से केंद्र के अंदर जाने की अनुमति दी जाएगी और दोपहर 1.30 बजे के बाद किसी भी उम्मीदवार को केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा हॉल में घड़ियां उपलब्ध होंगी। अभ्यर्थियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पहली परीक्षा के लिए डाउनलोड किए गए वैध हॉल टिकट की कॉपी का उपयोग शेष छह परीक्षाओं के लिए किया जाना है। उन्हें यह भी निर्देश दिया गया है कि वे अंतिम चयन प्रक्रिया पूरी होने तक अपने हॉल टिकट और सभी परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों को सुरक्षित रखें और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें प्रस्तुत करें।

अधूरे रोजगार वादों को लेकर राहुल गांधी पर केटीआर ने किया कटाक्ष

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना के युवाओं से किए गए अधूरे वादों के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए व्यंग्यात्मक लहजे में उन्हें अपनी गारंटियों की सफलता का जश्न मनाने के लिए हैदराबाद वापस आने का न्योता दिया। उनकी टिप्पणी राहुल गांधी द्वारा अशोक नगर की अपनी यात्रा के दौरान दिए गए उन वादों पर लक्षित थी, जिसमें उन्होंने दो लाख सरकारी नौकरियां देने, 'युवा विकासम' योजना के तहत 5 लाख रुपये की सहायता देने और एक साल के भीतर तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) का पुनर्गठन करने का वादा किया था।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी, अशोक नगर के युवा एक साल में दो लाख नौकरियों के वादे को पूरा करने के लिए आपका धन्यवाद करने का इंतज़ार कर रहे हैं। वे 5 लाख रुपये की युवा विकास सहायता और टीजीपीएससी के पुनर्गठन के लिए भी अपना आभार व्यक्त करना चाहते हैं।

युवाओं से मिलने के लिए हैदराबाद में आपका स्वागत है, क्योंकि आपकी गारंटी पूरी हो चुकी है। रामा राव का बयान राहुल गांधी की नवंबर 2023 की घोषणा की याद दिलाता है, जिसमें उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार पर युवाओं को विफल करने का आरोप लगाया था।

सीएम नायडू ने दुर्गा मंदिर में दर्शन किए

विजयवाड़ा, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू अपने परिवार के सदस्यों के साथ बुधवार को इंद्रकीलाद्री स्थित कनकदुर्गम्मा मंदिर पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी नारा भुवनेश्वरी, बेटे लोकेश, ब्राह्मणी और पोते देवांश भी मंदिर पहुंचे। सीएम ने रेशमी वस्त्र और सुमंगला सामग्री अपने सिर पर धारण किया। राज्य सरकार की ओर से सीएम ने दुर्गाम्मा को रेशमी वस्त्र भेंट किए। इससे पहले दिन में मंदिर प्रशासन ने सीएम का स्वागत किया और उनके दर्शन की व्यवस्था की। चंद्रबाबू ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ अंतरालम में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर बंदोबस्ती विभाग के आयुक्त और ईओ ने सीएम को डोनर सेल का विवरण समझाया। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दशहरा पर दुर्गाम्मा के सभी भक्तों को शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा, "मूल नक्षत्र के दिन दुर्गाम्मा के दर्शन करने का सौभाग्य मुझे मिला है। लाखों भक्त बड़ी आस्था के साथ दुर्गाम्मा के दर्शन कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि दुर्गाम्मा उन्हें अच्छे कर्मों का आशीर्वाद दें, लेकिन हम सेवा समिति के माध्यम से कई तरह की सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। दुर्गागुड़ी गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों को बधाई। कतारों में खड़े भक्तों के लिए किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए व्यवस्था की गई है।" नायडू ने कहा कि इंद्रकीलाद्री पर वीआईपी भक्तों ने भी सहयोग किया। भक्तों ने कहा कि दुर्गागुड़ी के आसपास की सुविधाएं अच्छी हैं। "दुर्गाम्मा की कृपा से राज्य में खूब बारिश हुई। माता की कृपा से राज्य में नदियों को जोड़ने का काम पूरा होना चाहिए। राज्य के सभी लोगों पर दुर्गाम्मा की कृपा बनी रहे। आज आने वाले सभी भक्तों को मुफ्त दर्शन की सुविधा दी गई है। हमारे निर्णय भक्तों की भावनाओं के अनुरूप हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे कि हर मंदिर अपने पुराने गौरव को वापस पा सके।"

पटनम महेंद्र ने विधान परिषद के मुख्य सचेतक का पदभार संभाला

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पटनम महेंद्र रेड्डी ने परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंद्र रेड्डी की मौजूदगी में तेलंगाना विधान परिषद के मुख्य सचेतक का पदभार आधिकारिक तौर पर संभाल लिया। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, मंत्री श्रीधर बाबू और पोन्नम प्रभाकर, विधायक राममोहन रेड्डी, प्रकाश गौड़, ईरलापल्ली शंकर और मालरेड्डी रंगा रेड्डी समेत कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां शामिल हुईं। कोडंडारम, बालमुरी वेंकट, एग्गे मल्लेश, भानु प्रकाश और प्रभाकर समेत कई एमएलसी भी मौजूद थे। पूर्व सांसद मधु यास्की गौड़ और गद्दाम रंजीत रेड्डी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। अन्य उल्लेखनीय उपस्थित लोगों में विकाराबाद जिला परिषद की पूर्व अध्यक्ष पटनम सुनीता महेंद्र रेड्डी, और हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल-मलकाजगिरी जिलों के नेता, जैसे वज्रेश यादव, चरण कौशिक यादव, परमेश्वर रेड्डी, राममोहन गौड़, रोहिन रेड्डी, कोलानु हनुमंत रेड्डी और भीम भारत शामिल थे, जिन्होंने महेंद्र रेड्डी को उनकी नई भूमिका के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. पटनम महेंद्र रेड्डी की मुख्य सचेतक के रूप में नियुक्ति विधान परिषद के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जिसमें कई नेताओं ने उनके नेतृत्व और राज्य की विधायी प्रक्रिया में उनकी भूमिका के बारे में अपनी आशा व्यक्त की है।

टीजीईआरसी के नए अध्यक्ष बन सकते हैं न्यायमूर्ति नागार्जुन!

मुख्यमंत्री ने दे दी है सहमति : सूत्र

29 अक्टूबर को समाप्त हो जाएगा राव का कार्यकाल

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने कथित तौर पर मद्रास उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश देवराजू नागार्जुन को तेलंगाना राज्य विद्युत नियामक आयोग (टीजीईआरसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त करने का फैसला किया है। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जस्टिस नागार्जुन को टीजीईआरसी का अध्यक्ष नियुक्त करने पर अपनी सहमति दे दी है। मौजूदा अध्यक्ष टी श्रीरंग राव का कार्यकाल 29 अक्टूबर को समाप्त होने जा रहा है। जस्टिस नागार्जुन के उसी दिन कार्यभार संभालने की संभावना है।

न्यायमूर्ति नागार्जुन का जन्म वानापर्थी में हुआ था और उन्होंने वानापर्थी शहर के आरएलडी कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की थी। उन्होंने नांदेड़ के एसएसएल लॉ कॉलेज से एलएलबी और उसके बाद उस्मानिया विश्वविद्यालय से एलएलएम किया। उन्हें बर्कले में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष समाधान में शोध करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गई थी। उन्हें 2013 में हैदराबाद में एनएएलएसएआर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में डब्ल्यूटीओ, जीएटीएस और कानूनी सेवाओं का वैश्वीकरण: भारत के कानूनी पेशे पर इसके प्रभावों का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण पर अपने शोध प्रबंध के लिए पीएचडी भी प्रदान की गई थी।

उन्होंने 1986 में एक वकील के रूप में नामांकन कराया था और सिविल, आपराधिक पक्षों और राजस्व अदालतों में भी प्रैक्टिस की थी। उन्हें 1991 में जूनियर सिविल जज के रूप में चुना गया था और बाद में 2004 में उन्हें सीनियर सिविल जज के रूप में पदोन्नत किया गया था। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश के प्रधान निजी सचिव और हैदराबाद में आंध्र प्रदेश पुलिस अकादमी के सहायक निदेशक के रूप में भी काम किया। उन्हें 2010 में जिला न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और उन्होंने कामारेड्डी, निजामाबाद और रंगा रेड्डी कोर्ट में मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश के रूप में काम किया।

गरुड़ सेवा की सफलता में प्रभावी टीम वर्क : श्यामला राव

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गरुड़ सेवा के लिए तैनात टीटीडी के कार्यबल को टीम भावना के साथ इस मेगा इवेंट को सफल बनाने के लिए बधाई देते हुए, टीटीडी ईओ जे. श्यामला राव ने अधिकारियों से इसे जारी रखने और वार्षिक ब्रह्मोत्सव की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

बुधवार को तिरुमाला में ब्रह्मोत्सव सेल में अधिकारियों को संबोधित करते हुए, ईओ ने कहा कि श्रीवारी ब्रह्मोत्सवम का सबसे पवित्र आयोजन, गरुड़ वाहन सेवा टीटीडी अधिकारियों के समन्वित कार्य से एक बड़ी सफलता थी और उन्होंने कर्मचारियों और श्रीवारी सेवकों को भी बधाई दी। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि अगले वार्षिक ब्रह्मोत्सव गरुड़ सेवा के लिए, जिन छोटी-छोटी समस्याओं की पहचान की गई थी, उन्हें ठीक किया जाना चाहिए और ब्रह्मोत्सवम का सबसे महत्वपूर्ण आयोजन है, और शौचालयों की संख्या बढ़ाने, स्वच्छता के संबंध में बेहतर उपाय लागू किए जाएंगे। बाद में, अतिरिक्त ईओ ने कहा कि कर्मचारियों के बीच सामूहिक प्रयासों और आपसी सहयोग से गरुड़ सेवा को व्यापक रूप से सफल बनाने में मदद मिली है और हर वाहन सेवा को गरुड़ सेवा के बराबर माना जाना चाहिए और अधिकारियों से उसी प्रतिबद्धता के साथ काम करने को कहा।

उन्होंने कहा कि भक्तों की सुविधा के लिए, चार माडा सड़कों के लिए बेहतर मास्टर प्लान की सख्त जरूरत है जो अगले सौ वर्षों तक भक्तों की जरूरतों को पूरा करेगी। टीटीडी जेईओ गौतमी, वीरब्रह्मम, सीवी एंड एसओ श्रीधर, सीई सत्यनारायण और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

करीमनगर में छोटे भाई की हत्या

बड़े भाई ने पुलिस के सामने किया आत्मसमर्पण

करीमनगर, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सैदापुर मंडल के दुद्देनापल्ली में मंगलवार देर रात एक व्यक्ति ने अपने छोटे भाई की हत्या कर दी। बाद में उसने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार, कुंदेला कुमारस्वामी और उनके छोटे भाई चंदू के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। मंगलवार रात को भी दोनों में झगड़ा हुआ। जब बहस गंभीर हो गई तो कुमारस्वामी ने चंदू के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से चंदू की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में कुमारस्वामी ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

दुब्बाका विधायक नजरबंद

सिद्दीपेट, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर पुलिस ने दुब्बाका विधायक कोठा प्रभाकर रेड्डी को हैदराबाद के कोंडापुर स्थित उनके आवास पर नजरबंद कर दिया, जब वह बुधवार सुबह अपने निर्वाचन क्षेत्र मुख्यालय जाने की तैयारी कर रहे थे। इस संदेह के कारण कि प्रभाकर रेड्डी जीओ317 पर सरकारी कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन करेंगे, पुलिस ने उन्हें घर से बाहर जाने की इजाजत नहीं दी।

रेड्डी को एक घंटे बाद पुलिस सुरक्षा के साथ माधापुर स्थित उनके कार्यालय जाने की अनुमति दे दी गई। अपने कार्यालय द्वारा जारी एक वीडियो में रेड्डी ने सवाल उठाया कि उन्हें घर पर क्यों बैठाया गया है?

दलबदलू विधायकों को अयोग्य ठहराने का मामला लटका

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दलबदलुओं से निपटने के मामले में कांग्रेस पार्टी का दोहरा मापदंड और भी स्पष्ट होता जा रहा है, पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व, जिसने विभिन्न राज्यों में दलबदलुओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की, तेलंगाना में इसी मुद्दे पर अपने कदम पीछे खींच रहा है। राज्य में कांग्रेस में शामिल हुए बीआरएस विधायकों की अयोग्यता पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है, जबकि उच्च न्यायालय ने दलबदलू विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने के लिए स्पीकर को चार सप्ताह की समय सीमा तय की है।

उच्च न्यायालय ने 9 सितंबर को राज्य विधानसभा सचिव को निर्देश दिया था कि वह स्पीकर के समक्ष तीन विधायकों तेलम वेंकट राव, कडियम श्रीहरि और दानम नागेंद्र की अयोग्यता याचिकाओं की फाइल पेश करें, जो कांग्रेस में शामिल हो गए थे और चार सप्ताह के भीतर की जाने वाली कार्रवाई पर फैसला करें। अदालत ने यह भी कहा कि कार्रवाई की अनुसूची के साथ एक स्थिति रिपोर्ट उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार को बताई जानी चाहिए, ऐसा न करने पर अदालत सुनवाई के लिए मामले को फिर से खोल देगी। जैसे ही चार सप्ताह की समय सीमा नजदीक आई, विधानसभा सचिव ने पिछले हफ्ते उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और एकल न्यायाधीश पीठ के आदेश को चुनौती दी। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति जे श्रीनिवास राव की उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने कोई भी अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया और मामले को अगली सुनवाई के लिए 24 अक्टूबर को स्थगित कर दिया।

शपथ पत्र

1.मैं, राजू अन्नेपु पुत्र अन्नेपु रामाराव, आर्मी नंबर-JC389869N, रैंक- SUB, निवासी- मकान नंबर- EWS14, ऑटोनगर गांव, गजुवाका पुलिस स्टेशन सीमा, पेदागंट्याडा तहसील, विशाखापत्तनम जिला, आन्ध्र प्रदेश-530012.

मैं शपथपूर्वक घोषणा करता हूं कि मेरी पत्नी का नाम मेरे सेवा रिकॉर्ड में सुधा रानी के रूप में दर्ज है जो कि गलत है, उसका सही नाम आधार कार्ड के अनुसार सुधारानी अन्नेपू है, अब से यह सभी शासकीय उद्देश्यों के लिए प्रचलित है।

यदि भविष्य में कुछ भी गलत पाया गया तो मैं कानून के अनुसार दंडनीय होगा।

यह शपथ पत्र 28 नवंबर 2023 को श्रीकाकुलम में मेरे समक्ष में मै अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

शपथकर्ता
राजू अन्नेपु

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.